CMYK

अधिकतम :37°C
न्यूनतम: 26°C
सेंसेक्स 81,118.60
निफ्टी 24,718.60
सोना 1,02,000
चांदी 1,10,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, शनिवार 14 जून 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 311 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com
आषाढ़ कृष्ण पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082
17 ज़िलहिज्जा 1446 हिजरी
नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

ईरान समझौता करे या विनाश का सामना करे: ट्रम्प

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

भारतीय हेड कोच गंभीर इंग्लैंड से भारत लौटे

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

न्यूक्लियर ठिकानों तक पहुंची इजरायल-ईरान संघर्ष की आंच

इजरायल ने ईरान के 4 एटमी ठिकाने उड़ाए

भारत ने दोनों देशों से संयम बरतने को कहा

तेहरान/तेल अवीव/नई दिल्ली। इजरायल ने शुक्रवार सुबह ईरान के 4 एटमी और 2 सैन्य ठिकानों पर 200 फाइटर जेट से मिसाइलें दागीं। हमले में ईरान के सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स के चीफ, 2 बड़े परमाणु वैज्ञानिक समेत 5 बड़े अफसर मारे गए। उधर भारत ने इजरायल और ईरान के बीच बीती रात के घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है और दोनों पक्षों से संयम बरतने और संवाद एवं कूटनीति से समाधान खोजने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां एक बयान में कहा कि हम ईरान और इजरायल के बीच हाल के घटनाक्रमों से बहुत चिंतित हैं।

हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा कि ईरान परमाणु बम तैयार करने वाला था, इसलिए उस पर हमला किया गया। इजरायली सेना का दावा है कि ईरान के पास 15 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम है। इजरायल ने इसीलिए टारगेट भी 4 बड़े न्यूक्लियर प्लांट्स को किया। वहीं हथियार बनाने की क्षमता रखने वाली एक फैक्ट्री और बड़े मिलिट्री अफसरों के रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स को भी तबाह कर दिया। इजरायल सेना ने कहा कि यह 'प्री-एम्पटिव स्ट्राइक' थी। यानी खतरे को भांपकर इजरायल ने हमला किया, ताकि ईरान कोई बड़ी कार्रवाई न कर सके। इजरायली सेना ने यह भी कहा कि आगे और भी ऐसे कई हमले हो सकते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान चोरी-छिपे परमाणु हथियार बना रहा था। यह हमारे देश के लिए खतरा था।

दो सैन्य अड्डे भी बर्बाद, सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ और दो परमाणु वैज्ञानिकों की भी हुई मौत

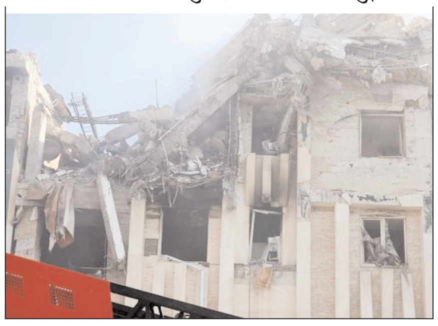

ईरान का पलटवार, 100 से ज्यादा विस्फोटक ड्रोन से हमला, बैलिस्टिक मिसाइलें भी तैयार

तेलअवीव। मिडिल ईस्ट एक बार फिर से सुलग उठा है। इजरायल की तरफ से ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर किए गए भीषण हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की है। ईरान ने पलटवार करते हुए इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। यह हमला शुक्रवार सुबह शुरू हुआ जिसे ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस' नाम दिया। पहले इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के ठिकानों पर स्ट्राइक की, जिसमें ईरान के नतांज और फोर्दो परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया। अब सवाल है कि क्या यह युद्ध आगे बढ़ेगा अगर ऐसा हुआ, तो मिडिल ईस्ट में सिर्फ तबाही दिखेगी।

भारत ने ईरान-इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी

नई दिल्ली। ईरान पर इज़रायल के हवाई हमले के बाद भारत ने दोनों देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को सतर्कता बरतने और स्थानीय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में जारी परामर्श में कहा कि ईरान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों से अनुरोध किया जाता है कि वे सतर्क रहें, सभी अनावश्यक गतिविधियों से बचें, दूतावास के सोशल मीडिया एकाउंट में दी जाने वाली सलाह का पालन करें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें।

ब्लैकबॉक्स व वॉइस रिकॉर्डर मिले

पूर्व सीएम रूपाणी के शव की नहीं हुई पहचान, डीएनए टेस्ट जारी

अहमदाबाद, वार्ता

अहमदाबाद में एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे के 27 घंटे बाद शुक्रवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो

अहमदाबाद विमान हादसा

(एएआईबी) ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिये पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था।

एयर इंडिया की फ्लाइट में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग मौजूद थे। इसमें से एक यात्री की जान बच गई। मरने वालों में राजस्थान से 13, एमपी, हरियाणा और बिहार के एक-एक लोग शामिल हैं। उधर, पूर्व सीएम रूपाणी के शव की पहचान भी अब तक नहीं हो पाई है। पूर्व सीएम रूपाणी के शव की पहचान होते -शेष पृष्ठ दो पर

एयर इंडिया ने की 241 लोगों की मौत की पुष्टि

अहमदाबाद। अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर-787 विमान की दुर्घटना में उसमें सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो गई है। एकमात्र जीवित यात्री विश्वास कुमार रमेश का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

विमान में 230 यात्री तथा दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल थे। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में सवार 241 लोगों की मौत हुई है। बारह साल पुराना बोइंग 787-8 विमान 1338 बजे अहमदाबाद से रवाना हुआ था। कंपनी ने कहा कि हमें यह बताते हुए खेद है कि विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो गई है।

बोइंग 787-8/9 विमानों के रखरखाव के अतिरिक्त निर्देश जारी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के बोइंग 787-8/9 विमानों के रखरखाव एवं उड़ान भरने के पूर्व अतिरिक्त सुरक्षा निरीक्षण एवं उपाय करने के दिशानिर्देश जारी किए हैं। नागर विमानन महानिदेशालय ने शुक्रवार को यहां एक आदेश में कहा कि गुरुवार को एयर इंडिया बी 787-8 विमान उड़ान संख्या एआई-171 (अहमदाबाद- गैटविक) का संचालन करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस बी 787-8/9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करने का निर्देश देता है, जो 15 जून से प्रभावी होंगे। डीजीसीए ने कहा कि विमान रखरखाव एवं उड़ान पूर्व ड्रिल के तहत ईंधन -शेष पृष्ठ दो पर

10 मिनट के सड़क जाम ने बचाई भूमि चौहान की जान

अहमदाबाद। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सिर्फ 10 मिनट देर से पहुंचना भूमि चौहान के लिए उस समय वरदान बन गया, जब लंदन जा रही उसकी एयर इंडिया की उड़ान एआई 171 छूट गई और उसकी जान बच गई।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर 787 गुरुवार को उड़ान भरने के तत्काल बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। भूमि के अनुसार वह लंदन में नौकरी करती है और करीब डेढ़ महीने पहले ही गुजरात के अंकलेश्वर स्थित अपने घर आई थी। गुरुवार को वह लंदन की उड़ान पकड़ने अंकलेश्वर से अहमदाबाद आ रही थी, वह अहमदाबाद समय से पहुंच गई लेकिन शहर में जगह-जगह जाम होने के कारण उसे हवाई अड्डा पहुंचने में दस मिनट की देरी हो गई। हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उसे

अंदर नहीं जाने दिया गया। उसने ऑनलाइन चेकइन किया था, लेकिन उससे कहा गया कि वह देरी से पहुंची है, इमिग्रेशन फॉर्म भरने का समय समाप्त हो गया है और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। भूमि ने कहा कि उसने काफी आग्रह किया और कहा कि यदि उसकी यह उड़ान छूट गई तो उसकी नौकरी भी जा सकती है, लेकिन उसे जाने नहीं दिया गया।

विमान दुर्घटना को लेकर अपमानजनक पोस्ट: अधिकारी निलंबित

तिरुवनंतपुरम। अहमदाबाद विमान दुर्घटना की शिकार केरल के पथनमथिट्टा निवासी महिला के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राज्य सरकार ने एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। केरल के राजस्व मंत्री के राजन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वेल्लारीकुंडु तालुक के उप तहसीलदार ए. पवित्रन को विमान दुर्घटना में मारी गई रंजीता जी नायर की आलोचना करने वाली फेसबुक पोस्ट करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी ने घृणित कृत्य किया है। फेसबुक पोस्ट मेरे ध्यान में आने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। गौरतलब है कि केरल की 38 वर्षीय नर्स रंजीता जी नायर गुरुवार को अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना की पीड़ितों में से एक थीं। इस बीच केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज पीड़िता रंजीता जी नायर के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने के लिए पुल्लाड के लिए रवाना हुई।

फिल्म 'ठग लाइफ' विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का कर्नाटक सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मशहूर फिल्म अभिनेता कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'ठग लाइफ' को कर्नाटक के सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने 'ठग लाइफ' पर प्रतिबंध के खिलाफ महेश रेड्डी की याचिका पर कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी करके अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है। कर्नाटक सरकार ने आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के पालन किए बगैर राज्य मे फिल्म के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया।

हाईकोर्ट ने फिल्म ठग लाइफ के निर्माताओं से मांगा जवाब

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' के निर्माताओं को निर्देश दिया कि वे कन्नड़ साहित्य परिषद के उस आवेदन पर अपना पक्ष रखें, जिसमें राज्य में फिल्म की रिलीज पर प्रतिबंध से संबंधित मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने फिल्म के निर्माता राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया, जिसमें फिल्म के ऑडियो लॉन्च के दौरान अभिनेता की कन्नड़ भाषा के बारे में विवादास्पद टिप्पणी के बाद कर्नाटक में इसकी रिलीज पर लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र के पत्रकार राव को दी जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने टीवी टॉक शो के दौरान उसमें भाग लेने वाले एक व्यक्ति के कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में गिरफ्तार आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव की जमानत याचिका शुक्रवार को मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिकाकर्ता राव को राहत दी। पीठ ने जमानत देते हुए कहा कि उन्होंने (राव) खुद यह (कथित आपत्तिजनक) टिप्पणी नहीं की। इसलिए उनके बोलने की स्वतंत्रता की रक्षा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता ने खुद यह बयान नहीं दिया है, लाइव टीवी शो में उनकी पत्रकारिता की भागीदारी की रक्षा की जानी चाहिए। उनके बोलने की स्वतंत्रता की भी रक्षा की जानी चाहिए, याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू होने पर चीन को सराहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर चीन के सहयोग की सराहना की है और सीमा पार नदियों के प्रवाह के डेटा और सीधी विमान सेवा बहाल करने के बारे में प्रगति पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि गुरुवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेडोंग से मुलाकात की जो 12-13 जून को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने इस वर्ष 27 जनवरी को बीजिग में अपनी पिछली बैठक के बाद से भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में

■ **विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेडोंग से मुलाकात की**

विकास की समीक्षा की और जन-केंद्रित कार्यक्रमों पर प्राथमिकता के साथ संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। विदेश सचिव ने इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए चीनी पक्ष के सहयोग की सराहना की। उन्होंने हाइड्रोलॉजिकल डेटा और अन्य सहयोग के प्रावधान को फिर से शुरू करने के लिए सीमा पार नदियों में सहयोग के लिए विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की अप्रैल 2025 की बैठक में चर्चा का उल्लेख किया और उन पर प्रगति की उम्मीद की।

विजय रूपाणी के परिजनों से मिले मोदी

अहमदाबाद, वार्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय रूपाणी के परिजनों से शुक्रवार को यहां मुलाकात की। गुरुवार को यहां हवाई अड्डे के निकट हुई इस भीषण दुर्घटना में चालक दल के सदस्यों के समेत 241 लोग मारे गए थे।

श्री रूपाणी भी इस विमान से लंदन जा रहे थे और दुर्घटना में उनकी भी मौत हो गई। प्रधानमंत्री सुबह यहां पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया। वह दुर्घटना में घायल एकमात्र जीवित यात्री से मिलने अस्पताल भी गए। बाद में उन्होंने श्री रूपाणी के परिजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने विमान दुर्घटनास्थल का लिया जायजा अस्पताल में घायलों का हालचाल जाना

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद के मेघानीनगर में हुए विमान दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और वहां को जायजा लेने के बाद उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। विमान हादसे से पूरा देश शोक में हैं। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति रमेश विश्वास से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और अन्य घायलों से भी उनका हालचाल जाना। श्री मोदी विमान दुर्घटना के बाद पल-पल पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।

बम की अफवाह के बाद AI विमान की आपात लैंडिंग

बैंकॉक, वार्ता

थाईलैंड के रिसॉर्ट द्वीप फुकेट से शुक्रवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के विमान में बम रखे होने की धमकी मिलने के बाद उसे आपातकालीन स्थिति में वापस हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। फुकेट हवाई अड्डा अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 379 को बाद में सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। थाईलैंड एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में विमान के उतरने के बाद यात्रियों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि विमान की सघन जांच के बाद उसके अंदर से कोई बम नहीं मिला।

एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पठानकोट। भारतीय वायुसेना के एक अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को पठानकोट जिले के नांगलपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हलेड़ गांव में आपातकालीन लैंडिंग की। किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। हेलीकॉप्टर ने पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी थी और गांव के खुले मैदान में अनिर्धारित लैंडिंग की। स्थानीय लोगों ने हेलीकॉप्टर को उतरते देखा और मौके पर पहुंचे हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी।

यूपी-एमपी सहित नौ राज्यों में हीटवेव

राजस्थान व हरियाणा में रेड अलर्ट, तापमान 48 डिग्री पहुंचने की आशंका

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में मानसून 29 मई से मुंबई-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुका है। साउथ और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 9 राज्यों में आज हीटवेव का अलर्ट है।

राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट है। यहां तापमान 45 डिग्री से ऊपर जा सकता है। वहीं, हरियाणा के 9 जिलों में दिन का तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू चलने की चेतावनी है। वहीं, राजस्थान के भी 22 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। गुरुवार को श्रीगंगानगर, कोटा, बीकानेर सहित कई जिलों में

■ **तेलंगाना में बिजली गिरने से छह लोगों की मौत, उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना**

तापमान 45 डिग्री के पार रहा। दूसरी तरफ, मौसम विभाग ने कर्नाटक, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना जताई है। कर्नाटक के हुबली में गुरुवार को भारी बारिश हुई। इससे कई जगह बिल्डिंग के बेसमेंट और सड़कों पर पानी भर गया। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में गुरुवार को अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश के साथ बिजली गिरने से पांच महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या के आरोप में दो निहंग गिरफ्तार

बठिंडा। पंजाब में पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की हत्या के आरोप में शुक्रवार को दो निहंगों को गिरफ्तार किया। कमल कौर बुधवार को बठिंडा-चंडीगढ़ राजमार्ग पर भुच्चो कलां में आदेश विश्वविद्यालय के बाहर खड़ी अपनी कार में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई थीं। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमनीत कोंडल ने कहा कि हत्या के आरोप में जसप्रीत सिंह और निमरतजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरे आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरोन की तलाश जारी है, जो फरार है। एसएसपी ने कहा कि कंचन की गला घोंटकर हत्या की गई।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश, बोइंग-787 की यात्री का बड़ा दावा

अहमदाबाद/मुंबई, वार्ता

■ **खड़खड़ाहट की आवाज आ रही थी, हादसे के डेढ़ घंटे पहले उसी फ्लाइट में लंदन से आई थी**

अहमदाबाद में गुरुवार को क्रैश हुए एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन को लेकर एक महिला यात्री ने दावा किया है, उसमें पहले से खराबी थी। क्रैश होने से डेढ़ घंटे पहले महिला उसी प्लेन से लंदन से अहमदाबाद आई थी। महिला का नाम हिनाब. न कालरिया है। वह सूरत की रहने वाली है।

हिनाबेन ने बताया कि लंदन से टेकऑफ के दौरान प्लेन के एसी और सभी डिस्प्ले बंद थे। एयर होस्टेस ने इसे तकनीकी गड़बड़ी बताया था। हिनाबेन के मुताबिक लैंडिंग के वक्त प्लेन से खड़खड़ाहट की आवाज भी आ रही थी, जिससे यात्री डर गए थे। हिनाबेन 11 जून की रात 10 बजे लंदन से बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर एआई-172 से रवाना हुई थीं। यह प्लेन 12 जून की सुबह करीब 12 बजे अहमदाबाद पहुंचा था। फिर दोपहर 1.38 बजे यही प्लेन एआई-171 के तौर पर अहमदाबाद से लंदन जाते सिविल हॉस्पिटल की बिल्डिंग से टकराकर क्रैश हो गया, जिसमें 265 लोगों की मौत हो गई। हिनाबेन ने बताया कि लंदन से एआई-172 से 12 जून को दोपहर 12 बजे अहमदाबाद पहुंची थीं। यात्री बोली- पुरानी बस की तरह फ्लाइट से आवाज आ रही थी हिनाबेन ने बताया कि प्लेन के अंदर रखे सभी डिस्प्ले बंद थे। जब हमने यह बात एयर होस्टेस को बताई, तो उसने हमसे मोबाइल अपडेट करने को कहा और बताया कि तकनीकी खराबी के कारण डिस्प्ले बंद हो गया है। फिर जब प्लेन अहमदाबाद में लैंड करने वाला था, तो एक खड़खड़ाहट की आवाज आई। आमतौर पर ऐसी आवाज एक पुरानी बस की तरह आवाज आती है। हिनाबेन प्लेन क्रैश की खबर सुनने के बाद से सदमे में हैं। उन्होंने रोते हुए कहा कि मैं इससे पहले अपने बेटे और पति के साथ अहमदाबाद-इजिप्ट की फ्लाइट से लंदन गई थी। उ उन्होंने बताया कि लंदन से अहमदाबाद आते समय मुझ पर तीन बुजुर्गों की जिम्मेदारी थी। उनके परिवारों ने मुझे प्लेन में बुजुर्गों का ध्यान रखने को कहा था। उनके पास फोन भी नहीं थे। एक मुस्लिम महिला भी थी, जिसका हाथ पकड़कर मैंने उन्हें प्लेन के अंदर बैठाया था। अहमदाबाद पहुंचकर मैंने तीनों के परिवारों को बताया कि वे ठीक से पहुंच गए हैं। हादसे से थोड़ी देर पहले सिविल अस्पताल से होकर गुजरी थी, हिनाबेन ने आगे कहा कि अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद मेरे पति मुझे सूरत से लेने आए। मैं उनके साथ सूरत के लिए निकली थी।

अहमदाबाद अस्पताल में अपनों को तलाश रहे लोग

■ **ट्रामा सेंटर और पोस्टमार्टम रूम के बाहर लगी लाइनें, अब तक 265 शवों का पोस्टमार्टम हुआ**

अहमदाबाद। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एयर इंडिया का बो. इंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचा है। मारे गए 241 लोगों में 169 भारतीय, 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। 5 मृतक मेडिकल हॉस्टल के हैं विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डाक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर है। सिविल अस्पताल में एक के बाद एक शवों से भरी एंबुलेंस सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में भेजी जा रही है। अब तक 265 शवों के पोस्टमार्टम किए जा चुके हैं।

भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति का प्रतीक

मंगोलियाई सेना के साथ अभ्यास पर बोले रक्षा सचिव

नई दिल्ली, वार्ता

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगोलियाई सेना के साथ सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट और बहुराष्ट्रीय अभ्यास खान क्वेस्ट को भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति का प्रतीक बताया है।

सिंह ने शुक्रवार को मंगोलिया के उलानबटार में भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट के समापन अवसर पर यह बात कही। समारोह में सेना के 'ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और स्ट्रैटेजिक मूवमेंट' के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी थे। रक्षा सचिव ने नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास के दौरान भारतीय सैनिकों की पेशेवर कुशलता, कर्तव्य के प्रति समर्पण और आचरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच मित्रता, आपसी विश्वास तथा साझा सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी सूत्र का प्रमाण है। यह सार्थक सैन्य सहयोग के एक मंच के रूप में कार्य करता है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए भारत की अटूट प्रतिबधता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की संयुक्त पहलों में भारतीय सेना का योगदान न केवल परिचालन तत्परता को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक शांति प्रयासों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की भूमिका को भी मजबूत करता है। रक्षा सचिव शनिवार को बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट 2025 के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे।

इस अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी भी भाग ले रही है। अभ्यास खान क्वेस्ट 28 जून तक चलेगा। उन्होंने कहा कि अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट और खान क्वेस्ट का आयोजन भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और मंगोलिया के साथ इसकी साझेदारी के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

संक्षिप्त समाचार

देश में कोरोना मामलों की संख्या घटकर 7131 हुई

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी आने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 रह गई। आज सुबह आठ बजे तक कोरोना संक्रमण के 23 नए सक्रिय सामने आए और एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गयी है। गुरुवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7154 तक पहुंच गई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से केरल में एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। यह वायरस हालांकि अब आपातकालीन स्तर का खतरा नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य अधिका. रियों ने चेतावनी दी है कि कोरोना इन्फ्लूएंजा की तरह मौसमी रूप से फैलता रहता है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक लगभग 10,976 लोग इस वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं।

बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लगाने से किया इन्कार

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में बाइक टैक्सी संचालकों को बड़ा झटका देते हुए शुक्रवार को एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिसमें राज्य भर में बाइक टैक्सी सेवाओं पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार की पीठ ने न्यायमूर्ति बी श्याम प्रसाद के गत दो अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली ओला का संचालन और उबर द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई की जिसमें छह सप्ताह के भीतर सभी बाइक टैक्सी संचालन बंद करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने तर्क दिया कि सरकार के इस तरह के संचालन की अनुमति न देने के घोषित नीतिगत निर्णय से इस स्तर पर न्यायिक हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है। पीठ ने कहा कि वह 24 जून को मामले की गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करेगी।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के दावों के निपटान में मिलेगी राहत: एलआईसी

मुंबई, वार्ता

■ **एलआईसी ने पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की**

सरकारी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कल अहमदाबाद में एयर इंडिया के एआई 171 विमान के दुर्घटना के पीड़ितों के लिए छूट की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि एलआईसी प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबध है तथा वित्तीय राहत प्रदान करने के वास्ते दावों के निपटान में तेजी लाई जाएगी।

एलआईसी ने यहां जारी एक बयान में विमान दुर्घटना में लोगों के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उसने पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है और कहा है कि पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए मृत्यु प्रमाण-पत्र के स्थान पर, विमान दुर्घटना के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु के सरकारी अभिलेखों में कोई भी साक्ष्य या केंद्र/राज्य सरकार/ एयरलाइन प्राधिकरणों द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। एलआईसी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि दावेदारों तक पहुंचा जाए तथा प्रभावित परिवारों को दावों का शीघ्र निपटान किया जाए और आगे की सहायता के लिए दावेदार निकटतम शाखा/विभाग/ग्राहक क्षेत्र से संपर्क कर सकते हैं। दावेदार कॉल सेंटर -022 68276827 पर भी कॉल कर सकते हैं।

ईरान पर इजरायल के हमलों पर वैश्विक चुप्पी की उमर-महबूबा ने की आलोचना

संघर्ष बढ़ा, तो पश्चिम एशिया में पड़ेगा प्रभाव

श्रीनगर, वार्ता

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को ईरान पर इजरायल के हमले पर विश्व की बड़ी शक्तियों की 'चुप्पी' की आलोचना की और इसे 'दोहरे मानदंडों' का खतरनाक प्रदर्शन बताया।

उमर ने यहां संवाददाताओं से जहां तक उन्हें पता है, ईरान ने इजरायल को हमला करने के लिए कोई उकसावे की कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि इजरायल ने इसे एक पूर्व-प्रतिरोधी हमला बताते हुए एक देश के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। अगर वैश्विक शक्तियां इस पर चुप रहती हैं, तो वास्तव में यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा। इजरायल ने जो किया है, वह रूस द्वारा यूक्रेन के साथ किए गए कार्यों के समान है। उन्होंने कहा कि आप रूस के खिलाफ आवाज उठाते हैं, अभियान शुरू करते हैं। लेकिन जब इजरायल ईरान पर हमला करता है, तो अमेरिका, यूरोप और अन्य चुप रहते हैं। अगर एक देश का दूसरे पर हमला करना गलत है, तो यह तब भी गलत होना चाहिए, जब इजरायल ईरान पर हमला करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में निश्चित रूप से संघर्ष बढ़ेगा और इसका लोगों पर तत्काल प्रभाव पड़ेगा।

उमर ने कहा कि यह (ईरान-इजरायल संघर्ष) निश्चित रूप से बढ़ेगा और इसका हम पर तत्काल प्रभाव पड़ेगा। इसका हमारे ईंधन की कीमतों पर असर पड़ेगा। इसका हमारे शेयर बाजार पर असर पड़ेगा। इसका पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों पर असर पड़ेगा। इससे भी अधिक इसका लोगों की भावनाओं पर असर पड़ेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विदेश मंत्रालय से ईरान में पढ़ने वाले कश्मीरी विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इजरायल ने शुक्रवार को ईरान पर परमाणु स्थलों सहित एक बड़ा हमला किया, जिसमें कई शीर्ष हस्तियां मारी गईं। सुश्री महबूबा ने कहा कि ईरान पर इजरायल का हमला एक और एक देश द्वारा किया गया बेशर्मी भरा कृत्य है, जो दुष्टता की ओर अग्रसर है। उन्होंने एक्स पर कहा कि वैश्विक समुदाय, खासकर अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियों की चुप्पी चिंता. जनक और भयावह दोनों है। यह चुप्पी मौन स्वीकृति के बराबर है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मामले में अमेरिका यह दावा करने में कभी नहीं चूकता कि तनाव को बढ़ने से रोकने में उसका हस्तक्षेप महत्वपूर्ण रहा है। फिर जब बात गाजा पर इजरायल की लगातार बमबारी या ईरान पर उसके हालिया हमले की आती है, तो वही तत्परता स्पष्ट रूप से गायब हो जाती है। उन्होंने कहा कि ये स्पष्ट दोहरे मापदंड वैश्विक शांति और स्थिरता को खतरे में डालते हैं। समान रूप से परेशान करने वाली बात तथाकथित मुस्लिम देशों की बहरी चुप्पी है, जो इस तरह के गंभीर अन्याय के सामने बेशर्मी से अस्तित्वहीन बने हुए हैं।

अनुच्छेद 370 के बाद सामान्य स्थिति का दावा एक मिथक: मीरवाइज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख मौलवी एवं हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य स्थिति की कहानी एक 'मिथक' है। फारूक ने दावा किया कि दमनकारी उपाय मजबूती से लागू हैं और प्रदेश के लोगों के लिए कोई राजनीतिक या प्रशासनिक स्थान उपलब्ध नहीं है। पुराने श्रीनगर में ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में शुक्रवार को लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से पूछा कि ईदगाह मैदान और श्रीनगर में जामिया मस्जिद में ईद-उल-अजहा की नमाज की अनुमति क्यों नहीं दी गई। गौरतलब है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में कानून-व्यवस्था के प्रभारी हैं। जामिया में ईद की नमाज की अनुमति नहीं देने के फैसले पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित कई लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मीरवाइज ने कहा कि हम ईद के बाद पहली बार मिल रहे हैं, जब हमें ईदगाह या जामा मस्जिद में ईद की नमाज़ अदा करने की अनुमति नहीं थी। दोनों जगहों पर तालाबंदी कर दी गई और मुझे घर में नज़रबंद कर दिया गया।

अर्थ व्यापार

ईरान-इजराइल तनाव से सहमा बाजार

मुंबई, वार्ता

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव से सहमे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लुढ़क गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 573.38 अंक का गोता लगाकर 81,118.60 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 169.60 अंक की गिरावट लेकर 24718.60 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.32 प्रतिशक लुढ़ककर 45,681.28 अंक और स्मॉलकैप 0. 30 प्रतिशत टूटकर 53,370.29 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4123 कंपनियों में से 2469 में बिकवाली जबकि 1516 में लिवाली हुई, वहीं 138 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2964 कंपनियों के शेयरों में से 1824 में गिरावट जबकि 1059 में तेजी रही, वहीं 81 में टिकाव रहा। बीएसई में हेल्थकेयर और रियल्टी की 0.13 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर अन्य 19 समूहों में बिकवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.58, सीडी 0. 40, ऊर्जा 0.63, एफएमसीजी 0. 94, वित्तीय सेवाएं 0.85, इंडस्ट्रियल्स 0.05, आईटी 0.09, दूरसंचार 0.67, यूटिलिटीज 0.91, ऑटो 0.33, बैंकिंग 1.01, कैपिटल गुड्स 0.01, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0. 49, धातु 0.81, तेल एवं गैस 0.57, पावर 0.75, टेक 0.08, सर्विसेज 2. 06 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.01 प्रतिशत लुढ़क गए। वैश्विक स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 0. 42, जर्मनी का डैक्स 1.49, जापान का निक्केई 0.89, हांगकांग का हैंगसेंग 0.59 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.75 प्रतिशत उतर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1264 अंक का गोता लगाकर 80,427.81 अंक पर खुला और बिकवाली जारी रहने से थोड़ी देर बाद ही 80,354. 59 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं लिवाली होने से यह दोपहर बाद 81,238.68 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रिश्वत लेने के आरोप में राजस्व अधिकारी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को पुंछ जिले में रिश्वत लेने के मामले में एक राजस्व अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक प्रवक्ता ने यहां बताया कि एसीबी को पटवारी मोहम्मद जमील द्वारा रिश्वत मांगने शिकायत मिली थी। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता को गांव धरा में स्थित जमीन के खसरा गिरदावरी की सत्यापित प्रतियों यानी राजस्व रिकॉर्ड की जरूरत थी। इसके लिए उसने 26 अप्रैल को ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन जमील उसी की सत्यापित प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था।

खाद्य तेल सस्ते, अधिकांश दालें रही महंगी

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग फिसलने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के भाव गिर गए जबकि उठाव बढ़ने से अधिकांश दालें महंगी हो गई, वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 84 रिंगिट चढ़कर 3927 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.74 सेंट की तेजी के साथ 48.35 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में गिरावट रही। मूंगफली तेल 330 रुपए, सूरजमुखी तेल 512 रुपए, सोया रिफाइंड 365 रुपए, पाम ऑयल 1620 और वनस्पति तेल 1318 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि सरसों तेल में 182 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। दाल-दलहनः दाल- दलहन के बाजार में चुनिदा दाल दलहनों में तेजी रही। इस दौरान मसूर दाल 100 रुपए, मूंग दाल 100 रुपए और उड़द दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई, जबकि चना, चना दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहनः चना 5700-5900, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9300-9400, अरहर दाल 8600-8700 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3650-3750 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ब्लैक बॉक्स... ही राजकोट में अंतिम संस्कार होगा। उनका बेटा शनिवार (आज) अमेरिका से लौटेगा। मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजन के डीएनए टेस्ट लिए जा रहे हैं। रेक्स्यू टीम ने 270 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। इनमें से 7 की बॉडी को डीएनए टेस्ट के बाद परिजन को सौंप दी गई है। 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे के वक्त हॉस्टल में 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमार्टम हो चुका है। इसके अलावा, 220 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 7 शवों की शिनाख्त हो गई है। प्लेन हादसे की जांच में 7 एजेंसियां नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी, गुजरात पुलिस, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए), यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टीगेशन ब्रांच (यूके एंड एएआईबी) यूनाइटेड स्टेट्स की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) शामिल हैं।

बोइंग 787... पैरामीटर निगरानी और संबंधित प्रणाली जांच का निरीक्षण, केबिन एयर कंप्रेशर और संबंधित प्रणालियों का निरीक्षण, इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्ट्यूएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली की जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच की जानी चाहिए। इसके अलावा उड़ान भरने के मापदंडों की समीक्षा करने, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाना चाहिए। दो सप्ताह के भीतर बिजली आश्वासन जांच की जानी चाहिए तथा बी 787-8/9 विमानों पर पिछले 15 दिनों के दौरान बार-बार होने वाली खराबी की समीक्षा के आधार पर रखरखाव कार्रवाई को जल्द से जल्द सुनिश्चित करना चाहिए। डीजीसीए ने कहा कि उपर्युक्त जांच की पूरी रिपोर्ट समीक्षा के लिए नागर विमानन महानिदेशालय को प्रस्तुत की जानी है।

विजय रूपाणी... मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी उनके साथ थे। श्री मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री रूपाणी के साथ अपना फोटो साझा करते हुए कहा कि श्री विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मुलाकात की। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल है।प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री रूपाणी ने हर भूमिका में अपने काम से अपनी पहचान बनाई। श्री मोदी ने लिखा कि राजकोट नगर निगम में, राज्यसभा सांसद के रूप में, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में, उन्होंने हर भूमिका में खुद को प्रतिष्ठित किया। जब विजयभाई गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब भी मैंने और विजयभाई ने बड़े पैमाने पर काम किया था। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा मिला। हमारे बीच हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। ओम शांति।

यूपीपीसीएल व विद्युत कर्मचारी आमने-सामने, करेंगे आंदोलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **नियामक आयोग का कोरम अधूरा, नहीं दे सकते निजीकरण पर अभिमत**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने मध्यांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के 42 जिलों का निजीकरण किए जाने की प्रक्रिया को और तेज कर दी है।

यूपीपीसीएल के कदम बढ़ाने के साथ ही विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने भी अपने आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान कर दिया है। एक तरफ पावर कार्पोरेशन प्रबंधन नियामक आयोग से निजीकरण के आरएफपी बिडिंग डॉक्यूमेंट पर संस्तुति लेने की तैयारी कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का कहना है कि निजीकरण के आरएपी डॉक्यूमेंट पर विद्युत नियामक आयोग के वर्तमान अध्यक्ष को कोई अभिमत देने का नैतिक व कानूनी अधिकार नहीं है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों संजय सिंह चौहान और जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने बयान जारी कर कहा कि पता चला है कि विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविन्द कुमार से पॉवर कारपा. रेशन के चेयरमैन डा. आशीष गोयल, निदेशक वित्त निधि नारंग, नियामक आयोग के सदस्य संजय सिंह और अवैध ढंग से नियुक्त किए गए। नियामक आयोग की संस्तुति लेने के मामले पर एक घंटे से अधिक बातचीत की है। संजय सिंह चौहान और जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग को अवैध ढंग से नियुक्त किए गए, झूठा शपथ पत्र देने वाले और फर्जीवाड़ा स्वीकार कर लेने वाले ट्रांजेक्शन कंसलटेंट ग्रांट थार्टन के बनाए गए निजीकरण के आरएफपी डॉक्यूमेंट पर पॉवर कारपोरेशन से कोई बात नहीं करनी चाहिए।विद्युत नियामक आयोग के वर्तमान अध्यक्ष अरविंद कुमार ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन के पद पर रहते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के साथ छह अक्टूबर 2020 को एक लिखित समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

बाबा केदार के दर्शन करने वाले यात्रियों का आंकड़ा 10 लाख के पार

■ इस बार की यात्रा तोड़ रही सभी पुराने रिकॉर्ड ■ चार धामों में सबसे अधिक यात्री पहुंच रहे केदार धाम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मात्र 42 दिन कि केदारनाथ यात्रा में 10 लाख से अधिक भक्तों ने बाबा केदार के दर्शन कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। मौसम कि तमाम दुशवारियों और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भी केदारनाथ धाम कि यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ा है। जिला प्रशासन की ओर से भी यात्रियों को हर सुविधा देने के सफल प्रयास किये जा रहे हैं।

2 मई को आम भक्तों के लिए बाबा केदार के कपाट खुले थे। तब से लेकर अब तक 10 लाख से अधिक भक्त बाबा केदार के दरबार में माथा टेककर एक नया रिकॉर्ड बना चुके हैं। हर रोज हजारों कि संख्या में भक्त बाबा केदार के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। धाम में पहली बार टोकन सिस्टम के जरिये दर्शन करने कि पहल कि गयी थी। प्रशासन का यह प्रयास बेहद सफल रहा और धाम पहुंच रहे हर यात्री को बहुत कम समय में मन्दिर के गर्भ गृह में जाकर दर्शन हो रहे हैं। भक्तों की भीड़ को देखकर मन्दिर भी दिन रात खुला हुआ है। ऐसे में हर भक्त को बाबा केदार के दर्शन सुगमता से हो रहे हैं। कठिन चढ़ाई होने के बावजूद भी सबसे अधिक यात्री केदार धाम पहुंच रहे हैं। अभी चार माह की यात्रा बची हुई है, जबकी अब कांवड़ यात्रा भी चलनी है। ऐसे में पुरानी यात्रा के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त होंगे। प्रशासन की ओर से भी धाम पहुंच रहे यात्रियों को पैदल मार्ग सहित अन्य स्थानों पर बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के प्रयास किया जा रहे हैं।

मौसम खराब, अलर्ट पर प्रशासन

रुद्रप्रयाग। दो दिनों से केदारनाथ धाम सहित सम्पूर्ण जनपद में मौसम खराब है। रूक-रूककर लगातार बारिश जारी है। ऐसे में प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुये पैदल मार्ग के ग्लेश्यिर प्वाइंट और डेंजर जोनों पर सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। ग्लेश्यिर प्वाइंट पर घोड़े-खच्चरों की एक-एक करके आवाजाही करवाई जा रही है, जिससे पैदल चलने वाले यात्रियों को कोई भी परेशानी न हो। सीतापुर से लेकर केदारनाथ धाम तक जगह-जगह एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, वाईएमएफ, पीआरडी और होमगार्ड के जवान यात्रियों की सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। शुक्रवार को भी केदारनाथ धाम में मौसम खराब रहा। घंटों तक हेलीकाप्टर सेवाएं भी बाधित रही।

हाईवे के डेंजर जोनों पर पीआरडी व पुलिस जवान तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बरसात के मौसम में यात्रियों को सफर करने में कोई दिक्कत न हो, इसके लिये हाईवे के डेंजर जोनों पर पीआरडी और पुलिस के जवान तैनात किये गये हैं। यह जवान दोनों छोरों से एक-एक करके वाहनों की सुरक्षित आवाजाही करवा रहे हैं। बद्रीनाथ हाईवे पर सिरोबगड़, नरकोटा सहित केदारनाथ हाईवे पर काकड़ागाड़, डोलिया देवी के अलावा अन्य स्थानों पर सुरक्षा जवान तैनात किये गये हैं। बरसात में हाईवे की पहाड़ी से भूस्खलन होने की दिशा में जेसीबी और पोकलैंड मशीन भी तैनात की गई हैं, जिससे हाईवे को शीघ्र यातायात के लिये खोला जा सके।

यात्रियों को ठंड से बचाने के लिये अलावा सहित अन्य व्यवस्था

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में लगातार हो रही बारिश के कारण यात्रियों को दर्शन करने में कोई परेशानी ना हो, इसके लिये प्रशासन ने धाम में अतिरिक्त रेन सेल्टर भी लगाये गये हैं। साथ ही यात्री बारिश व ठंड से बचने के लिये आस्था पथ का सहारा भी ले रहे हैं। धाम में यात्रियों के लिये गर्म पानी की निशुल्क व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी चिकित्सालयों में हीटर व धाम सहित पैदल मार्ग पर अलाव की व्यवस्था की गई है।

हाईवे बंद होने पर ट्रैफिक व्यवस्था डायवर्ट

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ हाईवे पर सिरोबगड़ में बरसात होने पर पहाड़ी से बोल्डर गिरते हैं। ऐसे में छोटे वाहनों के लिये खांखरा-छांतीखाल मोटरमार्ग पर वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। केदारनाथ हाईवे पर काकड़ागाड़ में पहाड़ी से गिर रहे बोल्डरों के कारण छोटे वाहनों को काकड़ागाड़-लमगौंड़ी और बांसबाड़ा-बसुकेदार मोटरमार्ग पर डायवर्ट किया जा रहा है।

बरिश पर भक्तों की आस्था भारी

रुद्रप्रयाग। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के बावजूद हजारों की संख्या में भक्त बाबा केदार के दर्शनों के लिये पहुंच रहे हैं। मौसम खराब होने के कारण हेली सेवाएं अधिक समय तक बंद हैं। ऐसे में भक्त पैदल यात्रा मार्ग से बाबा केदार के दर्शनों के लिये पहुंच रहे हैं। सुबह के समय भीषण ठंड में ही भक्त बाबा केदार के दर्शनों के लिये लाइन में लग रहे हैं।

मुख्यमंत्री से मिलीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री धामी ने विजया किशोर रहाटकर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं की सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल भी उपस्थित थी।

हेली टिकट के नाम पर कालाबाजारी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के नाम पर हेली टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता हिमांशु राय अग्रवाल निवासी भोपाल ने थाना गुप्तकाशी में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें दूसरे के नाम का फर्जी आधार कार्ड, जिसमें इनके फोटो लगे थे तथा टिकट दिलाते हुए उनसे 2 टिकटों के 50 हजार लेकर इन्हीं टिकटों और आधार कार्ड से यात्रा करने के लिये कहा गया, जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने कालाबाजारी, बेईमानी, जालसाजी सम्बन्धी तथ्यों के आधार पर विगत 18 मई को थाना गुप्तकाशी में मुकदमा दर्ज करते हुये विवेचना शुरू कर दी। विवेचना के दौरान 2 अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया गया था और अन्य संदिग्धों की गहन पूछताछ एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये थे। अभियोग में विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रभावी साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करने के उपरान्त सुरागरसी, पतारसी कर आकाश शर्मा पुत्र नाथीराम शर्मा निवासी गागलहेड़ी दीनापुर थाना गागलहेड़ी जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके द्वारा पूछताछ में बताया गया है कि उसके द्वारा मैखण्डा, फाटा में मां सरस्वती होटल 6 माह के लिए लीज पर लिया हुआ है तथा उसके द्वारा होटल में आने वाले यात्रियों को हेलीकाप्टर टिकट भी उपलब्ध कराने का झांसा दिलाया जाता था और फिर कस्टमर होटल में लाये जाते हैं, जिसके बाद मनमाफिक पैसा देने वाले यात्रियों को टिकट दिये जाते हैं।

■ दो आरोपियों को पुलिस पहले ही ले चुकी है हिरासत में

महिला हेल्प डेस्क व हेल्प लाइन कर्मियों को दिया जाए विशेष प्रशिक्षण: रहाटकर

■ डीजीपी ने कहा, महिला सम्मान की रक्षा में उत्तराखण्ड पुलिस सदैव प्रतिबद्ध

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड दीपम सेठ सहित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में महिलाओं की सुरक्षा और समन्वित प्रयासों की समीक्षा की गई। बैठक में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, कुसुम कण्डवाल, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन, ए.पी. अंशुमान, समस्त पुलिस महानिरीक्षकगण, अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के अधिकारी उपस्थित रहे। दौरान गुजरात के अहमदाबाद में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी गयी। सभी ने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्ति की। पुलिस अधीक्षक, पी/एम, एवं महिला सुरक्षा ममता वोहरा द्वारा अध्यक्षा को एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण के माध्यम से राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर उठाए गए प्रमुख कदमों, नवाचारों, जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियानों, हेल्पलाइन सेवाओं, महिला प्रकोष्ठों की कार्यप्रणाली तथा पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

15 जून को आयोजित होगा 'रन फॉर योगा' कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आयुष विभाग एवं जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ० जीसीएस जंगपांगी के निर्देशों के क्रम में 15 जून को देहरादून में "रन फॉर योगा" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ० डीसी पसबोला ने जानकारी देते हुए बताया कि रन फॉर योगा के माध्यम से 21 जून को होने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जनसामान्य को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। मीडिया प्रभारी ने रूट प्लान के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि रन फॉर योगा कार्यक्रम का प्रारम्भ गांधी पार्क, देहराद.न से और समापन एमकेपी कॉलेज, देहरादून में किया जाएगा।

पॉलीहाउस निर्माण के कार्य को प्राथमिकता पर किया जाए: जोशी

■ कृषि मंत्री ने क्लस्टर आधारित छोटे पॉलीहाउस में सब्जी एवं फूलों की खेती योजना की समीक्षा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नाबार्ड योजना के तहत छोटे पॉलीहाउसों की स्थापना में गति लायी जाए और जिन कृषकों द्वारा कृषकांश की धनराशि जमा करा दी गयी है, उनके प्रक्षेत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर पॉलीहाउसों की स्थापना करायी जाय।

शुक्रवारको देहरादून के न्यू कैंट स्थित शासकीय आवास में प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उद्यान विभाग की और से संचालित नाबार्ड की आरआईडीएफ योजनान्तर्गत क्लस्टर आधारित छोटे पॉलीहाउस में सब्जी एवं फूलों की खेती योजना की समीक्षा की। बैठक में कृषि सचिव डा एसएन पाण्डे, और महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान उपस्थित रहे। कृषि मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नाबार्ड योजना के तहत छोटे पॉलीहाउसों की स्थापना में गति लायी जाए और जिन कृषकों द्वारा कृषकांश की धनराशि जमा करा दी गयी है, उनके प्रक्षेत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर पॉलीहाउसों की स्थापना करायी जाय। उन्होंने इस बावत कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश जारी करने को कहा। मीडिया को जारी बयान में कृषि मंत्री ने बताया कि राजकीय उद्यान चौबटिया में उद्यान संबंधी शोध कार्यों के लिए सात विशेषज्ञों की नियुक्ति की जा चुकी है।

पंचायत चुनाव अभी तिथि निर्धारित नहीं: आयोग

■ राज्य निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया की खबरों को बताया भ्रामक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि उत्तराखंड में पंचायत चुनावों को लेकर अभी तिथियां निर्धारित नहीं हैं और ना ही आयोग ने ऐसा कोई कार्यक्रम जारी किया है।

आयोग ने सोशल मीडिया पर प्रचारित की जा रही पंचायत चुनावों की तारीखों की खबरों का भ्रामक बताकर खंडन किया है। आयोग ने कहा है कि सोशल मीडिया पर पंचायत निर्वाचन तिथियों के सम्बन्ध में यह एक पत्र वायरल हो रहा है, जो पूर्णत: भ्रामक है। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रभारी संयुक्त सचिव कमलेश मेहता ने पत्र जारी करते हुए कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी निर्वाचन-2025 के लिए विभिन्न सोशल मीडिया में निर्वाचन कार्यक्रम प्रसारित हो रहा है। इस संबंध में आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत चुनावों का निर्वाचन कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है न ही आयोग स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव है।

ऑनलाइन चुनाव प्रक्रिया के लिए दिया गया प्रशिक्षण

देहरादून। उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2025 में एनआईसी द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदान एवं मतगणना कार्मिकों की नियुक्ति किये जाने, निर्वाचनों के परिणामों को ऑनलाइन प्रदर्शित किये जाने, मतदाता सूची सॉफ्टवेयर, मतपत्र एवं मतपेटी प्रबंधन, मतदाता सूची प्रबन्धन एवं निर्वाचन प्रपत्र, मतदान किट, रूट चार्ट, टेंट बैरिकेटिंग, पंचायत निर्वाचन अधिनियम, नियम, मतदान, मतगणना, निर्वाचन व्यय सीमा, कार्मिकों का प्रशिक्षण इत्यादि आवश्यक व्यवस्था के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों एवं राज्य सूचना विज्ञान केन्द्र, देहरादून के अधिकारियों द्वारा शुक्रवार 13 जून से राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखण्ड निर्वाचन भवन में गढ़वाल मण्डल के 06 जनपदों के उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी, पंचास्थानि चुनावालय, जिला सूचना विज्ञान केन्द्र अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, पंचास्थानि चुनावालय एवं त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 हेतु नियुक्त प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण) को प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन एवं प्रबंधन पर भी चर्चा की गई एवं वर्तमान में प्रचलित उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम, 2016, सम्बन्धित नियमावलियों एवं प्रावधानों पर भी प्रशिक्षित किया गया।

इस वर्ष विशेष सहायता में उत्तराखंड को मिलेंगे 615 करोड़

मुख्य सचिव के विशेष फंड को समुचित विकास में उपयोग के निर्देश

■ भारत सरकार द्वारा निर्देशित सुधार कार्यक्रमों को तेजी से लागू करें: वर्धन ■ अपनी विकास की जरुरत के हिसाब से खर्च कर सकेगी राज्य सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि भारत सरकार द्वारा निर्देशित सुधार कार्यक्रमों को तेजी से लागू करें ताकि इसके अंतर्गत विकास कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली धनराशि का राज्य के हित में समुचित उपयोग किया जा सके।

नियोजन विभाग ने अवगत कराया कि इस वित्त वर्ष राज्य को अनटाइड फंड से 615 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त होगी जबकि अन्य धनराशि की प्राप्ति विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित सुधारात्मक कार्यों की प्रगति पर निर्भर रहेगी। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में पूंजीगत निवेश हेतु राज्य को विशेष सहायता के लिए योजना स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2025- 26 की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में स्कीम की टाइड और अनटाइड दोनों तरह के मद से संचालित विकास कार्यों पर व्यापक चर्चा की गई।

उन्होंने खनन, परिवहन, शहरी विकास, आवास, वित्त, परिवहन, राजस्व, कृषि विभाग इत्यादि विभागों को एक सप्ताह में विशेष सहायता स्कीम के कार्यों का रोड मैप और कार्य योजना विद टाइमलाइन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अधिक महत्व के हैं तथा जो कार्य शीघ्रता से पूरे किए जा सकते हैं ऐसे कार्यों को प्राथमिकता से लेना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि जिन विभागों ने स्कीम के तहत विकास कार्यों को पूरा कर लिया है वे तत्काल उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने खनन सेक्टर के रिफॉर्म के लिए खनन विभाग को निर्देशित किया कि माइनर मिनरल्स पॉलिसी निर्माण, दुर्लभ और परमाणु संयंत्र के लिए उपयोगी खनिज के सर्वे, स्टार रेटिंग सिस्टम तथा माइनर मिनरल्स ब्लॉक के ऑक्शन इत्यादि में तेजी से अग्रिम कार्रवाई करें। बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु व आर मीनाक्षी सुंद.रम, सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा, शैलेश बगौली, रविनाथ रमन, पंकज कुमार पांडेय, डॉ आर राजेश कुमार, डॉ एस एन पांडेय व दीपक कुमार, अपर सचिव स्वाति भदोरिया, एमडी उत्तराखंड जल विद्युत निगम संदीप सिंघल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षकों के स्थानांतरण-प्रमोशन दोनों होंगे: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षकों को वार्षिक स्थानांतरण का लाभ दिया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दे दिये गये हैं। इसके साथ ही शिक्षकों की पदोन्नति के प्रकरण को भी विभागीय स्तर पर सुलझाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं ताकि लम्बे समय से प्रोमोशन का इन्तजार कर रहे शिक्षकों को इसका लाभ दिया जा सके।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षकों के प्रमोशन एवं वार्षिक स्थानांतरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। सरकार की मंशा जल्द से जल्द सभी पात्र शिक्षकों को प्रमोशन का लाभ देना है। उन्होंने बताया कि हाल ही में शिक्षकों के प्रमोशन और वार्षिक स्थानांतरण को लेकर उनकी अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन सहित प्रमुख सचिव न्याय, सचिव कार्मिक, सचिव वित्त और विभागीय आलाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में शिक्षकों के पदोन्नति व स्थानांतरण संबंधी सभी पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिसमें सहायक अध्यापक (एलटी) से प्रवक्ता तथा सहायक अध्यापक (एलटी) व प्रवक्ता से हेडमास्टर के पदों पर पदोन्नति के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

■ विभागीय अधिकारियों को दिए सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश

मुख्यमंत्रीं ने विमान हादसे में मरने वालों को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उन्होंने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की एवं शो.काकुल परिजनों के प्रति अपनी संवे.दनाएं भी व्यक्ति की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हादसा देश और विश्व के लिए अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। राज्य सरकार की संवे.दनाएं इस दु:ख की घड़ी में मृतकों के परिवारजनों के साथ है।

भाजपा परिवार ने दी अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि

■ पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित की गई शोक सभा, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित अनेक दायित्व धारी व पदाधिकारी रहे मौजूद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा परिवार ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में दिवंगत लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस संदर्भ में बलबीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम और प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित करते हुए अपनी मौन श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देते हुए दुष्यंत कुमार गौतम से कहा, जब से अहमदाबाद से लंदन जाने वाले विमान क्रैश हुआ, तब से देश में शोक की लहर व्याप्त है। देश ही नहीं विश्व के भी लोगों ने उसमें जान गंवाई है, उससे चारो और शोकाकुल वातावरण है। अपनी हवाई यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, आज एयरपोर्ट में यात्री तो थे लेकिन वह चहल-पहल और आपसी चर्चा नहीं दिखाई जो अमूमन नजर आती थी। कल के दुखद हादसे में हमने जिनको भी खोया, उनका सामाजिक आर्थिक व्यवहारिक योगदान महत्वपूर्ण था। भाजपा परिवार ने भी इस दुर्घटना में अपने बहुत ही वरिष्ठ नेता एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को खोया है। हम सभी के परिवार के लिए यह घटना बहुत दुखद है। दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें और जिन परिवारों को क्षति या नुकसान हुआ है, उनको दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रदेश महामंत्री राजेंद्र बिष्ट के संचालन में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी, धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र बिष्ट, मुकेश कोली, प्रदेश कार्यालय सचिव कस्तूभानंद जोशी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, सरकार में दायित्वधारी ज्योति गैरोला, कैलाश पंत, विश्वास डाबर, विनय रुहेला, सुभाष बड़थ्वाल, कुंवर जपेंदर सिंह, श्रीमती विनोद उनियाल, मधु भट्ट, नेहा जोशी, आदित्य चौहान, अजयेंद्र अजेय समेत बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह ऐसी क्षति, जिसकी कल्पना नहीं की गई :महेंद्र भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेशाध्यक्ष भट्ट ने अपनी संवेदना में कहा कि कल का घटनाक्रम बहुत ही दुखद है जिसमें 265 व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त हुए। ये ऐसी क्षति है जिसकी जिसकी कल्पना नहीं की गई थी, भारत के नागरिकों के साथ-साथ अनेक देशों के नागरिक की भी इसमें क्षति हुई है। इतनी बड़ी घटना में दुख व्यक्त करने के प्रत्येक शब्द कमतर है। लिहाजा हम सभी परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि सभी को अपने श्री चरणों में स्थान दे और पीड़ित परिवारों को इस असीम दुख सहने का सामर्थ्य प्रदान करें। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के नाते हमारी संवेदना उन परिवारों के साथ है। पार्टी ने अपने सभी कार्यक्रम को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया है और आज देश की तरह प्रदेश में भी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि दी जा रही है।

देश और दुनिया इस हादसे से दुखीः डॉ निशंक

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक नेश्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, पूरा देश और दुनिया इस हृदय विदारक घटना को लेकर बहुत दुख एवं शोक में है। हम सब लोग और देवभूमि उत्तराखंड के नागरिक, ऐसे सभी पुण्य आत्माओं की सुख शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को खोया है। साथ ही उनके परिवार के लोगों को भी पीड़ा सहने का सामर्थ्य प्रदान करने की कामना की।

30 सितम्बर तक मुख्यालय न छोड़ें

■ मानसून के मद्देनजर जिलाधिकारी का सख्त रुख आपदा प्रबंधन को लेकर निर्देश जारी ■ चारधाम यात्रा और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए विभागों को सतर्क रहने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। आगामी मानसून सत्र और चारधाम यात्रा के दौरान किसी भी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए टिहरी गढ़वाल की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों से समन्वय के साथ कार्य करने और आपदा की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए चौबीसों घंटे तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि 15 जून से 30 सितंबर तक का समय संवेदनशील है, विशेषकर चारधाम यात्रा की सक्रियता और मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए सभी विभागों को अलर्ट मोड पर कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति जिला मुख्यालय नहीं छोड़ेगा और ऐसा करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 30 के तहत जनपद क्षेत्रान्तर्गत सभी विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष और संबंधित अधिकारी अपने मुख्यालय में उपस्थित रहेंगे। चाहे कार्य दिवस हो या अवकाश, किसी को भी क्षेत्र छोड़ने की अनुमति नहीं होगी जब तक जिलाधिकारी की स्वीकृति प्राप्त न हो। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से यह हिदायत दी कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का मोबाइल फोन स्विच ऑफ या नॉट रिचेबल नहीं होना चाहिए। मोबाइल 24 घंटे ऑन और सक्रिय स्थिति में रहना अनिवार्य है, ताकि आपातकालीन स्थिति में तत्काल संपर्क किया जा सके। यदि किसी अधिकारी को अपरिहार्य कारणों से मुख्यालय छोड़ना पड़ता है, तो उन्हें पूर्वानुमति प्राप्त करनी होगी और अपने स्थान पर तैनात प्रतिस्थानी अधिकारी का नाम व संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

डीएम नितिका खंडेलवाल ने विभागाध्यक्षों से यह भी कहा कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इसी प्रकार के निर्देश दें, ताकि आपदा प्रबंधन के तहत चल रहे समस्त कार्यों का निर्विघ्न क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने संभावित आपदा क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आवश्यक संसाधनों को कार्यशील स्थिति में बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि एकजुटता और समयबद्ध प्रयासों के माध्यम से ही किसी आपदा की चुनौती को कम किया जा सकता है।

जनसुनवाई में डीएम ने शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

नई टिहरी(शाह टाइम्स)। जनपद टिहरी गढ़वाल के विकासखंड भिलंगना स्थित सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता और क्षेत्रीय विधायक शक्तिलाल शाह की उपस्थिति में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से जुड़ी लगभग 83 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आम लोग उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान प्रमुख रूप से लोनिवि, पीएमजीएसवाई, सिंचाई, लघु सिंचाई, दैवीय आपदा, बाल विकास, वन, कृषि, जल संस्थान, पेयजल, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, शिक्षा, उरेडा, दूरसंचार, जिला पंचायत, कॉपरेटिव, समाज कल्याण जैसे विभागों से संबंधित समस्याएं सामने आईं।

थार पर काली फिल्म लगाना व खुले में हुक्का पीना पड़ा यात्रियों को महंगा

■ हुक्का पीने वाले यात्री का चालान कर पुलिस ने भेजा वापस

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा अपने चरम पर है। प्रति दिवस हजारों की संख्या में श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं। यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग के निर्देशन में रुद्रप्रयाग पुलिस द्वारा जनपद क्षेत्रान्तर्गत सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

जनपद रुद्रप्रयाग पुलिस यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार चेकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम शुक्रवार को चौकी फाटा क्षेत्रान्तर्गत चेकिंग के दौरान एक थार के शीशों पर काली फिल्म लगी पायी गयी, जो मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। पुलिस द्वारा वाहन के शीशों से काली फिल्म उतरवाकर वाहन चालक का एमवी एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालानी कार्यवाही करते हुए यातायात के नियमों का पालन करने की हिदायत दी गयी। वहीं दूसरी ओर जनपद में प्रचलित यात्राकाल में जहां पुलिस के स्तर से आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों का स्वागत सहित उनकी प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए केदारनाथ धाम यात्रा में सुगम व सुरक्षित तरीके से दर्शन कराये जा रहे हैं।

डेंगू जागरूकता के लिए श्रीनगर में चलेगा अभियान: डा. नैथानी

श्रीनगर(शाह टाइम्स)। डेंगू नियंत्रण को लेकर उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में अवश्यक बैठक आहुत की गई। सीएमओ पौडी के निर्देश पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौतम नैथानी ने आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, चिकित्सकों, मलेरिया नियंत्रण अधिकारी व कर्मियों की बैठक ली। इस मौके पर डा. नैथानी ने श्रीनगर बिलकेदार, धारी देवी, कलियासौड, सहित आदि जगहों पर अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस मौक पर उन्होने स्वास्थ्य कर्मियों से एक सप्ताह में सोर्स रिडक्शन के लिए नगर के सभी घरों का निरीक्षण करने, मच्छरों का लार्वा मिलने पर इसकी सूचना नगर निगम प्रशासन को दिए जाने के निर्देश दिए। इस मौके पर एमओआईसी डॉ. जीशांत, जिला मलेरिया अधिकारी इंद्रपाल सिंह सहित आदि मौजूद थे।

निर्वाचन आयोग की टीम ने बीएलओ व सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से शुक्रवार को चमोली तहसील में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां आयोग के अवर सचिव श्री दिलीप महतो की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां आयोग के 8 सदस्यीय दल की ओर से दूरस्थ मतदेय स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर चुनाव संबंधी तैयारियों, आधारभूत सुविधाओं और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की गयी।

इस अवसर पर अवर सचिव ने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलओ सुपरवाइजरों को आगामी निर्वाचन कार्यों के संदर्भ में प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन और ट्रांसफर की प्रक्रिया, दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा तथा ई-पंजीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। अवर सचिव ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित की जाए और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो, और कोई पात्र मतदाता वंचित न रह जाए। इस दिशा में बीएलओ की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। स्थानीय भ्रमण के दौरान निर्वाचन आयोग की टीम ने मतदेय स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया और संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी चमोली आर के पांडे,वरिष्ठ प्रशास. निक अधिकारी गीताराम उनियाल एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहें।

धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । ओटीपी मांगकर साइबर धोखाधड़ी करने वाले साइबर ठग को पौड़ी पुलिस ने बुलन्दशहर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 अप्रैल 2025 को स्थानीय निवासी और वादी मनोज शर्मा द्वारा कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति द्वारा ओटीपी मांगकर उनके बैंक खाते से 1 लाख 3 हजार रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ कर दी। मामले की तहकीकात को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी करने के निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह एवं क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन तुषार बोरा के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम द्वारा तहकीकात के दौरान यह तथ्य सामने आया कि साइबर धोखाधड़ी की यह रकम दिल्ली के आसपास कई बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इन खातों से सम्बन्धित खाता धारक को जब ट्रेस किया गया तो वह दिल्ली व उसके आस पास निवासरत होना पाया गया, लेकिन अभियुक्त शातिर किस्म का होने का कारण लगातार अपने ठिकाने व मोबाइल नम्बर बदल रहा था।

एक नजर ....

मोटर साइकिल से चरस की तस्करी कर रहे युवक गिरफ्तार

उत्तरकाशी (शाह टाइम्स)। मोटर साईकिल से चरस की तस्करी कर रहे युवक को पुरोला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना पुरोला पुलिस टीम एक अभियुक्त को 853 ग्राम चरस की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त मो0सा0 से चरस की तस्करी कर रहा था, जिसे पुलिस ने रास्ते में दबोच लिया। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती सरिता डोबाल द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत जनपद के पुलिस अधिकारियों को चारधाम यात्रा के सुगम, सुरक्षित संच. ालन के साथ-साथ नशा तस्करों पर सतर्क दृष्टि रखते हुये कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। थानाध्यक्ष पुरोला श्री मोहन कठैत के नेतृत्व में पुरोला पुलिस टीम द्वारा सटीक जानकारी जुटाते हुये पुरोला-नौगांव रोड़ पर चौकिंग के दौरान रमेश सिंह राणा नाम के एक युवक को चरस की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के कब्जे से 853 ग्राम अवैध चरस बरामद की गयी।

भट्ट की धर्मपत्नी के निधन पर अधिवक्ताओं ने जताया षोक

श्रीनगर (शाह टाइम्स)। प्रख्यात पर्यावरण विद् पद्म भूषण से सम्मानित चंडी प्रसाद भट्ट की धर्मपत्नी देवेश्वरी देवी के निधन पर अधिवक्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वाले उत्तराखंड काउंसिल के सदस्य अर्जुन सिंह भंडारी, बार एसोसिएषन श्रीनगर के संरक्षक अनूपश्री पांथरी, अध्यक्ष परमेश जोशी, सचिव ब्रह्मानंद भट्ट, कोषाध्यक्ष सुबोध भट्ट, सह सचिव देवी प्रसाद खरे, पूर्व सहसचिव प्रदीप मैठाणी, पूर्व अध्यक्ष दीपक भंडारी, पूर्व सचिव विकास पंत, सुरेंद्र सिंह रौथाण, बलवीर सिंह रौतेला, ओमप्रकाश मैठाणी, नितेश भारती, सुनीता भंडारी, राजेश जैन, विवेक जोशी सहित आदि मौजूद थे।

श्रीनगर में संस्कृति, संगीत और आध्यात्म महोत्सव 15 जून से

श्रीनगर (शाह टाइम्स)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने 15 जून को श्रीनगर में संस्कृति, संगीत और आध्यात्म महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। महोत्सव के दौरान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि द्वारा नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान का शुभारंभ भी होगा। राजयोगी मेहरचंद ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि पहली विश्वविद्यालय के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा उत्तराखंड में राज्य स्तरीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कहा कि इस दौरान उत्तराखंड, हिमांचल एवं माउंट आबू राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुति देंगे। वहीं, कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा नशा मुक्त जीवन से लेकर योगध्यान को लेकर व्याख्यान दिया जायेगा। बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 15 जून को नगर के सर्राफा धर्मशाला में प्रातः दस बजे से होगा।

कोटपा एक्ट के तहत श्रीनगर में कटा 10 दुकानों का चालान

श्रीनगर (शाह टाइम्स)। स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू तथा अन्य नशीले पदार्थों के उत्पादन तथा बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने कोटपा एक्ट के अंतर्गत श्रीनगर क्षेत्र के एनआईटी बद्रीनाथ रोड़ व गुरुद्वारा रोड स्थित दुकानों में निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान 10 दुकानों का चालान किया गया। स्वास्थ्य विभाग से एनटीसीपी काउंसलर दुर्गा नेगी ने बताया गया कि धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है तथा धारा 6 के अंतर्गत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचने पर पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही की जाती है। इस दौरान सोशल वर्कर अरुणा, पुलिस विभाग से पवन पुजारी, मुकेश भट्ट, सुरेश रतूड़ी सहित आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश के लिए अधिसूचना शीघ्र जारी करने की मांग

कोटद्वार(शाह टाइम्स)। पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय खुलने और एक महीने के अंदर सत्र आरंभ करने का स्वागत किया है। इस संबध में अपर कालाबड़ स्थित परिषद कार्यालय में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि परिषद सहित अन्य संगठन भी क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खोलने की लंबे समय से मांग कर रहे थे। अब जाकर उनकी मांग पूरी हुई है। इसके लिए वे प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सहित केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए प्रयासरत रहे सभी संगठनों और राजनेताओं का आभार व्यक्त करते हैं। कहा कि अब सरकार को विद्यालय में प्रवेश के लिए अधिसूचना शीघ्र जारी करनी चाहिए, ताकि क्षेत्रीय जनता का सरकार पर विश्वास बना रहे।

दस दिवसीय कार्यशाला में महिलाओं के लिए किया विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

लैंसडौन(शाह टाइम्स)। अभ्युदय परिवार द्वारा आओ सीखें दस दिवसीय कार्यशाला में शुक्रवार को कार्यक्रम का शुभारंभ भावना सती, पूनम बौठियाल, रेनू चौहान, संयोजिका भावना वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । जिसके बाद महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । नृत्य प्रतियोगिता में भावना सती पहले, दुसरे स्थान पर नेहा शाह व तृतीय स्थान पर सोनिया गुप्ता रही वहीं रिंकी वर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया । महिलाओं द्वारा कार्यक्रम में योगाभ्यास भी किया गया जिसकी दर्शकों द्वारा प्रशंसा की गई । इस अवसर पर भावना वर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से महिलाओं और बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है वहीं स्थानीय निवासियों का कहना है कि कार्यशाला वर्ष में दो बार होनी चाहिए यदि सभी का सहयोग रहेगा तो कार्यशाला दो बार लगाने का प्रयास किया जायेगा । कार्यक्रम में नजमा कुरैशी, मोनिका अग्रवाल, चन्दा नेगी, सविता नेगी, सुमन ढौंडियाल, सूची नेगी, विपना जोशी, लता बिष्ट, रीमा रावत, नेहा शाह, शान्ति गुसाईं, कल्पना चौहान आदि लोग मौजूद रहे ।

असामाजिक यात्रियों के उपद्रव से आम यात्री व स्थानीय परेशान

■ पुलिस की ओर से लगातार की जा रही इनके खिलाफ कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के नाम पर कई उत्पाद मचाने वाले उपद्रवी भी पहुंच रहे हैं। जिनके कारण आम भक्तों को भारी परेशानियां हो रही हैं। इस प्रकार के यात्री स्थानीय लोगों से हर बात पर लड़ाई-झगड़ा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सोनप्रयाग के निकट का सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा हैं। जहां हरियाणा से आये कुछ यात्री एक लोकल वाहन चालक के साथ मारपीट कर रहे हैं। जबकि दूसरे वीडियो में गौरीकुंड में कश्मीर का रहने वाला एक व्यक्ति स्थानीय घोड़े-खच्चर संचालक के साथ मारपीट करते हुये देखा जा सकता है।

केदारनाथ धाम की यात्रा लगातार जारी है। हर रोज हजारों की संख्या में भक्त बाबा केदार के दर्शन कर रहे हैं। हजारों की संख्या के बीच पहुंच रहे यात्रियों में कुछ यात्री असामाजिक भी हैं। जो जगह-जगह हुडदंग के साथ ही मारपटी कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों के साथ ही अन्य यात्रियों को भी परेशानियां हो रही हैं। हालांकि उपद्रव मचाने वाले ऐसे यात्रियों के खिलाफ पुलिस की ओर से भी कार्यवाही की जा रही है।

अवैध खनन पर रोक के लिए एसडीएम नियमित करें निरीक्षण : डीएम

गोपेश्वर(शाह टाइम्स)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में अवैध खनन निरोधक दल की बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिले में अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान अवैध खनन को लेकर जिलाधिकारी ने सभी अवैध खनन के मामलों में जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब न देने पर नोटिस जारी कर तीन दिनों में जवाब मांगने के निर्देश दिए और जवाब न देने वाले के विरुद्ध कारवाई कर आरसी काटने के भी निर्देश दिए।

सिंचाई सलाहकार समिति उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल ने नालों का किया स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। सिंचाई सलाहकार समिति उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल ने गुरूवार को चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर पहुंचकर अधिकारियों के साथ जल निकासी के लिए बने सात नालों का स्थलीय निरीक्षण कर बरसात से पूर्व नालों के मरम्मत किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आईआईटी रूडकी से जल निकासी नालों का सर्वे कर आंगणन तैयार करने के लिए भी विभागीय अधिकारियों से कहा।

उपाध्यक्ष कंडवाल के गोपेश्वर पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह बिष्ट ने बताया कि एक लंबे समय से जिला मुख्यालय गोपेश्वर भू-धंसाव और भू-कटाव से जुझ रहा है। वर्ष 2003 से 2005 तक गोपेश्वर शहर के जल निकास के लिए सात नालों का निर्माण किया गया था लेकिमननगर में लोगों की आबादी बढ़ने और विस्तार होने से पूर्व में निर्मित जल निकास नालों की मरमत न होने के कारण नलों से गंदे पानी का रिसाव लोगों के घरों में जा रहा है। यही नहीं इससे कई स्थानों पर भू-काटाव और भू-धंसाव के कारण स्थानीय लोगों जिसमें पापड़ियाणा, बैतरणी, बंज्याणी, पाडुली, कोठियाल सैण, बुराली, ग्वीलो के लोगों को भारी परेशानी हो रही है। बरसात का मौसम चल रहा है लोग डरे सहमें हुए है। इस पर कंडवाल ने कोठियालसैण स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेते हुए कहा कि योजनाओं के निर्माण कार्यो में गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण हों इस पर बल दिया जाए। इस अवसर पर अधिसाशी अभियंता अरविंद सिंह नेगी, सहायक अभियंता मनोज सिंह, सहायक अभियंता हरेन्द्र सिह, सिकंदर कुमार, अमित घिल्डियाल, धीरज कुमार, अवर अभियंता मनीष सिंह, ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार: तीरथ रावत

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के 11 वर्ष देश को गौरांवित वाले रहे हैं। इन 11 वर्षों में देश आत्मनिर्भर के क्षेत्र में आगे बढ़ा। देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य तेजी के साथ हुए। सेनाओं को आधुनिक किया गया। पूरी दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण बदला है। उन्होंने कहा कि देश के अंदर और बाहर रहने वाले देश के नागरिकों का विश्वास और आशा बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी सरकार की हर योजना के जनकल्याणकारी साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि देश में पहलगाम जैसे दुर्दात घटना हुई इससे हर देशवासी स्तब्ध और दुखी था। सरकार ने सेना को पहलगाम घटना का बदला लेने की खुली छूट दी। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकी से देश की सेना को मजबूती मिली है।

न्यू कमलेश्वर मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति न होने से रोष

श्रीनगर(शाह टाइम्स)। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत स्थित न्यू कमलेश्वर मौहल्ले में ट्यूब वैल लाइन में विगत तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति न होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि पेयजल आपूर्ति होने पर स्थानीय लोगों को मटमेला पानी पीना पड़ रहा है। जिससे लोगों में खासा आक्रोश है। शुक्रवार को नगर निगम श्रीनगर के वार्ड नंबर 26 कमलेश्वर बागवान के तहत न्यू कमलेश्वर मौहल्ला के स्थानीय निवासी वार्ड पार्षद सूरज नेगी के नेतृत्व में पेयजल किल्लत को लेकर स्थानीय लोग जल संस्थान कार्यालय पहुंचे। कार्यालय में ज्ञापन देते हुए पार्षद सूरज नेगी ने कहा है कि जब तक ट्यूब वेल लाइन में पानी की आपूर्ति नहीं की जाती तब तक वह धरने पर बैठे रहेंगे।

कोटद्वार के मगनपुर, किशनपुर क्षेत्र में एक नई शैक्षिक क्रांति की शुरुआत

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय लैंसडाउन की प्रधानाचार्य अक्षिता चौधरी की अध्यक्षता में गठित निरीक्षण टीम ने कोटद्वार में विद्यालय परिसर का दौरा कर पानी, बिजली, साफ-सफाई और कक्षाओं की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। टीम ने संतोष व्यक्त करते हुए आगामी सप्ताह से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इस ऐतिहासिक पहल की आधारशिला विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण के अथक प्रयासों और दूरदर्शिता का प्रतिफल है। उनके मार्गदर्शन में ही यह सपना साकार होने की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने इस परियोजना की स्वीकृति दिलवाने से लेकर, विद्यालय संचालन की सभी प्रशास. निक औपचारिकताओं के निष्पादन हेतु निरंतर सक्रियता दिखाई। आज, जब राजकीय इंटर कॉलेज किशनपुर द्वारा केंद्रीय विद्यालय को संचालन हेतु भूमि संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए, तो यह क्षण क्षेत्रवासियों के लिए गर्व और उल्लास से परिपूर्ण रहा। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विद्यालय के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी हों।

9 वर्षीय टिंकू को पुलिस ने परिजनो से मिलवाया

रुद्रप्रयाग(शाह टाइम्स)। केदारनाथ पैदल मार्ग के भीमबली में परिजनों से बिछड़ चुके नाबलिग को पुलिस ने परि. जनों से मिलवाया। बालक को सकुशल पाकर परिजन ने पुलिस का आभार प्रकट किया। गत गुरूवार को केदारनाथ पैदल मार्ग पर भीमबली क्षेत्र में एक नाबालिग अकेले घूमता हुआ पाया गया। जिसने अपना नाम टिंकू पुत्र शंकर निवासी कानपुर उत्तर प्रदेश, 9 वर्ष बताया। जो कि केदारनाथ धाम जाते समय अपने परिजनों से बिछड़ गया था। जिसे सुरक्षा के दृष्टिगत चौकी भीमबली लाकर यात्रा पड़ाव की सभी चौकियो से अनाउंसमेंट कराया गया। चौकी प्रभारी भीमबली यशपाल सिंह रावत को केदारनाथ से बालक के परिजन ने कॉल कर बताया कि केदारनाथ में अनाउंसमेंट के जरिए पता चला कि हमारा भाई टिंकू भीमबली चौकी में है।

राजगढ़ी-सरनौल सड़क की बदहाली से ग्रामीण खफा

■ विभाग व ठेकेदार के विवाद में पिस रहे ग्रामीण

चिरंजीव सेमवाल

बड़कोट/उत्तरकाशी। विभाग और ठेकेदार के बीच के विवाद से डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों की लाईफ लाईन राजगढ़ी -सरनौल मोटर मार्ग बदहाल है।

विकासखंड नौगांव के राजगढ़ी- सरनौल मोटर मार्ग की बदहाली पर क्षेत्रीय लोगों ने गहरी नाराजगी जताई है। बीते एक पूर्व क्षतिग्रस्त सड़क की कोई सुध न लेने पर ग्रामीणों का ष्प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजनाष पुरोला के खिलाफ आक्रोश है। मोटर मार्ग में डामरीकरण न करने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

राजगढ़ी- सरनौल मोटर मार्ग की बदहाली पर क्षेत्रीय लोगों ने गहरी नाराजगी जताई है। क्षेत्रीय निवासी विजेंद्र सिंह राणा,बलवीर सिंह राणा, जगमोहन सिंह राणा, गंगटाडी कैलाश सेमवाल आदि ने बताया कि करीब 40 किमी लंबे राजगढ़ी-सरनौल मोटर मार्ग का डामरीकरण वर्ष 2021- में किया गया था, लेकिन पीएमजेएसवाई ने सड़क में करीब 15 किलोमीटर के हिस्से डामर उखड़ रखा है, इससे मार्ग पर रोड़े और गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन इस मार्ग में दोपहिया वाहन चालक इन छोटे-छोटे पत्थरों पर रपटकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार से बदहाल मोटर मार्ग में डामरीकरण करने की मांग उठाई, लेकिन सिर्फ कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं। बता दें कि इस मोटर मार्ग से आठ गांव सर बडियार, बसराली, गडाल गांव, सरनौल, चपटाडी समेत गंगटाडी, कोटी, सहित कई गांवों के सैकड़ों लोग प्रतिदिन आवाजाही करते हैं। सूत्रों की मानें तो विभा द्वारा सड़क के मेंटनेंस का प्रतिवर्ष लगभग 20-25 लाख रूपए के साथ पर महज 56 हजार रुपए का भुगतान किया है। इधर इधर अधिशासी अभियंता पीएमजेएसवाई पुरोला योगेन्द्र कुमार ने बताया कि राजगढ़ी-सरनौल मोटर मार्ग पर फरी गांव के बाद बड़े पेंच है।

बरसात में डामरीकरण नहीं हो पायेंगा। उन्होंने कहा कि कोल्ड मिक्स को एक सप्ताह तक धूप चाहिए। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद सड़क के सभी पेंच ठीक कर लिए जायेंगे। उन्होंने ठेकेदार के भुगतान पर बताया कि टेक्निकल रूप से दिक्कत हुई होगी उसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा।

प्रदेश के लिए मेडल जीतते ही नौकरी मिलेगी : रेखा

खेल मंत्री ने चौथी किओ नेशनल कराटे चौंपियनशिप के पदक विजेताओं को किया सम्मानित

■ प्रतियोगिता में देश के कुल 32 राज्यों की टीमें ले रही हिस्सा
■ एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीतने वाले तीन खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने शुक्रवार को परेड ग्राउंड के मल्टीपरपज हॉल में चल रही चौथी किओ नेशनल कराटे चौंपियनशिप के पदक विजेताओं को मेडल पहनकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने बीते माह उज्बेकिस्तान में देश के लिए मेडल जीतने वाले तीन खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

परेड ग्राउंड के मल्टीपरपज हॉल में चल रही इस प्रतियोगिता में देश के कुल 32 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि 38 वें राष्ट्रीय खेल और उसके बाद से देश भर से जितने भी खिलाड़ी उत्तराखंड आए हैं, उन सभी ने यहां की खेल सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया। उन्होंने कहा कि अब उत्तराखंड अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का भी मेजबान बन रहा है, जो प्रदेश के हर नागरिक के लिए गौरव का विषय है। खेल मंत्री ने कहा कि अब खिलाड़ी को अपने करियर की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, वह जैसे ही प्रदेश के लिए पदक जीत कर लाएंगे, सरकारी नौकरी उनकी प्रतीक्षा करती मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओलंपिक, एशियाड और कॉमनवेल्थ गेम में पदक जीतने पर नौकरी में रिजर्वेशन ज्यादातर राज्यों में दिया जाता है, लेकिन उत्तराखंड में अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं को भी आरक्षण के दायरे में लाया गया है। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसी भी दूसरे प्रोफेशन में उनका नाम और यश एक सीमित दायरे में ही रहता है लेकिन अगर वें एक खिलाड़ी के तौर पर नाम कमाते हैं तो उनकी कीर्ति किसी भी सीमा की मोहताज नहीं रहती। खिलाड़ी पूरे विश्व के युवाओं का आदर्श बन जाता है।

इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने 23 से 25 मई तक उज्बेकिस्तान में आयोजित एशियाई कराटे चौंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीतने वाले तरुण शर्मा, अलीशा और भुवनेश्वरी जाधव को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष भारत शर्मा, महासचिव संजीव जांगड़ा, आयोजन समिति अध्यक्ष अजय अग्रवाल, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य राजेश ममगई, प्रभारी जिला खेल अधिकारी रविंद्र भंडारी आदि उपस्थित रहे।

अकरी बारजुला क्षेत्र की पेयजल समस्या का निस्तारण हो

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत डागर पट्टी के अकरी बारजुला क्षेत्र में गर्मियों में पेयजल संकट एवं खेतों में जंगली जानवरों से होने वाली क्षति को लेकर गढ़वाल विवि के पूर्व छात्र संघ महासचिव रामप्रकाश ने जिलाधिकारी टिहरी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में रामप्रकाश ने कहा कि डागर पट्टी के अकरी बारजुला क्षेत्र के निवासी लंबे समय से गर्मियों के मौसम में पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों के सूखने के कारण ग्रामीणों को दैनिक जीवन के लिए पानी लाने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पानी ढोने के लिए महिलाओं, वृद्धों एवं बच्चों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है, जिससे जनजीवन, जनजीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। कहा कि जंगली जानवर लगातार खेती को नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिससे ग्रामीणों की आय और जीवन-यापन पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

बर्बाद न करें पानी, जल संरक्षण में करें सहयोग:डीएम

■ पेयजल से जुड़े 7 विभागों के सक्षम अधिकारी 20 अप्रैल से 24 घंटे कंट्रोल रूम में तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तकता और सक्रियता से डे-टू-डे समस्या का निदान करने में जुटा है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 13 जून तक पेयजल की 142 शिकायतें मिली है, जिसमें से 138 शिकायतों का समाधान कर लिया गया है।जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग में लगी है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24ग7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है।वही जीएमस रोड़ क्षेत्र में गेल गैस लि. द्वारा पाइप लाइन और यूपीसीएल द्वारा विद्युत केबल बिछाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से पानी की आपूर्ति बाधित हुई थी। पेयजल लाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति को सुचारू कर दिया गया है। ऋषि विहार निवासी प्रेम सिंह नेगी ने कंट्रोल रूम के दूरभाष पर पानी न आने की शिकायत दर्ज की थी। उनकी समस्या का भी निस्तारण कर लिया गया है।

कंट्रोल रूम को कैनाल रोड़ के कई घरों में पानी की सप्लाई बाधित होने की खबर मिलने पर अधिशासी अभियंता ने मौका मुआयाना किया। बताया कि गब्बर बस्ती में अधिष्ठापित वाल्व में खराबी आने के कारण कुछ घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई थी, वाल्व की मरम्मत कर पानी की सप्लाई सुचार कर दी गई है।

शिवसेना ने दी एयर इंडिया विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि

■ शोक सभा में 2 मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से की दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रार्थना

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । अहमदाबाद विमान दुर्घटना मे दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए श्रद्धांजली सभा आयोजित की गयी। शिवसेना परिवार ने मृतकों की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा एंव दीप दान कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई ।

शिवसेना प्रमुख गौरव कुमार ने कहा कि बीते दिवस गुजरात के अहमदाबाद मे हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है ।पूरा देश इस भीषण दुर्घटना से दुखी, निशब्द एवं स्तब्ध है ।उन्होंने कहा कि शिवसेना परिवार दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता है एंव पीड़ित परिजनों को इस अपार दुख की घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है। साथ ही इस भयावह दुर्घटना में घायल हुए सभी व्यक्तियों की शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है इस दौरान शिवसेना जिला प्रमुख अमित कर्णवाल,उप प्रमुख शिवम गोयल, महासचिव विकास मल्होत्रा,रोहित बेंदी, मनोज सरीन, फरीद अहमद,अभिनव बेंदी, वासु परविन्दा, कृष्ण गोपाल, विजय गुलाटीअन्य शिवसैनिक उपस्थित हुए।

उत्तरकाशी बसपा की बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। बसपा ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय में कार्यकर्ताओं एवं जिला संगठन और विधान सभा संगठन की समीक्षा बैठक की है। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह चौधरी और प्रदेश सचिव संजय खत्री उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष बासपा ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया और जल्द ही संगठन को विधान सभाओं से लेकर सेक्टर और पोलिंग बूथों तक पूरा गठन कर जिला कार्यकारणी और विधान सभा कार्यकारणी से आह्वान किया है। बैठक में जिलाउपाध्यक्ष महेश आर्य,लोक सभा जोन कॉर्डिनेटर बीडी मिनान,लोक सभा प्रभारी नेम चंद ,जिला प्रभारी विनोद शाह आदि मौजूद रहे है।

वन्यजीव-मानव संघर्ष में सनसनीखेज रिपोर्टिंग से बचें

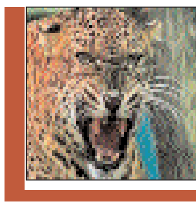

■ वन विभाग ने मानव-तेंदुए संघर्ष पर मीडिया कार्यशाला आयोजित की ■ 'तेंदुए के साथ रहना' कार्यक्रम में सह-अस्तित्व के प्रयासों पर जोर

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते मानव-तेंदुआ संघर्ष को देखते हुए, वन विभाग ने तितली ट्रस्ट और वन्यजीव संरक्षण सोसायटी-भारत के साथ मिलकर देहरादून में मीडिया कार्यशाला आयोजित की। 'तेंदुए के साथ रहना' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया को तेंदुआ-मानव संबंधों पर सटीक व संवेदनशील रिपोर्टिंग के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला में प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक रंजन मिश्रा, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला, राजाजी टाइगर रिजर्व की निदेशक डॉ. कोको रोज मौजूद रहे। रंजन मिश्रा ने तेंदुओं के व्यवहार और संघर्ष को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान तेंदुओं के बारे में मिथकों को तोड़ना और उनके साथ रहना सीखना नामक बुकलेट भी जारी की गई। पूर्व पत्रकार विराट सिंह ने विज्ञान आधारित रिपोर्टिंग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सटीक रिपोर्टिंग से डर कम किया जा सकता है और दोनों-मानव और वन्यजीव-की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है। प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन ने कहा, 'मीडिया वन्यजीवों के बारे में लोगों की धारणा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर जब बात तेंदुए जैसी प्रजातियों की आती है, जिन्हें अक्सर गलत समझा जाता है और उनसे डर लगता है। सनसनीखेज रिपोर्टिंग संघर्ष को और खराब कर सकती है, जबकि जिम्मेदार, सूचित कहानी कहने से जागरूकता पैदा हो सकती है, घबराहट कम हो सकती है और सह-अस्तित्व को बढ़ावा मिल सकता है। इस कार्यशाला के माध्यम से, हमारा उद्देश्य पत्रकारों को सटीक और संवेदनशील तरीके से रिपोर्ट करने के लिए आवश्यक उपकरण और संदर्भ प्रदान करना है। हम चाहते हैं कि मीडिया खुद को न केवल पर्यवेक्षक के रूप में देखे, बल्कि मानव-तेंदुए संघर्ष को कम करने के प्रयासों में प्रमुख हितधारकों के रूप में देखे। कार्यशाला में बताया गया कि कैसे 2016 से तितली ट्रस्ट और वन्यजीव संरक्षण सोसायटी-भारत के सहयोग से 'तेंदुओं के साथ रहना' नामक दीर्घकालिक सह-अस्तित्व कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है, जिसकी नींव 2014 के एक गहन अध्ययन से पड़ी थी।

गोलमेज सम्मेलन के माध्यम से लिए जाते हैं कानूनी सुझाव: रहाटकर

■ सिद्धार्थ लॉ कॉलेज मे हुआ गोलमेज सम्मेलन,जेलो में बंद महिलाओं की समस्याओं पर हुई चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा उत्तराखंड के सिद्धार्थ लॉ कॉलेज में जेलो में बंद महिलाओं से संबंधित कानून पर क्षेत्रीय परामर्श गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के निदेशक एवं उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व महा रजिस्ट्रार जनरल वीके माहेश्वरी ने सभी अतिथियों एवं विशेषज्ञों का स्वागत किया।पूर्व न्यायमूर्ति राजेश टंडन ने महिला बंधियो से संबंधित कानून की मौजूदगी पर विचार साझा किया।

मानवाधिकार अधिनियम और संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए टंडन ने जेल में बंद महिलाओं के कल्याण को उच्चतम स्तर पर बढ़ावा देने की बात कही। जिसमें उन्हें चिकित्सा सुविधा, निशुल्क कानूनी व्यवस्था सहायता और उचित भोजन उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने महिला कैदियों के जीवन एवं स्वतंत्रता और सम्मान की वकालत की और इसमें व्यापक सुधार का सुझाव दिया। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग को भारतीय जेलों में बंद महिलाओं का निरीक्षण करने के लिए नियमित विजिटर की नियुक्ति करने का भी सुझाव दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने गोलमेज सम्मेलन में विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए कहा कि आयोग हर साल गोलमेज सम्मेलन के माध्यम से कम से कम 8 परामर्श कार्यक्रम आयोजित करता है और यह है आठवां परामर्श है। इस दौरान डॉ. गीता खन्ना, समीक्षा शर्मा, डॉ. मुकुल शर्मा,जेलर पीके कोठारी, विवेक गोयल, प्रोफेसर मोहम्मद असद मलिक आदि सहित सिद्धार्थ लॉ कॉलेज का समस्त स्टाफ कर मौजूद रहा।

पंचायत चुनाव में मानसून बन सकती सरकार के लिए बड़ी चुनौती

■ सरकार बोली 15 जुलाई तक होंगे चुनाव,कार्यक्रम घोषित होने का इंतजार

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी। हरिद्वार को छोड़ राज्य के शेष 12 जिलों की त्रिस्तरीय पंचायतों में उत्पन्न संवैधानिक संकट से पार पाने के बाद अब पंचायत चुनाव सरकार के लिए मानसून बड़ी चुनौती बन सकती हैं। यद्यपि, सरकार कह चुकी है कि पंचायत चुनाव जल्द होंगे, लेकिन अभी चुनाव कार्यक्रम घोषित होने का इंतजार है।

गौरतलब है कि 7499 ग्राम पंचायतों 89 क्षेत्र पंचायतों और 12 जिला पंचायतों में सरकार ने आदेश लाने के बाद प्रशासक का कार्य काल तो बढ़ा दिया है। अब सरकार ने आरक्षण के की स्थिति भी साफ कर दी है। अब पंचायत चुनाव,कार्यक्रम घोषित होने का इंतजार है। सूत्रों की मानें तो 23 जून के बाद कभी भी पंचायत चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है। लेकिन जुलाई माह में राज्य के उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, चमोली, रूद्रप्रयाग, समेत कुमाऊं मंडल के कुछ जनपद आपदा की लीहाज से अति संवेदनशील है ऐसे में मानसून सीजन सरकार की दुश्वारियां बढ़ा सकती है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2024 के आखिर में पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी चुनाव की स्थिति नहीं बन पाई। प्रशासकों का छह माह का कार्यकाल भी खत्म हो चुका है। परिणामस्वरूप पंचायतों को संवैधानिक संकट का सामना करना पड़ था है। हालांकि सरकार ने विशेष अध्यादेश जारी कर प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ाया है। इस परिदृश्य में तंत्र की हीलाहवाली भी कम जिम्मेदार नहीं है। जब यह मालूम है कि अमुक तिथि को पंचायतों का कार्यकाल खत्म होना है तो क्यों नहीं उससे पहले चुनाव को लेकर कदम उठाएऐ ?

क्या कहते हैं पंचायतीराज सचिव उत्तराखंड

प्रत्येक जनपद में चुनाव में कितनी मशीनरी लगनी है ये सब जिलाधिकारी/जिलानिवार्चन अधिकारी तय करते हैं। जहां तक पंचायत चुनाव करवाने की बात है सरकार ने तय कर लिया है कि 15 जुलाई तक चुनाव संपन्न करवाया लिया जियेगा। जुलाई शुरूवात में बारिश कम होती है वहीं जुलाई शुरूवात में आमुमन आपदा इतना ज्यादा नहीं आती बल्कि जुलाई के बाद आती है- **चंद्रेश कुमार, सचिव पंचायतीराज, उत्तराखंड**

योग दिवस की तैयारियां तेज जिला प्रशासन ने कसी कमर

■ 21 जून को पीआईसी मैदान बौराड़ी में होगा भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन टिहरी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिला विकास अधिकारी मोहम्मद असलम ने जिला मुख्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की। उन्होंने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद मुख्यालय के प्रताप इंटर कॉलेज (पीआईसी) मैदान बौराड़ी में प्रात: 6:30 बजे से भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

बैठक के दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण की जाएं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को योग स्थल पर मेटिंग, एलईडी स्क्रीन और साउंड सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जिला पूर्ति अधिकारी को जलपान व्यवस्था हेतु इस्टीमेट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिला विकास अधिकारी ने आयुर्वेद विभाग को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के वैकल्पिक स्थल के रूप में नगरपा. लिका के बारातघर (निकट सेंटर स्कूल) को आरक्षित रखा जाए, ताकि मौसम खराब होने की स्थिति में भी कार्यक्रम निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके। साथ ही सूचना विभाग को कार्यक्रम की फोटो-वीडियोग्राफी और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगरपालिका को कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई सुनिश्चित करने और जल संस्थान को पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में डीएसओ मनोज डोभाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को दी योग की क्रियाओं की अनेक जानकारियां

■ प्रसिद्ध उमरा नारायण मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। नदियों की धारा में बहता है योग, संस्कृति और अध्यात्म का पुनीत संयोग इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए नमामि गंगे इकाई राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम के दूसरे दिन उमरा नारायण मंदिर परिसर में स्वच्छता जागरूकता और योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रुद्रप्रयाग नगरपालिका अध्यक्ष संतोष रावत तथा महंत सुरजन दास ने किया। जबकि योग सत्र का नेतृत्व योग प्रशिक्षक आशुतोष सती ने किया। इस दौरान उपस्थित युवाओं व स्वंयसेवियों को यौगिक क्रियाओं की विधिवत जानकारी दी गई और नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर माय भारत संस्था से जुड़े राहुल डबराल ने मानसिक स्वास्थ्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. गोपी प्रसाद ने भारतीय संस्कृति की शिक्षा को आज के जीवन में अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के सह-संयोजक श्रीकांत नौटियाल ने ज्ञान, कर्म व भक्ति योग के माध्यम से युवाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता व आंत. रिक विकास का संदेश दिया।

यूपीसीएल के डिजिटल भुगतान में 80 प्रतिशत की वृद्धि

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। यूपीसीएल द्वारा अपने विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा दिये जाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। जिसमें डिजिटलीकरण के क्षेत्र में भी यूपीसीएल द्वारा सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप यूपीसीएल द्वारा डिजिटल इण्डिया व डिजिटल उत्तराखंड की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ज्ञातव्य है कि इस वित्तीय वर्ष में यूपीसीएल के 80 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं ने बिल भुगतान के लिये डिजिटल माध्यमों को अपनाया है जो राज्य में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक प्रयास है। डिजिटलीकरण होने से उपभोक्ताओं के जीवन में सुगमता आयी है तथा समय की भी बचत हो रही है। अब उपभोक्ता घर बैठे बिजली से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी एवं बिजली भुगतान इत्यादि से सम्बन्धित सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे है।

समय से बिल जमा करने पर मिल रही छूट: अनिल कुमार

यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि यूपीसीएल का डिजिटलीकरण का श्रेय उपभोक्ता जागरूकता, यूपीसीएल द्वारा समय-समय पर चलाये गये डिजिटल अभियान, मोबाइल एप, पोर्टल एवं अन्य ई-गेटवे की सुविधा को जाता है। इसके अतिरिक्त बिल भुगतान में पारदर्शिता, त्वरित रशीद प्राप्ति, कैशबैक - छूट जैसी सुविधाओं से भी उपभोक्ता डिजिटल माध्यमों के उपयोग हेतु प्रेरित हुए हैं। शहर ही नहीं, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल माध्यमों से भुगतान में वृद्धि हुई है तथा वर्तमान में विद्युत उपभोक्ताओं को टैरिफ में बिजली बिलों के ससमय से भुगतान करने पर छूट प्रदान की जा रही है। उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल इश्यू होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर डिजिटल माध्यम से भुगतान करने पर 1.5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त ऑफ लाईन माध्यम द्वारा बिल इश्यू होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर भुगतान करने पर बिलों में 1 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

तनावयुक्त माहौल में अपनी जीवन शैली में योग की अहम भूमिका

■ डांग में 11 दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। नगर निगम क्षेत्रांर्गत वार्ड नंबर 32 डांग में 11 दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में सोसाइटी के सदस्यों सहित आसपास के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के पहले दिन योगाचार्य एवं बालाजी योग पीठ के संस्थापक सूरज बडोनी ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। मौके पर पर उन्होने सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, ध्यान एवं हास्यासन का अभ्यास करवाया। शिविर में मुख्य रूप से ताड़ासन, कटि मर्दासन, वृक्षासन, भुजंगासन आदि आसनों एवं दीर्घ श्वसन, शीतली, शीतकारी व कागा मुद्रा आदि का अभ्यास करवाया।

योगाचार्य सूरज बडोनी ने कहा कि आजकल के भागदौड़ व तनावयुक्त माहौल में अपनी जीवन शैली को संवारने में योग की अहम भूमिका है। ऐसे में लोगों को स्वस्थ व मजबूत रहने के लिए नियमित तौर पर योग का अभ्यास करना चाहिए। डांग वार्ड नम्बर 32 से पार्षद पंकज सती ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक चलाया जा रहा है। मौके पर कमलेश सेमवाल, मधुसूदन सेमवाल, गिरीश चंद्र, विजेंद्र नेगी, उदय सिंह कंडवाल, अरुण बहुगुणा, सकलानंद सती, युक्ति सती, सरिता चौहान, शांति चौहान, शांति रावत, भगवती प्रसाद, मोहन सिंह रावत, प्रेम सिंह रावत, योगेश असवाल, विक्रम सिंह रावत, मीनाक्षी बहुगुणा सहित आदि मौजूद थे।

आपदा के दौरान रिस्पांस टाइम को बेहतर करें विभाग

■ मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव के निर्देश ■ जलभराव व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मॉक ड्रिल कराने के निर्देश ■ चारधाम यात्रा चल रही है, चौबीस घंटे अलर्ट रहना जरुरी: वर्धन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मानसून की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के साथ समीक्षा बैठक कर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून अवधि में संभावित आपदाओं का प्रभावी तरीके से सामना करने के लिए सभी विभाग अपनी-अपनी तैयारियों को पुख्ता कर लें। यदि कुछ कार्य किए जाने शेष हैं तो समय पर उन्हें पूरा कर लें। सचिवालय में आयोजित बैठक में दोनों मंडलों के आयुक्त तथा सभी जिलाधिकारियों ने बैठक में ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

मुख्य सचिव ने कहा कि आपदाओं का सामना करने में जहां आपदा पूर्व तैयारी महत्वपूर्ण है, वहीं त्वरित रिस्पांस टाइम भी बेहद जरूरी है। जितना बेहतर हमारा रिस्पांस टाइम होगा, उतना ही प्रभावी तरीके से हम आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्य करने तथा आम जनमानस को राहत पहुंचाने में सफल हो सकेंगे। उन्होंने आगामी मानसून सीजन के दौरान जलभराव की समस्या तथा अन्य आकस्मिकताओं से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल और चंपावत के जलभराव तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए।

राज्य में चारधाम यात्रा भी चल रही है, ऐसे में सभी रेखीय विभागों का 24 घंटे अलर्ट पर रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव दल तथा विभिन्न विभाग यह सुनिश्चित करें कि किसी भी आपदा की स्थिति में उनकी टीम त्वरित गति से मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए अपने-अपने कार्यों का निष्पादन करें। बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, पंकज कुमार पाण्डेय, एसएन पांडेय, सी रविशंकर, धीराज गर्ब्याल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी, अनु सचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारियों की हुई तैनाती: सुमन

बैठक में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में विभिन्न रेखीय विभागों के नोडल अधिकारियों की तैनाती हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन निधि तथा राज्य सेक्टर से पुनर्निर्माण और पुनर्प्राप्ति कार्यों के लिए और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 162 करोड़ की धनराशि जनपदों को जारी कर दी गई है।

यूसीसी पंजीकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न

सीडीओ ने कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर दो ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों का वेतन रोकने के जारी किए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय रोशनाबाद स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में यूनिपफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के संबंद्ध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त रजिस्ट्रार एवं सब-रजिस्ट्रार उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में यूनिपफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पंजीकरण की संख्या में वृद्धि, विभागीय पंजीकरण दर बढ़ाने तथा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिन प्रकरणों में अपील या ऑटो अपील की स्थिति उत्पन्न हो रही है, उन पर सभी रजिस्ट्रारों को अपने स्तर से गहन समीक्षा कर उन्हें स्वत: और समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि सब-रजिस्ट्रार की लापरवाही के कारण कोई प्रकरण अनावश्यक रूप से अपील में न जाए, इसकी विशेष सतर्कता बरती जाए। बैठक के दौरान दो ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों द्वारा कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उनके वेतन पर रोक लगाने के निर्देश भी जारी किए गए। सभी रजिस्ट्रारों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपने क्षेत्रों में आवेदनों का सही एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें और सब-रजिस्ट्रारों की नियमित समीक्षा करें। बैठक में ईडीएम अभिषेक चौहान द्वारा सभी अधिकारियों को

यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) प्रकरणों के सही निस्तारण हेतु प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। विशेष रूप से रिजेक्शन के कारणों की स्पष्टता एवं मानकों के अनुसार निर्णय लेने पर बल दिया गया, ताकि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी न हो। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि समय-समय पर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे नियमों की गहन समझ और नीतिगत स्पष्टता सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, एसडीएम लक्सर, एवं एएसडीएम रुड़की सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग मामले में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल स्नेचिंग मामले में फरार चल रहे आरोपी को थाना सिडकुल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद हुई है। मामले में शामिल एक आरोपी को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। 30 मार्च को फरहान पुत्र जियाउद्दीन निवासी रोशनाबाद ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बाइक सवार अज्ञात आरोपियों द्वारा मोबाइल लूट लिए जाने के संबंध में मुकद्मा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी फैसल को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि दूसरा आरोपी आफाक उर्फ काला पुत्र साकिर निवासी कस्बा नवाबगंज थाना

नवाबगंज जिला फर्रूखाबाद उत्तर प्रदेश हाल निवासी रोशनाबाद घटना के बाद से फरार चल रहा था। आरोपित की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर घटना में प्रयुक्त बाइक समेत उसे नवोदय नगर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई नरेंद्र सिंह, कांस्टेबल मनीष, महावीर सिंह शामिल रहे।

दुबई पहुंचे युवा आइकॉन डॉ. चिन्मय पण्ड्या

वैश्विक मंच पर देसंविवि का प्रभाव और मिशन युग निर्माण की प्रेरणा को मिली नई ऊर्जा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति युवा आइकॉन डॉ चिन्मय पण्ड्या एवं गायत्री विद्यापीठ व्यवस्था मण्डल की प्रमुख श्रीमती शैफाली पण्ड्या दो दिवसीय प्रवास के क्रम में दुबई पहुंचे।

दुबई के प्रतिष्ठित शंग्रीला होटल स्थित लाइफस्टाइल योगा स्टूडियो में युवा आइकॉन डॉ. चिन्मय पंड्या ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों से आत्मीय भेंट की। यह एल्यूमिनी मिट केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि विश्वभर में फैले विश्वविद्यालय के छात्रों को एकजुट कर, भारतीय संस्कृति, योग एवं युग निर्माण मिशन के उद्देश्यों को वैश्विक मंच पर मजबूती देने का एक ऐतिहासिक क्षण बना। पूर्व छात्रों ने अपने भाव प्रकट करते हुए कहा कि हमारे आदरणीय प्रतिकुलपति सर पधारे हैं, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि उनके छात्र जीवन में युवा आइकॉन डॉ. पंड्या जी का मार्गदर्शन, आत्मीय संवाद और मूल्यपरक दृष्टिकोण ही आज हमें इस मुकाम तक लेकर आया है। पूर्व छात्रों ने इस भेंट को अपने जीवन की एक प्रेरणादायक उपलब्धि के रूप में देखा और देसंविवि से मिले संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र में 100 से अधिक देशों के लोग योग सीखते हैं। यहाँ के योग प्रशिक्षक देसंविवि के पूर्व छात्र सुमित मानव, शुभम, प्रियांशी वाजपेयी आदि ने आज वैश्विक योग मंच पर प्रतिष्ठित स्थान बना चुके हैं। युवा आइकॉन ने सभी को विश्वविद्यालय का प्रोस्पेक्टस और शैक्षणिक प्लानर आदि भेंट किया और उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। वहीं डॉ. पंड्या जी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर कॉम्प्लेक्स स्थित सन ऑफिस में आयोजित एक संगोष्ठी में क्षेत्रीय प्रतिनिधियों और वरिष्ठ परिजनों से आत्मीय संवाद किया। संगोष्ठी में अरब रीजन योग काउंसिल के संयोजक चरत जी आदि की उपस्थिति में शताब्दी वर्ष 2026 की तैयारी और परम पूज्य युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के संकल्पों की पूर्ति हेतु सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों के बीच युग निर्माण का संकल्प और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। इससे पूर्व युवा आइकॉन एवं संगोष्ठी में शामिल सभी लोगों ने अहमदाबाद विमान हादसा में दिवंगत आत्माओं की शांति एवं सद्गति हेतु मौन प्रार्थना की। उधर अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डा. प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने अहमदाबाद विमान हादसा के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत हृदयविदारक है। हम सभी दिवंगत आत्माओं की शांति व सद्गति के लिए सर्वशक्तिमान माता से प्रार्थना करते हैं। प्रमुखद्वय ने कहा कि संपूर्ण गायत्री परिवार इस दुःखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

अवैध खनन पर डीएम सख्त, 2 स्टोन क्रेशर सीज

एक स्टोन क्रेसर मालिक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने वालों के विरूद्ध जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सख्ती से कार्यवाही कर रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गुरूवार की देर रात्रि में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान हिमगंगे स्टोन क्रेसर जो कि पूर्व में सील किया गया था, क्रेसर सीलिंग के बावजूद चलाया जा रहा था, जिस पर क्रेशर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। गंगोत्री स्टोन क्रेशर तथा नारायण स्टोन क्रेशर में उप खनिज की मात्रा तथा अभिलेखों में दर्ज उपखनिज की मात्रा में भिन्नता तथा अन्य अनियमितताएं पाए जाने पर दोनों को सील किया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध खनन, भण्डारण के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जायेगी तथा अवैध खनन भण्डारण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि अवैध खनन के विरूद्ध छापेमारी अभियान चलता रहेगा तथा सरकार को राजस्व की हानि पहुँचाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जायेगी। टीम में नायब तहसीलदार प्रताप सिंह, कानूनगो रमेश चंद्र तथा खनन विभाग के अधिकारी तथा चौकी इंचार्ज सुल्तानपुर शामिल थे।

एक नजर.......

10 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। पुलिस ने ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान में एक नशा तस्कर को 10 ग्राम स्मैक व नगदी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत चलाए गए अभियान को सफल बनाने के लिए फेरुपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक, कांस्टेबल दौलत राम, आदेश चौहान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया जिसमें वाहन चौकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक युवक को सय्यद पीर के रास्ते से गिरफ्तार किया गया तलासी लेने पर व्यक्ति के पास से लगभग 10 ग्राम स्मैक व 1000 रुपये एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अमजद पुत्र भूरा निवासी धनपुरा बताया आरोपी स्मैक बेचने का काम करता है। और स्मैक के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है। एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया एक व्यक्ति को लगभग 10 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सम्बंधित धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

संत समाज ने भी जताया विमान हादसे पर दु:ख

हरिद्वार। गुजरात में हुए विमान हादसे पर संत समाज ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। विमान हादसे के मृतकों व उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त व्यक्त करते हुए निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि ईश्वर सभी महान आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार जनों को दुख सहने की शक्ति दे। अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद एवं श्री पंच निर्मोही अनि अखाड़े के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्रदास महाराज ने कहा कि विमान हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत से पूरा देश दुखी है। ईश्वर दिवंगत आत्मों को शांति और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। श्रीमहंत मधूसूदन गिरी ने कहा कि भयावह विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। दुख की इस घड़ी में देश का समस्त संत समाज मृतकों के परिजनों के साथ है। उन्होंने कहा कि विमान हादसे के मृतकों की आत्मशांति के लिए बैरागी कैंप घाट पर विशेष प्रार्थना सभा और मां गंगा में दीपदान किया जाएगा। स्वामी हरिचेतनानंद गिरी एव श्रीमहंत महंत रामरतन गिरी महाराज ने कहा कि मां गंगा सभी मृतकों को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी ने कहा कि विमान हादसे को लेकर प्रत्येक व्यक्ति दुखी है। संत समाज की संवेदनाएं प्रभावितों के साथ हैं। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरूण गिरी महाराज ने मृतकों व उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यकत करते हुए कहा कि विमान हादसे में सैकड़ों लोग की मौत बेहद दुखदायी है। स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती, महंत जसविन्दर सिंह, मुखिया महंत दुर्गादास, मुखिया महंत रामनौमी दास, महंत राघवेंद्र दास, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि, स्वामी ललितानंद गिरी, स्वामी ऋषि रामकृष्ण, राजगुरू स्वामी संतोषानंद ने भी विमान हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों व उनके परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए महानगर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों और समाजसेवियों ने सर्वानंद घाट पर गंगा में दीपदान कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मशांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि अहमदाबाद विमान हादसा बड़ी त्रासदी है। जो चंद सेकेंड में सैकड़ों जिंदगियां लील गई। मां गंगा से प्रार्थना है कि ऐसी अनहोनी कभी न हो। अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक एवं पार्षद आकाश भाटी ने कहा कि भीषण विमान हादसे में कई परिवार तबाह हो गए हैं। पूरा देश हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ है। मां गंगा से शोक संत्पत परिवारजनों दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

दीपदान करने वालों में स्वामी विश्वास पूरी महाराज, पंडित पवन शास्त्री, ऑटो यूनियन अध्यक्ष हरीश अरोड़ा, बृजमोहन शर्मा, कुलदीप शर्मा, गौरव खन्ना, डॉक्टर ऐरन, राकेश सिंह, लालजी यादव, गोकुल डबराल, पवन पंडित, अनिल कोरी, महेश कालोनी, राजू जोशी, एसएन तिवारी, मनोज कुमार, दीपक उप्रेती आदि शामिल रहे।

पत्रकार सुरक्षा आयोग का जल्द गठन करे सरकार: वालिया

जिला प्रेस क्लब हरिद्वार की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पुराना रानीपुर मोड़ स्थित रेस्टोरेंट में आयोजित जिला प्रेस क्लब हरिद्वार की बैठक में पत्रकार सुरक्षा कानून, फर्जी पत्रकारों की जांच, संगठन विस्तार सहित कई अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष राकेश वालिया ने कहा कि जिला प्रेस क्लब हरिद्वार सिर्फ संगठन नहीं बल्कि एक परिवार है। संगठन में अनुशासनहीनता और पत्रकारों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून या पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की मांग को लेकर जिला प्रेस क्लब हरिद्वार का प्रतिनिधि मंडल जल्दी ही मुख्यमंत्री से मिलेगा। महामंत्री अनिल बिष्ट ने संगठन की बैठक तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा से पदाधिकारियों और सदस्यों को अवगत कराते हुए कहा कि संगठित होकर ही अपने हक की लड़ाई लड़ी जा सकती है। पत्रकार सुरक्षा कानून बनने से पत्रकारों के साथ होने वाले शोषण, मारपीट, झूठे मुकदमे, जैसे अपराधों से पत्रकार को अपने कार्यक्षेत्र में राहत मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पत्रकार हित में कोई ना कोई अच्छा निर्णय जरूर लेंगे। उपाध्यक्ष मनव्वर कुरैशी ने कहा कि जिला प्रेस क्लब हरिद्वार सदैव पत्रकार हित में कार्य करता आया है। जिला प्रेस क्लब हरिद्वार हर उस पत्रकार के साथ है। जिसका किसी भी प्रकार से शोषण हुआ है या हो रहा है। बैठक मे सद्दाम हुसैन, दीपक झा, अशोक पांडे, विजय प्रजापति, सागर कुमार, अवधेश भूमिवाल, कुणाल शर्मा, कमल शर्मा, सोनू कुमार, राकेश कुमार वर्मा, गणेश भट्ट, रोहित, राजू, सर्वेंद्र कुमार, रितेश तिवारी, सनोज कश्यप, नौशाद अली, मुमताज आलम खान, सोनू, मनोज कश्यप, मोहम्मद नदीम, नरेश मित्तल, कुणाल शर्मा आदि जिला प्रेस क्लब पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

गुरुकुल कांगड़ी विवि के इंजीनियरिंग संकाय में स्थापित होगी ड्रोन लैब

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में ड्रोन्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करने का निर्णय लिया है। 123 वर्ष पुराना गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय नवीनतम ड्रोन टेक्नोलॉजी पर कार्य कर रहा है। जिसके चलते एआईसीटीई द्वारा मेसर्स एवीपीएल इंटरनेशनल कंपनी के सहयोग से एआईसीटीई द्वारा अनुदानित उत्तराखंड राज्य की प्रथम ड्रोन लैब गुरूकुल कांगड़ी विवि में स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से छात्र अपने ज्ञान को और अधिक सुदृढ़ कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर हेमलता ने बताया कि ड्रोन्स पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के सुदूर क्षेत्रों में गतिविधियों को गतिमान रखने में अहम भूमिका अदा करेगा। समाज को इसका लाभ मिलेगा और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और इंजीनियर मिलकर नए ड्रोन विकसित करेंगे। कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि इंजीनियरिंग संकाय नई तकनीकों पर कार्य कर रहा है। ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इनोवेशन की दिशा में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। संकायाध्यक्ष प्रोफेसर विपुल शर्मा ने इस उपलब्धि पर सभी छात्रों एवं शिक्षकों को बढ़ायी दी। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रभारी डा.संजीव लांभा ने बताया कि एआईसीटीई द्वारा पूरे भारत में 50 ड्रोन लैब स्थापित की जानी है। जिसके अंतर्गत उत्तराखंड में लैब की स्थापना के लिए गुरुकुल कांगड़ी विवि के इंजीनियरिंग संकाय का चयन किया गया है। वित्ताधिकारी प्रोफेसर राकेश जैन, डा.मुरली मनोहर तिवारी, प्रोफेसर प्रभात सेंगर, प्रोफेसर विवेक गुप्ता, प्रोफेसर नवनीत, डा. धर्मेंद्र बालियान आदि ने भी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

भाकियू हरियाणा ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन हरियाणा के दो दिवसीय चिंतन शिविर के समापन के पश्चात उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष सुरेश राजपूत ने किसानो विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। सुरेश राजपूत ने कहा कि लंबे समय से किसान अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए एमएसपी पर फसलों की खरीद की गारंटी देने के लिए कानून बनाया जाए। किसान मजदूर का कर्ज बिना शर्त माफ किया जाए। बिजली का निजीकरण बंद किया जाए। सुरेश राजपूत ने कहा कि फसल बीमा पॉलिसी के नाम पर किसानों से लूटखसोट पर तुरंत रोक लगे। फसल बीमा पॉलिसी में गांव को इकाई ना मानकर प्रति एकड़ को इकाई माना जाए और बीमा प्रीमियम राशि सरकार खुद वहन करे। किसानों के प्रति अपराध की घटनाएं बढ़ रही है। इस पर भी पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। भूमि अधिग्रहण कानून को रद्द किया जाए। केंद्र द्वारा संचालित नई कृषि बाजार नीति किसानों के हितों में नहीं बनाई गई है। किसानों के हितों को देखकर ही नीतियां बनाई जाएं। सिंधु और टिकरी बॉर्डर पर शाहिद किसानों की याद में स्मारक का निर्माण किया जाए। जिसके लिए हरियाणा और दिल्ली सरकार जगह उपलब्ध कराए। दिल्ली में भूमि का सर्किल रेट प्रति एकड़ किया जाए। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तराखंड प्रभारी सुरेश कुमार छिल्लर ने कहा कि सरकार को किसानों की मांगों को पूरा करना चाहिए। किसानों के मुआवजे की राशि तुरंत दी जानी चाहिए। जंगली जानवरों एवं मौसम की मार से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई भी तत्काल की जाए। कृषि कार्य के लिए किसानों को बिजली मुफ्त दी जाए और किसानों के बच्चो शिक्षा नि:शुल्क की जाए। इस दौरान कालूराम व दिनेश भी मौजूद रहे।

व्यर्थ नहीं जाएगा स्वामी निगमानंद का बलिदान, जारी रहेगा गंगा रक्षा के लिए मातृ सदन का आंदोलन : स्वामी शिवानंद

स्वामी निगमानंद की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मातृ सदन के परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि स्वामी निगमानंद सरस्वती का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। गंगा रक्षा के लिए मातृ सदन का आंदोलन जारी रहेगा।

गौरतलब है कि गंगा की खातिर अपने प्राणों का बलिदान करने वाले गंगा पुत्र स्वामी निगमानंद की 15 वीं पुण्यतिथि पर मातृ सदन आश्रम, जगजीतपुर कनखल , हरिद्वार में स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजित की गई। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वामी निगमानंद की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज ने कहा स्वामी निगमानंद की हत्या हुई। खनन माफियाओं के इशारे पर उन्हें जहर देकर मारा गया है। स्वामी निगमानंद ने गंगा की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान किया है। मातृ सदन उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देगा सत्य की खातिर मातृ सदन का आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। स्वामी शिवानंद ने कहा कि उत्तराखंड में देवत्व का हास हो रहा है। खनन माफियाओं के इशारे पर सरकार देवभूमि के तीर्थत्व के साथ गंगा को नष्ट करने पर तुली है। धामी सरकार खनन माफियाओं के सबसे बड़े पैरोकार बन कर सामने आये है। हरिद्वार में गंगा के साथ किसानों की उपजाऊ भूमि को नष्ट किया जा रहा है। हाई कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है। सीपीसीबी, एनएमसीजी एवं पर्यावरण मानकों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। इसके बावजूद मातृ सदन एकमात्र संस्था है जो असत्य के खिलाफ सत्य की लौ जलाएं हुए हैं इस मौके पर साध्वी पद्मावती, डा. विजय वर्मा, भोपाल सिंह चौधरी, डा. निरंजन मिश्रा, कोशलेन्द्र झा, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कांत मणि त्रिपाठी, बसंत कुमार, दिनेश वालिया प्रधान ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी सुधानंद ने किया। कार्यक्रम में शिव डेल स्कूल के संस्थापक स्वामी शरदपुरी, व्यापारी नेता संजीव चौधरी, सुराज सेवा दल के अध्यक्ष रमेश जोशी, किसान मजदूर उत्थान संस्था के विनोद कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोगों स्वामी निगमानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

4 महीने का अल्प कार्यकाल फिर हो गया इतना बड़ा भ्रष्टाचार, आरोपों में राजनीति की आ रही बू

रॉबिन द्वारा अध्यक्ष और नगर पालिका कर्मचारियों पर लगाए गए आरोपों पर खड़े हो रहे सवाल?

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर पालिका शिवालिक नगर के सभासद अमरदीप सिंह रॉबिन ने नगर पालिका में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पालिका अध्यक्ष की संपत्ति और आय के स्रोतों की जांच कराने की मांग की है। वहीं दूसरी और जिस प्रकार 4 महीने के अल्प कार्यकाल में ही रॉबिन द्वारा नगर पालिका शिवालिक नगर में भ्रष्टाचार तथा अध्यक्ष राजीव शर्मा की संपत्ति की जांच की मांग की है और आरोप लगाए गए हैं उसमें राजनीति की बू आ रही है। जानकार बताते हैं इतने अल्प कार्यकाल में न तो कोई टेंडर हो पाए हैं और न ही कोई भुगतान हुए हैं फिर रॉबिन किस आधार पर आरोप लगा रहे हैं। रॉबिन ने 22 जून को धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने की घोषणा की है। लेकिन इस घोषणा को भी अध्यक्ष राजीव शर्मा पर दबाव बनाए जाने की रणनीति माना जा रहा है।

प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान सभासद अमरदीप सिंह रॉबिन ने आरोप लगाया कि नगर पालिका भ्रष्टाचार का अड्डा बन गयी है। अधिकारी सुविधा के अनुसार फाइल आगे बढ़ाते हैं। जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद आयोजित की गयी बोर्ड बैठक की प्रोसीडिंग भी सभासदों को अब तक नहीं दी गयी है। विरोध में आवाज उठाने वाले सभासदों को धमकाया जा रहा है। विरोध कर रहे सभासदों के वार्डों में सफाई और अन्य विकास कार्य भी नहीं कराए जा रहे हैं। अमरदीप सिंह रॉबिन ने फर्जी टेंडर और बिना कार्य के ठेकेदारों को भुगतान करने का आरोप भी लगाया और कहा कि पेयजल, कूड़ा निस्तारण और आवारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए कोई योजना या नीति लागू नहीं की गयी है। सड़कों की हालत जर्जर है। सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। पूरे नगर पालिका क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेसवार्ता के दौरान सभासद अमरदीप सिंह रॉबिन ने एक सात सूत्रीय मांग पत्र भी जारी किया। जिसमें पालिका अध्यक्ष की संपत्ति और आय के स्रोतों की सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी से जांच, बीएचईएल में लगाए गए यूनिपोल की वैधता की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों की सूची सार्वजनिक करने, बोर्ड बैठक की कार्यवाही सभासदों को उपलब्ध कराने, कूड़ा प्रबंधन और पेयजल आपूर्ति नीति को सार्वजनिक करने, पालिका अध्यक्ष द्वारा सभासदों और जनता के प्रति अभद्र भाषा और व्यवहार पर रोक लगाने, नगर पालिका की कार्यशैली में जनभागीदारी सुनिश्चित करने आदि शामिल हैं। प्रेसवार्ता में तरूण व्यास, मोहित डिमरी, अतुल गोसांई, गौतम राणा, हिमांशु रावत, शिशुपाल पोखरियाल भी शामिल रहे।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरी पुत्री सादिया प्रवीन मेरे कहने सुनने में नहीं है, गलत आचरण करती है और अपनी मर्जी से कोर्ट मैरिज कर रही है तंग आकर मैंने सभी संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में इसके किसी भी लेन देन व कृत्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। शाहीन पत्नी मोहम्मद मंसूर, निवासी पीठ बाजार लोधामंडी, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड ।

सूचना (खोया-पाया)

मेरे हैण्ड बैग में खाता संख्या 50210027174682 बंधन बैंक शाखा ज्वालापुर हरिद्वार के 10 कौरे चैक जिनके नम्बर 000011 से 000020 तक कौरे हस्ताक्षरित तथा आधार कार्ड, पेन कार्ड वास्तव में कहीं गुम हो गये है। जिनका प्रयोग अवैध होगा। ओमप्रकाश शर्मा पुत्र श्री रघुनाथ शर्मा, निवासी म.न. आई-10, रामनगर, ज्वालापुर, हरिद्वार।

खनन माफिया का 'डबल गेम'

यमुना पार चोरी, विकासनगर में वैध रवन्ना

एक ही रवन्ने पर दो या उससे अधिक वाहन दौड़ रहे सड़कों पर

■ स्टोन क्रेशरों से रात्रि में चोरी-छिपे उपखनिज सामग्री ट्रैक्टरों और डंपरों से उत्तराखंड में प्रवेश कर रही

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। उत्तराखंड की खनिज नीति में जहां एक ओर जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, सीसीटीवी निगरानी और एक वाहन रवन्ना की व्यवस्था को स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है, वहीं यमुना नदी के किनारे हकीकत इससे कोसों दूर नजर आती है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार हिमाचल प्रदेश की सीमा में स्थित कई स्टोन क्रेशरों से देर शाम और रात्रि के समय चोरी-छिपे उपखनिज सामग्री ट्रैक्टरों और डंपरों के जरिए यमुना नदी पार कर उत्तराखंड में प्रवेश कर रही है।

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि ये वाहन जिस सामग्री को गैरकानूनी ढंग से लाते हैं, उन्हें विकासनगर के कुछ विशेष भंडारण स्थलों से रवन्ना जारी कर दिया जाता है, जिससे ये अवैध माल वैध दस्तावेजों में तब्दील हो जाता है। यानी माल हिमाचल से, कागज उत्तराखंड से एक सुनियोजित वैधता का आवरण।

सूत्रों के अनुसार, कई मामलों में एक ही रवन्ने पर दो या उससे अधिक वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ वाहनों की नंबर प्लेट से खुरचकर नंबर जानबूझकर मिटा दिए गए है, ताकि उन्हें किसी भी स्तर पर ट्रेस न किया जा सके। यह सीधा-सीधा उत्तराखंड खनिज नीति की धारा 8 (ख) का उल्लंघन है, जिसमें वाहन की डिजिटल ट्रैकिंग और नंबर की स्पष्टता अनिवार्य की गई है।

खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार ने जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम को अनिवार्य किया है, जिससे वाहन की रीयल-टाइम निगरानी हो सके। साथ ही, हर भंडारण स्थल पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था भी अनिवार्य है, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा सके, साथ ही वाहनों का ट्रैक रिकॉर्ड रखा जा सके। बावजूद इसके ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा है।

सीमांत इलाकों में तैनात वन विभाग के बैरियर कर्मी भी इस नेटवर्क के आगे लाचार दिखाई दे रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो राजनीतिक और बाहरी दबाव, साथ ही संसाधनों की कमी के कारण विभाग स्थिति पर नियंत्रण नहीं कर पा रहा है। कई मामलों में बिना पूछताछ के वाहन आगे बढ़ा दिए जाते हैं, जिससे संदेह और गहराता है। अब सवाल यही उठता है कि जब स्टोन क्रेशर हिमाचल में हैं, तो उत्तराखंड में भंडारण से रवन्ना कैसे जारी हो रहे हैं? यदि जीपीएस और सीसीटीवी जैसी तकनीक अनिवार्य है, तो उनकी अनुपस्थिति पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? साथ ही सवाल यह भी कि उपखनिज से भरे जो वहां सड़को पर बिना नंबर प्लेट और मिटे हुए नंबर के साथ चल रहे उनके खिलाफ उन्हें रो. ककर कार्यवाही क्यों नहीं हो पा रही है?

माहरा ने हवाई जहाज हादसे पर जताया शोक

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए हृदय विदारक हवाई जहाज हादसे पर गहरा दु:ख जताया है। माहरा ने हवाई जहाज दुर्घटना में मारे गये लोगों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस परिवार की ओर से दिवंगत आत्माओं के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। इस हादसे में जिन्होंने अपने परिजन खोये हैं उनके लिए यह असहनीय दु:ख है हम उनके दु:ख को बांट तो नहीं सकते परन्तु इस दु:ख की घड़ी में उनके साथ हैं। हम केन्द्र व गुजरात सरकार से अनुरोध करते हैं कि हवाई जहाज हादसे से प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाए।

दर्दनाक: वाहन दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

■ एक नाबालिग गंभीर रूप से घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। मुख्य राजमार्ग पोंटा रोड आदूवाला गावं गेट के पास एक वाहन सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी।

सूचना पर तत्काल चौकी प्रभारी हरबर्टपुर मय फोर्स के मौके पर पंहुचे। जिनके द्वारा घटनास्थल पर जाकर पाया गया कि एक टैक्सी वाहन इनोवा पीबी01 सी 2425 व मोटरसाइकिल यूके07 एफडब्लू 6951 स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। जिसमें मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति राजुल पुत्र अयूब निवासी ग्राम तिमली उम्र 30 वर्ष विकासनगर की मृत्यु हो गयी है तथा मोटरसाइकिल पर सवार एक अन्य छोटे बच्चे को विवेकानंद हॉस्पिटल अस्पताल धर्मावाला सहसपुर भेजा गया जिसके पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है तथा इलाज चल रहा है मौके से दोनों वाहनों को कब्जे पुलिस लिया गया है दुर्घटना के कारणो की जांच की जा रही है। मृतक के शव को कब्जे लेकर पंचायतनामा व पोस्टमार्ट की कार्यवाही कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर वर्तमान में शांति व्यवस्था कायम है।

प्राथमिक जांच में दुर्घटना मोटरसाइकिल चालक कि गलत साइड में वाहन संचालित किया जाना पाया गया है। फिर भी पुलिस घटना के संबंध में जांच कर रही है। वहीं, युवक की मौत की खबर से परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। युवक के परिजन और रिश्तेदारों की भीड अस्पताल के बाहर जमा रही।

धियांणियों ने देवता को भेंट की चांदी की कुरोई

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। धिरोई गांव की धियाणियों (महिलाओं) ने महासू देवता मंदिर थान लक्स्यार में चांदी से बनी कुरोई भेंट कर अपने परिवार की खुशहाली के लिए पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर में जागड़ा पर्व आयोजित किया गया।

गांव के महिला और पुरुषों ने मंदिर परिसर में देव हारूल पर शानदार नृत्य किया। जौनसार बावर में मन्नत पूरी होने पर देव पालकी को अपने घर आमंत्रित करने और देवता को मंदिर में भेंट अर्पित करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा का निर्वहन करते धिरोई गांव की महिलाओं ने चांदी की कुरोई भेंट की। शुक्रवार सुबह से ही गांव की महिलाओं का मंदिर में आने का सिलसिला शुरू हो गया था।

मंदिर परिसर में विधिविधान से पूजा अर्चना करने के बाद गर्भगृह में विराजमान देव पालकी पर चांदी का कुरोई चढ़ाया गया। इसके बाद मंदिर में देव हारूल का गायन शुरू हुआ। देव हारूल के माध्यम से देवता के महातम्य का वर्णन किया गया। बुजुर्ग महिलाओं ने चार भाई महासू के कश्मीर से जौनसार में आने की कथा का वर्णन किया।

दोपहर में भंडारे के बाद एक बार फिर लोकनृत्यों का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान मंदिर के बजीर गजेंद्र सिंह तोमर, भंडारी रघुवीर सिंह, रमेश नौटियाल, शूरवीर सिंह, प्रदीप नौटियाल, पूरण सिंह, युद्धवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने उठाया आधार शिविर का लाभ

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के राजकीय इंटर कॉलेज हिंसरियाखाल में दस दिवसीय आधार कार्ड संशोधन शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बारिश और विद्युत आपूर्ति होने के कारण ग्रामीणों का खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शिविर में हिंसरियाखाल पट्टी के जखेड, उमरी, नौली, चाका, सौड़ू, तलयाकोट, बरसोली समेत विभिन्न गांव के ग्रीमण शिविर में पहुंचे। डागर पटटी संघर्ष समिति के संयोजक गौरव राणा ने बताया कि हिंसरियाखाल क्षेत्र में अंतिम आधार शिविर है, जो शनिवार तक आयोजित किया जायेगा। बताया कि शिविर में बारिश के बावजूद भी बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविर का लाभ लेने पहुंच रहें है। मौके पर हरीश पेटवाल, कुलदी भंडारी, रामदयाल उमरियाल, जगदीश, राजेंद्र सिंह, संदीप ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुस्तकें हमारे देश के ध्वजवाहक के लिए सर्वोत्तम निवेश: डा. फारुक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन ने कमजोर वर्ग के छात्रों की मदद के लिए तस्मिया ऑडिटोरियम स्कूल में किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम तस्मिया ऑल इंडिया एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

तस्मिया सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. एस. फारूक मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक बदलाव का सबसे शक्तिशाली साधन है। जब हम बच्चों की शिक्षा के मार्ग में इस तरह का सार्थक सहयोग प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में देश के बेहतर भविष्य में निवेश कर रहे होते हैं।

कार्यक्रम में ऑल इंडिया एजुकेशन मूवमेंट के अध्यक्ष डॉ. ख्वाजा एम. शाहिद व जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर डॉ. संजय ओंकार अंगुले ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. संजय ने अपने बचपन की कठिनाइयों को याद किया और बच्चों के सामने संघर्ष की यात्रा को प्रस्तुत किया जो एक प्रेरक यात्रा थी। ह्यूमन वेलफेयर के सीईओ पीके नौफल ने कहा कि फाउंडेशन जमीनी स्तर पर काम करता है।

इस अवसर पर, कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को बैग, नोटबुक व आवश्यक स्टेशनरी सहित स्कूल किट वितरित किए गए। इस अवसर पर विजन मैनेजर डॉ. मुहम्मद आरिफ नदवी और एस.एच.ओ. मैनेजर शारिक अंसार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

एक नजर ....

गोल्ड लोन बिजनेस के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी

देहरादून। (शाह टाइम्स संवाददाता) देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने पॉल मर्चेंट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पॉल मर्चेंट्स फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के गोल्ड लोन बिजनेस के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस अधिग्रहण में पीएमएफएल की 130 शाखाएं, लगभग 700 कर्मचारी और 1,350 करोड़ के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो का बिजनेस ट्रांसफर शामिल है। एलटीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुदीप्ता रॉय ने कहा, हम पीएमएफएल के गोल्ड लोन बिजनेस के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं।

कोरदी गांव में श्रीमद्भागवत कथा का समापन

नई टिहरी। शाह टाइम्स संवाददाता) प्रतापनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोरदी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का समापन गुरुवार को हवन-यज्ञ और प्रसाद वितरण के साथ भक्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। कथा समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल छाया रहा। कथा के अंतिम दिन भागवताचार्य सुनील रतूड़ी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक दिव्य ज्ञान यज्ञ है, जिसके श्रवण मात्र से पितरों का उद्धार होता है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख प्रदीप रमोला ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है। इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारी देवी सिंह पंवार, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य छप्पन डंगवाल, शूरवीर भंडारी, सूरज सिंह, महावीर सिंह, दिनेश सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फकोट में योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई टिहरी। जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खंडेलवाल के निर्देशानुसार नरेंद्रनगर ब्लॉक के फकोट मुख्यालय में आयुष व आयुष शिक्षा विभाग उत्तराखंड की और से आमजन में योग के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन योग दिवस 2025 की तैयारी और थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को केंद्र में रखकर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह भंडारी ने दीप प्रज्वलन और धन्वंतरि वंदना के साथ किया। अपर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना डंगवाल ने कहा कि योग हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखने का सबसे प्रभावी और सहज उपाय है। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में आयुष विभाग टिहरी से डॉ. वीरेंद्र पुरोहित, डॉ. सुरभि शर्मा, डॉ. अदिति शर्मा, डॉ. चेतन स्नेही, डॉ. सुषमा, एस एस कपिल, डॉ. पूनम की भूमिका रही।

सरोका मौण मेला: परंपरा और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम

■ टिमरू तिलक और देवपूजन के साथ शुरू हुआ उत्सव
रात्रि में कोटवा में सांस्कृतिक संध्या

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। कुथनोई नदी किनारे स्थित सरोका में ऐतिहासिक मौण मेले का आयोजन पारंपरिक धूमधाम से संपन्न हुआ। स्थानीय ग्रामीणों की भारी भागीदारी वाले इस मेले में बउरा देवता के मंदिर में पूजा-अर्चना की गई, जिसे पशुओं का रक्षक देवता माना जाता है।

मेले की शुरुआत टिमरू पाउडर से तिलक कर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मंदिर में विधिवत पूजा से हुई। इसके बाद पारंपरिक लोक नृत्य व गीतों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं।

यह मेला धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है, जो पैदल पहुंचने वाले दुर्गम स्थल पर आयोजित होता है। इसमें डेरीयो, कोटवा, शिरवा, बगोती, पाटी, रावना समेत कई गांवों के लोग सम्मिलित होते हैं।

रात्रि को कोटवा गांव में महासू देवता सेवा समिति द्वारा भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमें सुप्रसिद्ध लोक कलाकार अज्जू तोमर, सनी दयाल, भगत सिंह राणा और अन्य कलाकारों की उपस्थिति रहेगी। समिति अध्यक्ष विक्रम सिंह और उपाध्यक्ष संजय जोशी के अनुसार, यह आयोजन स्थानीय संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास है।

कमर्शियल संस्थान बेसमेंट पार्किंग का उपयोग नहीं करेंगे, तो होगी कार्रवाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। दून शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट के गतिमान कार्यों को तेजी से पूरा करें तथा शहर को स्वचालित और गतिशील बनाने वाले भविष्य के रोडमैप का स्पष्ट खाका तैयार करें। संबंधित विभाग और जिला प्रशासन को मुख्य सचिव ने ये निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित बैठक में जिला प्रशासन देहरादून तथा संबंधित विभागों द्वारा देहरादून शहर को व्यवस्थित और अधिक गतिशील बनाने से संबंधित शहर के मोबिलिटी प्लान को प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल ने शहर के मोबिलिटी प्लान से संबंधित कार्यों में अब तक हुई प्रगति से अवगत कराया तथा शहर की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए भविष्य में किए जाने वाले कार्यों तथा दूरगामी प्लान से भी अवगत कराया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी कमर्शियल संस्थानों की बेसमेंट पार्किंग का शत - प्रतिशत उपयोग कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की जो भी संस्थान बेसमेंट में पार्किंग नहीं कराते उन पर सख्त एनफोर्समेंट की कार्रवाई की जाए। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, एमडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, अपर सचिव विनीत कुमार, नगर आयुक्त देहरादून नमामि बंसल आदि उपस्थित थे।

स्वर्गीय डॉ. इंदिरा हृदयेश की पुण्य तिथि पर कांग्रेसियों ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

■ एचएन बहुगुणा व एनडी तिवारी के बाद सबसे ज्यादा संसदीय अनुभव वाली नेता थीं हृदयेश: धस्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के नेताओं में स्वर्गीय एचएन बहुगुणा व स्वर्गीय एनडी तिवारी के बाद सबसे लंबे संसदीय अनुभव की धनी थीं डॉ. इंदिरा हृदयेश।

यह बात शुक्रवार को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में स्वर्गीय डॉ. इंदिरा हृदयेश की चौथी पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कही। उन्होंने कहा कि डॉ. इंदिरा हृदयेश एक लोकप्रिय नेता होने के साथ साथ बहुत ही कुशल प्रशासक थीं व सदन में फ्लोर मैनेजमेंट में उनका कोई सानी नहीं था।

धस्माना ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के बाद वे पहली अंतरिम विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता रहीं और पहली निर्वाचित सरकार में विधायक बनने के साथ पीडब्लूडी व संसदीय कार्य मंत्री बनीं फिर तीसरी विधानसभा में पुन: वित्तमंत्री बनीं और चौथी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनीं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए वे हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनीं रहेंगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजेंद्र शाह, जगदीश धीमान, प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, प्रदेश एससी एसटी व ओबीसी प्रकोष्ठ के मुख्य समन्वयक सीपी सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, शीश पाल सिंह बिष्ट, सुशीला शर्मा, निधि नेगी व सूरज छेत्री आदि उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री जोशी से मिलीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष

देहरीदून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से उनके शासकीय आवास पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर ने शिष्टाचार भेंट की।इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने उन्हें देवभूमि उत्तराखण्ड आगमन पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। भेंट के दौरान महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। जोशी ने राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और केंद्र व राज्य स्तर पर समन्वय बनाकर महिला हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की पत्नी निर्मला जोशी भी उपस्थित रहीं।

देवन के ऐतिहासिक बंगले की प्राकृतिक सुंदरता पर संकट

■ स्थानीय युवाओं ने जताया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। समुद्र तल से 2815 मीटर की ऊंचाई पर स्थित देवन की हसीन वादियों में ब्रिटिश काल में बना ऐतिहासिक श्देवन बंगला आज भी अपनी भव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। वर्ष 1886 को ब्रिटिश द्वारा बनाया गया था जिसे 1954 में तत्कालीन गवर्नर उत्तर प्रदेश के एम मुंशी ने जीर्णोद्धार के बाद इसका लोकार्पण किया था। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां की सुंदर वादियां और हरे भरे पेड़ और शांत वातावरण के कारण यहां पर्यटक भारी संख्या में यहां पहुंचते हैं।

मगर हाल ही में इस ऐतिहासिक धरोहर की प्राकृतिक सुंदरता से छेड़छाड़ के आरोपों ने स्थानीय लोगों को चिंता में डाल दिया है। वन विभाग द्वारा बंगले के पुराने स्वरूप को बदलते हुए प्लाई बोर्ड और लोहे की चादरों से इसका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिसे लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

स्थानीय युवाओं का कहना है कि इस ऐतिहासिक धरोहर की मूल पहचान और प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष जयवीर चौहान, अजीत चौहान, सुरेश प्रसाद थपलियाल (पूर्व प्रधान), अनुज चौहान, कुलदीप चौहान, टीकम सिंह चौहान समेत कई लोगों ने इस कार्य पर नाराजगी जताई है। विरोध कर रहे युवाओं ने बताया कि वे जल्द ही डीएफओ कार्यालय जाकर इस मामले में उचित कार्यवाही की मांग करेंगे, ताकि देवन बंगले की ऐतिहासिक पहचान और सौंदर्य को संरक्षित रखा जा सके।

इस मुद्दे पर डीएफओ अभिमन्यु सिंह ने दूरभाष पर बताया कि देवन बंगले में चल रहा कार्य उनके डिवीजन की ओर से नहीं, बल्कि इको टूरिज्म कॉरपोरेशन के माध्यम से किया जा रहा है।

उन्होंने कह कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत राज्य के विभिन्न गेस्ट हाउसों को पर्यटन सुविधा के रूप में विक. सित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटकों को सुविधा मिल सके और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हों। डीएफओ ने यह भी कहा कि स्थानीय युवाओं की आपत्ति को भी गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित पक्षों के समक्ष उनकी बात को रखा जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐतिहासिक धरोहर की मूल पहचान और प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखने की हरसंभव कोशिश की जाएगी।

पीएचसी त्यूणी पर 80 गांवों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का भार

त्यूणी अस्पताल में बढ़ रहे मरीज, बेड पड़ रहे कम

■ 60 से 70 तक की ओपीडी वाले इस अस्पताल में आ रहे 150 से अधिक मरीज

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। सीमांत तहसील क्षेत्र के एक मात्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र त्यूणी में इन दिनों मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पताल में उपचार के लिए आ रहे मरीजों को इंडोर वार्ड में बेड की कमी से जूझना पड़ रहा है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन अधिकांश मरीजों को ओपीडी में ही उपचार के बाद घर भेज देता है।

दस बेड की क्षमता वाले पीएचसी त्यूणी पर 80 गांवों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का भार है। इन दिनों भीषण गर्मी के कारण संक्रामक रोगों से ग्रस्त रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सामान्य तौर पर 60 से 70 तक की ओपीडी वाले इस अस्पताल में इन दिनों 150 से अधिक मरीज उपचार के लिए आ रहे हैं, जिनमें से हर दिन 30 से 35 मरीज उल्टी दस्त की समस्या से ग्रसित हैं।

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आसपास के उप स्वास्थ्य केंद्रों का स्टाफ भी पीएचसी में तैनात किया गया है, लेकिन बेड की कमी मरीजों के उपचार के आड़े आ रही है। उल्टी दस्त के मरीजों को कई बार अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ती है, जिससे उनके शरीर में हुई पानी की कमी को पूरा किया जा सके।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नरेंद्र राणा ने बताया कि गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है, लेकिन उल्टी-दस्त के सामान्य मरीजों को ओपीडी में ड्रिप और इंजेक्शन देकर कुछ घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा जा रहा है। हालात गंभीर नहीं होने पर मरीज को आवश्यक दवाई देकर घर भेज दिया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक दिन छह से सात मरीज ऐसे आ रहे हैं, जिन्हें ओपीडी में ही कुछ घंटे आब्जर्वेशन में रखना पड़ रहा है। कहा, कि अस्पताल में बेड की संख्या बढ़ाने के लिए जिला मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

बारिश से तापमान में आई गिरावट

अल्मोड़ा। बीते कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिली। जिले में शुक्रवार को झमाझम बारिश होने से तापमान गिरा और गर्मी से राहत मिली। वहीं, किसानों के चेहरे पर भी मुस्कान लौटी है। अल्मोड़ा में बीते कुछ दिनों से आसमान में बादलों को जमावड़ा लग रहा था। लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। इससे गर्मी के साथ उमस बढ़ रही थी। शुक्रवार को झमाझम बारिश होने से बाजार पहुंचे लोगों को बारिश से बचने के लिए दुकानों में शरण लेनी पड़ी। कई लोग बारिश का आनंद लेते दिखाई दिए। वहीं, बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। बारिश ने किसानों को भी खुशी का मौका दिया है। किसान भी रोपाई और बागवानी के लिए बारिश का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार उन्हें मौसम का साथ मिला तो उनके चेहरे पर मुस्कान लौटी।

सड़क पार कर रहे बच्चे को कार ने मारी टक्कर, गंभीर

■ बच्चे को किया विकासनगर अस्पताल रैफर

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिया। मैन बाजार सहिया में सड़क पार कर रहे बच्चे को कार ने टक्कर मार दी। जिससे बच्चा गंभीर हो गया। बच्चे के पैर और चेहरे पर चोट लगी हुई है। गंभीर चोट के कारण बच्चे को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को छह साल का लवी पुत्र अरविंद निवासी दुनवा चकराता अपनी दादी के साथ साहिया बाजार आया हुआ था। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे चकराता से एक कार साहिया की तरफ आ रही थी। इसी बीच बच्चा तेजी से सड़क पार कर रहा था तभी वह कार की चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल बच्चे को उसके साथ आई उसकी दादी व कार सवार और स्थानीय लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहिया पहुंचाया। जहां अस्पताल में डॉक्टर ने बच्चे को प्राथमिक उपचार दिया। पैर में काफी गंभीर चोट आने पर बच्चे को विक. ासनगर रेफर कर दिया है। साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहिया के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय आनंद ने बताया बच्चे के चेहरे और पैर में चोटें आई है। पैर में अधिक चोट के कारण उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। कार चालक चकराता का व्यापारी बताया जा रहा है। कार चालक ने बच्चे के इलाज की पूरी जिम्मेदारी ली है।

अत्याधुनिक मशीन से सफल सर्जरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग में अत्याधुनिक आर्थोस्कोपी मशीन की मदद से एक और सफल

एसटीएच के डॉक्टरों की टीम ने मरीज़ को फिट कर दिया

सर्जरी की गई। हल्द्वानी निवासी 47 वर्षीय राकेश जायसवाल, जो एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे, के घुटने की लिगामेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। प्रो. डा. गणेश सिंह के निर्देशन में अस्थि रोग विशेषज्ञ डा. ईश्वर धर्मशक्तू ने दूरबीन विधि से यह ऑपरेशन किया। सर्जरी में टाइटेनियम बटन और फाइबर धागों से लिगामेंट को हड्डी से पुनः जोड़ा गया। यह तकनीक सामान्यतः निजी अस्पतालों में लाखों रुपये खर्च कराई जाती है, लेकिन एसटीएच में इसे बेहद कम लागत में पूरा किया गया। डा. ईश्वर ने बताया कि लिगामेंट की चोट से जोड़ अस्थिर हो जाते हैं, समय रहते उपचार जरूरी होता है। सर्जरी के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुका है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी ने अस्थि रोग विभाग की सराहना करते हुए कहा कि एसटीएच गरीब मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सफल सर्जरी में एनेस्थीसिया विभाग सहित पूरी टीम का सहयोग सराहनीय रहा।

साइबर ठग गिरोह का हुआ भंडाफोड़

निर्माणाधीन होमस्टे के कमरों से संचालित हो रहा था ठगी का कारोबार, छह आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड एसटीएफ की कुमाऊं यूनिट और साइबर थाना कुमाऊं परिक्षेत्र ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी से जुड़े एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह के पास से बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण, फर्जी दस्तावेज और बैंक खातों से जुड़ी सामग्री बरामद की गई है। एसएसी एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि नैनीताल जिले के काठगोदाम थाना क्षेत्र के ग्राम बासुली, अमृतपुर में एक निर्माणाधीन होमस्टे के दो कमरों से साइबर ठगी की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। स्थानीय युवकों द्वारा लैपटॉप और मोबाइल के जरिए देशभर में साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। इनका नेटवर्क व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप्स के माध्यम से साइबर अपराधियों से जुड़ा हुआ था और बैंक खातों में प्राप्त धन को नेट बैंकिंग और ओटीपी के जरिए अन्य खातों में ट्रांस्फर किया जाता था। छापेमारी के दौरान एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने मौके से 6 लैपटॉप, 23 महंगे मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड, 9 बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज, बारकोड स्कैनर, वाइफाई डिवाइस, एटीएम कार्ड और चेकबुक बरामद किए। गिरफ्तार अभियुक्तों में जतिन पांडे, कमल किशोर, हर्ष बोरा, कौशल किशोर उर्फ आशीष ठाकुर, प्रेम कुमार, और करन केवट शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह केंद्र सचिन मित्तल नामक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था, जिससे पहली बार संपर्क टेलीग्राम ऐप के माध्यम से हुआ था। सचिन मित्तल और उसके सहयोगी प्रियांशु शर्मा ने अभियुक्तों को केंद्र में रुकने की पूरी व्यवस्था दी थी और उन्हें साइबर ठगी की ट्रेनिंग भी दी। व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से उन्हें विभिन्न फर्जी बैंक खातों की जानकारी मिलती थी, जिनका उपयोग ठगी की रकम जमा कराने में किया जाता था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि इन खातों से जुड़े मोबाइल नंबर स्पीड पोस्ट के जरिए एक अन्य व्यक्ति सौरभ तिवारी के पते पर भेजे जाते थे। इन मोबाइल नंबरों का प्रयोग ओटीपी और नेट बैंकिंग के लिए किया जाता था। एसटीएफ जांच में सामने आया कि गिरोह द्वारा उपयोग किए जा रहे बैंक खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों से साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कम से कम 12 शिकायतें दर्ज हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना काठगोदाम में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 61(2), 3(5) और आईटी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक एसटीएफ एमपी सिंह, एसआई अरुण कुमार, ब्रजभूषण गुरूरानी, एएसआई सतेन्द्र गंगोला, प्रकाश भगत, हेड कांस्टेबल सोनू पांडे, सुरेन्द्र सांमत, रविन्द्र सिंह, जगपाल सिंह, गोविन्द सिंह, कां. जितेन्द्र कुमार, गुरुवंत सिंह, तथा काठगोदाम थाना प्रभारी पंकज जोशी सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस गिरोह के मास्टरमाइंड सचिन मित्तल, प्रियांशु शर्मा और सौरभ तिवारी की तलाश कर रही है, जिनके विरुद्ध आगे की जांच जारी है।

आयुर्वेदिक अस्पताल में योग शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर के तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय हल्दूचौड़ के तत्वावधान में यहां आइटीबीपी कैंप में तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दूसरे दिन छह दर्जन से ज्यादा आईटीबीपी के जवानों ने योग प्रशिक्षण लिया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डा. दीपक गिरी एवं डा. मीरा जोशी ने योग का महत्व एवं उसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि योग हमारी वैदिक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है जो कालांतर में कुछ समय विलुप्त होने के बाद फिर से आज जन जागरण का एवं जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अहम हिस्सा बन चुका है इस अवसर पर आईटीबीपी के कमांडेंट हेमंत सिंह सब कमांडेंट फतेह सिंह समेत अनेकों आईटीबीपी के जवान भी मौजूद रहे। डा. मीरा जोशी ने बताया कि जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी के दिशा निर्देशन में योग को बढ़ावा देने के विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

खनन को कानून के दायरे में लाएंः डा. खान

एनजीटी न्यायाधीश की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण पर उच्चस्तरीय बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एनजीटी के न्यायाधीश डा. अफरोज अहमद ने शुक्रवार को सर्किट हाउस काठगोदाम में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला पर्यावरण समिति और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र के संरक्षण को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया और कहा कि सतत विकास के लिए इकोलॉजी और इकोनॉमी का संतुलन ज़रूरी है। उन्होंने खनन को कानून के दायरे में लाने, वैज्ञानिक पद्धति से खनन करने, झीलों व जलस्रोतों में सीवेज जाने से रोकने और अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने के निर्देश दिए। नैनीताल झील के संरक्षण के लिए हाइड्रोबायोलॉजिकल सिस्टम लगाए जाने की आवश्यकता जताई।

एनजीटी न्यायाधीश ने सभी झीलों का सीमांकन (डीमार्केशन) सुनिश्चित करने और झील किनारे निर्माण रोकने को कहा। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित कर निरंतर मॉनिटरिंग करने को कहा। बैठक में आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि रुद्रपुर ट्रंचिंग ग्राउंड से एक लाख टन कूड़े का निस्तारण हो चुका है और इसे ग्रीन स्पेस के रूप में विकसित किया जाएगा। जिलाधिकारी वंदना ने बताया कि नैनीताल और हल्द्वानी में सीवरेज व्यवस्था मजबूत करने और ठोस अपशिष्ट निस्तारण पर कार्य हो रहा है। बैठक में वैज्ञानिकों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीएन मीणा, सीडीओ अनामिका, डीएफओ सीएस जोशी, मुख्य अभियंता सिंचाई संजय शुक्ल, डा. सुधीर कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कैंचीधाम बाईपास की सारी आपत्तियां हुई दूरः अजय भट्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सांसद अजय भट्ट ने बताया कि कैंचीधाम बाईपास की सभी आपत्तियां दूर हो गई हैं। 19 किलोमीटर के बाईपास में 8 किमी निर्माण कार्य पूर्व में पूरा हो चुका है और अवशेष 11 किलोमीटर का निर्माण कार्य होना है, जिसमें पहाड़ कटान की निविदा भी आमंत्रित कर दी गई है निर्माण कार्य की लागत 450 लाख है, जिसे तीन चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में पहाड़ कटान एवं 70 मीटर सेतु निर्माण, द्वितीय चरण में दीवार कलमठ निर्माण, तृतीय चरण में डामरीकरण का कार्य होगा। जुलाई माह से कार्य प्रारंभ होकर 18 महीने में पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा श्री भट्ट ने कहा कि काठगोदाम से अमृतपुर बैंड तक का बाईपास का निर्माण कार्य के लिए पूर्व में वन भूमि हस्तांतरण प्रताव में नोडल कार्यालय वन संरक्षक देहरादून द्वारा क्षति पूरक वृक्षा रोपण हेतु आपत्ति लगाई गई थी, जिसके फलस्वरूप पुनः निरीक्षण करते हुए रामनगर के पास डी ग्रेडेड फॉरेस्ट लैंड 7.8 हेक्टेयर क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु जमीन भी उपलब्ध करा दी गई है। जल्द ही इसका भी निर्माण कार्य प्रारंभ होगा, उन्होंने कहा कि सरकार लगातार इन बाईपास के निर्माण के लिए प्रयासरत है। श्री भट्ट ने यह भी बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों को आने-जाने वाले वाहनों एवं पर्यटकों को इसी मार्ग से भेजते हुए हल्द्वानी काठगोदाम शहर की यातायात व्यवस्था में काफी हद तक सुधार किया जाएगा है। श्री भट्ट ने यह भी बताया कि काठगोदाम अमृतपुर बाईपास और कैंची धाम बाईपास दोनों अलग-अलग है।

बागेश्वरः इंदिरा हृदयेश को अर्पित किए श्रद्धासुमन

बागेश्वर। कांग्रेस जिला बागेश्वर पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष भगत डसीला के नेतृत्व में डा. स्व. इंदिरा हृदेश की पुण्य तिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवनी पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल में कई ऐतिहासिक कार्य हुए। उनके द्वारा किए गए कार्यों से अन्य राजनीतिक दलों व नेताओं को सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर गोकुल परिहार, लक्ष्मी धर्मशक्तू, राजेंद्र परिहार, राम आर्या, किशन गिरी गोस्वामी, चंदू आदि मौजूद थे।

बैराज के मलबे में दवा था व्यापारी का शव

धार्मिक पुस्तकों के विक्रेता ने आत्महत्या क्यों की, जांच करेगी पुलिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम पुलिस ने दो घंटे के रेक्स्यू अभियान के दौरान गौलाबैराज में डूबे व्यापारी के शव को बरामद कर लिया। व्यापारी का शव गौला बैराज के गेट नंबर एक में मलवे में दबा हुआ था। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा कि मृतक व्यापारी का अपने भाई से जमीनी विवाद चल रहा था। जिसके चलते वह पिछले काफी समय से परेशान चल रहा था। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुट गई।

जानकारी के अनुसार बीते गुरुवार को गौला बैराज में काम करने वाले कर्मचारियों को गौलाबैराज के पास एक काले रंग का बैग पडा हुआ मिला।

इसका सूचना उन्होंने काठगोदाम पुलिस को दी। सूचना मिलते ही काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी व मल्ला काठगोदाम चौकी प्रभारी दिलीप कुमार मय टीम के साथ मौके पहुंचे और बैग की तलाशी ली तो उसमे महावीरगंज निवासी 50 वर्षीय धार्मिक पुस्तकों के व्यापारी मदन अग्रवाल के दस्तावेज मिले। जिसके बाद पुलिस घ्से उन दस्तावेजों से उनकी जानकारी जुटाई तो पता लगा की वह घर से कहीं निकले है। जिसके बाद पुलिस ने परिजनों को बताया की उनका बैग गौलाबैराज डाम के किनारे मिला है। परिजनों द्वारा आत्महत्या की आशंका जताई तो पुलिस ने आस पास के जंगलो के साथ बैराज में सर्च अभियान चलाया। लेकिन रात होने के कारण पुलिस ने शुक्रवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम के साथ रेक्स्यू अभियान शुरु किया। दो घंटे तक चले रेक्स्यू अभियान के दौरान पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने बैराज के गेट नंबर एक से धार्मिक पुस्तकों के व्यापारी महावीरगंज निवासी मदन अग्रवाल के शव को बरामद कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक व्यापारी के परिजन भी मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस पूछताछ के दौरान परिजनों द्वारा बताया गया कि मृतक व्यापारी का अपने भाई से ज़मीनी विवाद चल रहा था। जिस कारण वह पिछले काफी समय से परेशान चल रहे। घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ।

यूजेवीएन लिमिटेड

मुख्यालय : "उज्जवल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006, दूरभाष संख्याः 0135- 2763808 फैक्स नं0: 0135-2763508
सी.आई.एन. सं0 – U40101UR2001SGC025866, वैबसाईटः Website: www.ujvnl.com

पत्रांक : 425 — **निविदा सूचना** — दिनांक : 13.06.2025

कार्यालय अधिशासी अभियंता(उ), चीला विद्युत गृह इच्छुक निविदादाताओं से निविदाएं आमंत्रित करता है। निविदांओ का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः

निविदा सं0: 03/अ०अ०(उ)/चीला/2025-26 एवं 04/अ०अ०(उ)/चीला/2025-26.

कार्य /पूर्ति/सेवायें का नामः
1. चीला विद्युत गृह पर इन्टेक का वार्षिक सफाई का कार्य।
2. अधिशासी अभियन्ता (उत्पादन) कार्यालय हेतु चालक सहित एक डीजल वाहन 12 माह के लिए किराये पर लिये जाने हेतु ।

अनुमानित लागतः रू0 9,68,928/- (जी.एस.टी. अतिरिक्त), एवं रू0 4,90,460/- (जी.एस.टी. अतिरिक्त),

वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथिः 16.06.2025 को 11.00 बजे से

वेबसाईट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथिः 08.07.2025 को 11.00 बजे तक अन्य जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट **www.ujvnl.com** देखें।

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

अधिशासी अभियंता (उ0)
चीला विद्युत गृह

भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान
डाकघर न्यू फॉरेस्ट, देहरादून-248006

ई-निविदा निमन्त्रण प्रपत्र

निदेशक, भा.वा.अनु.शि.प -वन अनुसंधान संस्थान की ओर से प्रभाग प्रमुख, अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा ऑनलाइन ई-निविदा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, एम0ई0एस0, दूरभाष संचार तथा रेलवे, उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं।

1. **निविदा का नं0:** 25-01/2025-26/HoD/Engg. Cell/Civil-STR
2. **निविदा का आई0 डी0 नं0 :** 2025_ICFRE_856601_2
3. **कार्य का नामः** Annual Rate Contract (ARC) of Sanitary Items 2025-26.
4. **जमानत राशिः-** रूपये 50,000/-
5. **निविदा शुल्कः**-रूपये 590/-
6. **अनुबन्ध का समय :** 90 दिन
7. **निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि तथा समयः-** 01.07.2025 अपराह्न 1:00 बजे। निविदा प्रपत्र एवं निविदा से सम्बन्धित अन्य जानकारियां वैबसाइट **http://eprocure.gov.in/eprocure/app.** and **www.fri.icfre.gov.in** में देखी जा सकती हैं।

तकनीकी अधिकारी
अभि0 प्र0, सुविधा एंवम् सेवा प्रभाग,
भा.वा.अनु.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान
डाकघर न्यू फॉरेस्ट, देहरादून-248006

ई-निविदा निमन्त्रण प्रपत्र

निदेशक, भा.वा.अनु.शि.प -वन अनुसंधान संस्थान की ओर से प्रभाग प्रमुख, अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा ऑनलाइन ई-निविदा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, एम0ई0एस0, दूरभाष संचार तथा रेलवे, उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं।

1. **निविदा का नं0 :** 25-02/2025-26/HoD/Engg. Cell/Civil-STR
2. **निविदा का आई0 डी0 नं0 :** 2025_ICFRE_856609_2
3. **कार्य का नामः** Annual Rate Contract (ARC) of Building Material 2025-26
4. **जमानत राशिः-** रूपये 50,000/-
5. **निविदा शुल्क :**-रूपये 590/-
6. **अनुबन्ध का समय :** 90 दिन
7. **निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि तथा समयः-** 01.07.2025 अपराह्न 1:00 बजे। निविदा प्रपत्र एवं निविदा से सम्बन्धित अन्य जानकारियां वैबसाइट **http://eprocure.gov.in/eprocure/app.** and **www.fri.icfre.gov.in** में देखी जा सकती हैं।

तकनीकी अधिकारी
अभि0 प्र0, सुविधा एंवम् सेवा प्रभाग,
भा.वा.अनु.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत पताः 11वीं मंजिल, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013. CIN No. U67190MH2008PLC187552

डिमांड नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रत्यावर्तन) नियम, 2002 ("नियम") के नियम 3 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुननिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रत्यावर्तन अधिनियम, 2002 ("अधिनियम") की धारा 13(2) के अधीन

जैसाकि टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (टीसीएचएफएल) के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम के अधीन और नियमों के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत अधिकारो का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए विवरण अनुसार इसमें सूचीबद्ध कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटरों (सभी को अकेले या एक साथ "बाध्यताधारी" कहा गया है) कानूनी वारिसों/कानूनी प्रतिनिधियों को संबंधित नोटिसों की तिथियों से 60 दिन के अंदर मांग सूचना मे निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने की अपील करते हुए अधिनियम की धारा 13(2) के अधिन विस्तृत मांग सूचना दिनांक जारी किए गए थे. कथित सूचना की प्रतियां पंजीकृत डाक ए.डी. द्वारा तामील की गई हैं और अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध हैं और यदि कथित बाध्यताधारी/कानूनी वारिस/कानूनी प्रतिनिधि चाहें तो किसी भी कार्यालय दिवस को सामान्य कार्यावधि के दौरान अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त कर सकते है। उपर्युक्त संबंध में एतद द्वारा कथित बाध्यताधारीयों/कानूनी वारिसों/ कानूनी प्रतिनिधियों को एक बार पुनः सुचित किया जाता है कि कथित बाध्यताधारियों द्वारा निष्पादित ऋण के करार एवं अन्य दस्तावेजों/विलेखों के साथ पठित नीचे कॉलम (डी) में संबंधित तिथि से भुगतान और/या वसुली की तिथि तक आगामी ब्याज सहित इसमें उनके संबंधित नामों के समक्ष निर्दिष्ट राशि संबंधित सूचना की तिथियों से 60 दिन के अंदर टीसीएचएफएल को भुगतान करें. कथित बाध्यताधारियों द्वारा निम्नलिखित सुरक्षित आस्तियां कर्ज के देय भुगतान की सुरक्षा के रुप में टीसीएचएफएल के लिए गिरवी रखी गई है।

क्र. सं.	ऋण खाता नम्बर	बाध्यताकारी का नाम/ कानूनी उत्तराधिकारी (एस) कानूनी प्रतिनिधि (ओं)	कुल बकाया राशि (रु.) निम्न दिनांक तक	डिमांड नोटिस की तिथि / एनपीए की तिथि
1.	9952315 & 10407650 & TCHIN0374000100166019	सुश्री टीना धवन (उधारकर्ता) तथा सुश्री मनीषा धवन (सह-उधारकर्ता)	05.06.2025 तक देय धनराशि रु. 14,02,528/- (रु. चौदह लाख दो हज़ार पाँच सौ अट्ठाईस मात्र) ऋण खाता 9952315 के तहत तथा आपके द्वारा धनराशि रु. 1,79,413/- (रु. एक लाख उनासी हज़ार चार सौ तेरह मात्र) ऋण खाता 10407650 के तहत देय तथा आपके द्वारा धनराशि रु. 4,20,057/- (रु. चार लाख बीस हज़ार सत्तावन मात्र) आपके ऋण खाता TCHIN0374000100166019 के अंतर्गत देय है यानी कुल मिलाकर रु.20,01,998/- (रु. बीस लाख एक हज़ार नौ सौ अट्ठानवे मात्र)	05-06-2025 / 03-06-2025

सुरक्षित संपत्तियों/अचल संपत्तियों/बंधक संपत्तियों का विवरणः आवासीय घर के सभी टुकड़े और पार्सल पर आवासीय संपत्ति की पूरी तरह से ढकी तीसरी मंजिल (सामान्य छत के अधिकार के साथ) खाता संख्या 1538, खसरा संख्या 233 (केएच) मिन(फसल वर्ष 1422-1427), क्षेत्रफल 75.80 वर्ग मीटर नीचे की भूमि में अविभाजित और अपरिभाषित हिस्सेदारी के साथ, मौजा अधोईवाला, परगना परवादून, जिला, देहरादून (उत्तराखण्ड), बिक्री पत्र में उल्लिखित सभी सामान्य सुविधाओं के साथ। सीमाएँः पूर्वः भूमि दूसरों की, पश्चिमः-दूसरों की भूमि, उत्तरः-20 फूट चौड़ी सड़क, दक्षिणः-अरुण गोयल और अन्य की भूमि।

क्र. सं.	ऋण खाता नम्बर	बाध्यताकारी का नाम/ कानूनी उत्तराधिकारी (एस) कानूनी प्रतिनिधि (ओं)	कुल बकाया राशि (रु.) निम्न दिनांक तक	डिमांड नोटिस की तिथि / एनपीए की तिथि
2.	TCHHL0718000100078900 & TCHIN07180001000082773	श्री मदन कुमार (उधारकर्ता), श्रीमति गुरिया देवी उर्फ गुड़िया (सह-उधारकर्ता)	दिनांक 06/06/2025 को, रु. 8,65,767/- (रु. आठ लाख पैंसठ हजार सात सौ सड़सठ मात्र) की राशि आपके द्वारा ऋण खाता संख्या TCHHL0718000100078900 के अंतर्गत देय है तथा 50,000/- (रु. पचास हजार मात्र) की राशि आपके द्वारा ऋण खाता संख्या TCHIN07180001000082773 के अंतर्गत देय है, अर्थात कुल रु. 9,15,767/- (रु. नौ लाख पंद्रह हजार सात सौ सड़सठ मात्र)	06-06-2025 / 03-06-2025

सुरक्षित संपत्तियों/अचल संपत्तियों/बंधक संपत्तियों का विवरणः आवासीय प्लॉट नंबर 82 का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल, क्षेत्रफल 74.34 वर्ग मीटर (20'X40'), खेत नंबर 289 मिन में शामिल, ग्राम फुलसुंगी, तहसील रूद्रपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखंड), जिसमें बिक्री विलेख के तहत सभी सामान्य सुविधाएं हैं। सीमाएंः पूर्वः रास्ता 6.06 मीटर, पश्चिमः विक्रेता की संपत्ति, उत्तरः विक्रेता की संपत्ति, दक्षिणः विक्रेता की संपत्ति।

संबंधित मांग सूचना दिनांक में विशेष रुप से निदिष्ट दर पर आगामी ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, अदायगी और/या वसूली की तिथि तक उठाया गया आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क इत्यादि. यदिजैसा की ऊपर कहा गया है कथित बाध्यताधारी टीसीएचएफएल को भुगतान नहीं करेंगे तो टीसीएचएफएल खर्च एवं परिणाम के रुप में पूरी तरह से कथित बाध्यताधारीयों/कानूनी वारिसों/कानूनी प्रतिनिधियों के जोखिम पर कथित अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपर्युक्त सुरक्षित आस्तियों / अचल संपत्तियों के लिए कार्यवाही करेगा।

कथित बाध्यताधारी/कानूनी वारिस/कानूनी प्रतिनिधि टीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना उपर्युक्त सुरक्षित आस्तियों/अचल संपत्तियो को बिक्री, पट्टा या अन्य किसी भी रुप में हस्तांतरित करने के लिए कथित अधिनियम के अधीन प्रतिबंधित हैं.अधिनियम के प्रावधानों या उसके अधीन बने नियमों का उल्लंघन या उल्लंघन करने के लिए उकसाने वाला व्यक्ति अधिनियम के अंतर्गत यथा विहित सजा और/या दंड का पात्र होगा।

दिनांकः 14.6.2025 — **एसडी/-अधिकृत अधिकारी**
स्थानः देहरादून — **टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड।**

कैंचीधाम में सुरक्षे के पुख्ता इंतज़ामः आइजी

हल्द्वानी। उत्तराखंड के प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल कैंची धाम में कल 15 जून को आयोजित होने वाले वार्षिक मेले को लेकर प्रशासन और पुलिस द्वारा अभूतपूर्व तैयारियां की गई हैं। इस बार श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं को पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ किया गया है। कुमायूं रेंज की पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल ने मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश जारी किए। इस वर्ष पहली बार आतंकवाद-निरोधक दस्ता और सशस्त्र सीमा बल को मेले की सुरक्षा में लगाया गया है। साथ ही पिथौरागढ़, चंपावत और बागेश्वर जनपदों के पुलिस अधीक्षकों, 3 कंपनी पीएसी और लगभग 800 पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है। कैंची धाम में एटीएस की विशेष टीम को पहली बार तैनात किया गया है। यह टीम संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखेगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करेगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कार से ब्लैक फिल्म हटाई, पर्यटक का चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। राजस्थान से आए पर्यटकों को कार के शीशों पर काली फिल्म लगाना महंगा पड़ गया। पुलिस ने काली फिल्म हटाकर वाहन स्वामी पर चालानी कार्रवाई की। जयपुर निवासी राजेश कुमार स्कॉर्पियो से नैनीताल घूमने आए थे।

नियत दिनांक 21.06.2025

समक्ष न्यायालय श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब विकासनगर, जिला देहरादून

मूल वाद संख्या-157 वर्ष 2024

श्रीमती राजेश्वरी पत्नी श्री राज बहादूर निवासी-परवल उमेदपुर देहरादून केयर ऑफ-रशमी बहुखण्डी निगम रोड अटकफार्म सेलाकुई थाना सेलाकुई जिला देहरादून। ...**वादिनी**

बनाम

श्री राज बहादुर पुत्र श्री मंगल बहादुर गुरूंग निवासी-मकान नं0-170 परवल, पो0ओ0 उम्मेदपुर जिला देहरादून। ....**प्रतिवादी**

आप प्रतिवादी को अवगत कराना है कि वादिनी ने आपके विरूद्ध अं0धारा 13 व 26 हिन्दू विवाह अधि0 1955 का वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए सम्मन दिया जाता है कि आप न्यायालय में स्वयं या किसी प्लीडर/अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसके सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त वर्णित तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं हुये तो वाद की सुनवाई और उसका निप्टारा आपकी अनुपस्थिति में अग्रसारित कर दिया जायेगा। यह कि आज दिनांक 26.05.25 को मेरे हस्ताक्षर से व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

प्रबन्धक
प्रस्तोता / प्रबन्धक
पारिवारिक न्यायालय
कुटुम्ब न्यायालय
विकासनगर, देहरादून।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् रूद्रप्रयाग

email id:- npprudraprayag6@gmail.com , Tel. 879104169

पत्रॉकः 406/निविदा आ0 सूचना/2025-26 — दिनॉक 13/06/2025

निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग द्वारा राज्य वित्त/15वें वित्त/पालिका निधि के अर्न्तगत प्राप्त होने वाली धनराशि से वर्ष 2025-26 के लिए नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग के पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित आवश्यकता के मध्यनजर निर्माण कार्यों हेतु दो लिफाफा प्रणाली के अन्तर्गत मोहरबन्द निविदाएं कार्यालय नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग मे दिनांक 01/07/2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो कि उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के सम्मुख सांय 3.00 बजे खोले जायेगें। निविदा प्रपत्र निविदा मूल्य + जीएसटी जमा करके कार्यालय दिवस में दिनांक 27/06/2025 को प्राप्तः 10:00 बजे से सांय 03:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा कार्य एवं निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है एवं किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय मे देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा या सभी निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति मे निहित होगा। सूचना को जनपद की बेबसाइट http://rudraprayag.nic.in मे भी देखी जा सकती हैं।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राकलन धनराशि (लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड 06 श्री सुशील ड्यूडी के घर से श्री राकेश नौटियाल के घर तक नाली और रेंलिग पर मरम्मत और निर्माण कार्य।	9.75 लाख	30,000	1000+GST	04 माह
2	वार्ड 06 में रूद्रा कॉम्पलेक्स के पास की दुकानों का मरम्मत और निर्माण कार्य।	18.66 लाख	56,000	1500+GST	04 माह
3	वार्ड 01 में श्री सतीश बिष्ट घर के समीप प्रसूति गृह (मैटरनिटी होम) पर मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	4.79 लाख	15,000	500+GST	04 माह
4.	वार्ड 06 में श्रीमती आशा देवी के घर से श्री अवदेश भाह के घर तक फुटपाथ और नाली का मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	11.85 लाख	36,000	1500+GST	04 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

एयर इंडिया विमान हादसे के मृतकों को टीम इंडिया ने दी श्रद्धांजलि

● मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे

कैंट, वार्ता। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम ने एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और एक मिनट का मौन भी रखा। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या-एएल171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। एयर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर 13:38 बजे टेकआफ हुआ था। एयर इंडिया के मुताबिक बोइंग 787-8 माडल के इस विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिकों समेत ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के नागरिक शामिल थे। इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। बाकी हताहत लोग विमान के क्रैश होते समय मेघाणीनगर में घटनास्थल पर मौजूद थे। इस हादसे पर क्रिकेट समुदाय ने भी दुख व्यक्त किया था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पूर्व शुक्रवार से भारत ए के खिलाफ इंट्रा स्क्वाड मैच खेल रही है। मुकाबला शुरू होने से पहले टीम के खिलाड़ियों और सदस्यों ने अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बेकेनहैम में हो रहे इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य काली पटी बांधकर उतरे। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि और पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता के प्रतीक के रूप में आज एक मिनट का मौन भी रखा गया। भारतीय टीम 20 जून से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले भारत ए के खिलाफ इंट्रा स्क्वाड मैच खेल रही है। इस दौरान जहां टीम की कोशिश तैयारियों को अंतिम रूप देने पर रहेगी।

एंडरसन 11 साल बाद टी-20 के लिए मैदान पर

लंदन, वार्ता। लंकाशायर टी-20 कप्तान कीटन जेनिंग्स ने कहा कि काउंटी खेल के सबसे छोटे प्रारूप में जेम्स एंडरसन के कौशल का इस्तेमाल करना अद्‌भुत है।

एंडरसन ने लंकाशायर के लिए पिछले तीन टी-20 मैच खेले हैं। 2014 के बाद से वह पहली बार टी-20 क्रिकेट खेल रहे हैं। 42 वर्षीय एंडरसन ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 704 टेस्ट विकेट लिए है। जेनिंग्स ने बीबीसी रेडियो लंकाशायर से कहा कि जब आपके पास ड्रेसिंग रूम में ऐसा कोई खिलाड़ी हो, तो उसके दिमाग और उसकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल न करना बहुत मूर्खतापूर्ण है। उनका साथ होना अद्‌भुत है। प्रत्येक मैच में एंडरसन ने पावरप्ले में तीन ओवर फेंके हैं, जो कि पावरप्ले में बदलाव करने की आधुनिक रणनीति के विपरीत है।

मार्को जेनसन में सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बनने की सभी खूबियां: रिकी पोटिंग

● मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है और उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है

लंदन, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है और वह भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आलराउंडर बन सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोंटिंग ने जेनसन की खूबियों को नजदीक से देखा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग ने कहा कि मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है। उन्होंने प्रोटियाज के लिए शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, कैगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक शानदार तेज गें. दबाजी जोड़ी बनाई, जिसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया। रबाडा ने लॉर्ड्स में एक और पांच विकेट लेकर अधिक तारीफ बटोरी, लेकिन जेनसन की गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली रही। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 14 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए और उनके विकेटों में मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड शामिल थे। दूसरे दिन फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के कारण उनका दिन खराब हो गया था, हालांकि इसके तुरंत बाद गेंदबा. जी क्रीज पर वापस आकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे बेखौफ हैं और मार्नस लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर दिया। जेनसन अभी सिर्फ 25 साल के हैं। 2025 के आईपीएल में जेनसन ने पंजाब किंग्स के साथ अपना खेल दिखाया, लगातार सफल विकेट लिए और कभी-कभी महत्वपूर्ण रन भी बनाए। भारत में उनके घरेलू अभियान ने क्रिकेट के दिग्गज रिकी पोंटिंग को ऑलराउंडर के बारे में करीब से जानने का मौका दिया और पोंटिंग को इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की शानदार प्रतिभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन के बाद उन्होंने आईसीसी डिजिटल से कहा कि वह काफी शांत स्वभाव के हैं। कुछ भी उन्हें बहुत प्रभावित नहीं करता। चाहे उनका दिन अच्छा रहा हो या बुरा, वह हमेशा एक जैसे ही रहते हैं। जिस तरह से वह खेल के बारे में सोचते हैं या जिस तरह से वह ड्रेसिंग रूम में रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अधिकांश दक्षिण अफ्रीकियों की तरह, आप देख सकते हैं कि उनके अंदर एक बेहद प्रतिस्पर्धी भावना है और एक बार जब वह मैदान पर उतरते हैं, तो खेल शुरू हो जाता है। जेनसन ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच से पहले आईसीसी डिजिटल से कहा कि मैंने उनसे (पोंटिंग) से बहुत कुछ सीखा है। खास तौर पर मानसिक दृष्टिकोण से। वह हमेशा सकारात्मक रहते है, वह हमेशा बुरी चीजों के बजाय अच्छी चीजों को देखने की को. शिश करते है। मुझे लगता है कि यही कारण है कि वह खेल का एक दिग्गज है। पोंटिंग को उम्मीद है कि जेनसन अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में अपने खेल को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

इंदौर, जयपुर में व्हाइट बॉल सीरीज खेलेगी न्यूजीलैंड

● टी-20 विश्वकप से पहले भारत से 8 मैच, हैदराबाद, गुवाहाटी में भी होंगे मुकाबले

नई दिल्ली, वार्ता। न्यूजीलैंड और भारत के बीच अगले साल 8 व्हाइट बाल मैचों के वेन्यू शार्टलिस्ट हुए हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट मुताबिक, जयपुर, इंदौर, मोहाली, राजकोट, गुवाहाटी, हैदराबाद, त्रिवेंद्रम और नागुपर शार्टलिस्ट हुए वेन्यू में शामिल हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगले साल जनवरी में टी-20 वर्ल्ड कप से पहले सीरीज खेली जानी है। 8 टाप वेन्यूज के अलावा भी कुछ मैदानों को रेस में रखा गया है। 3 वनडे और 5 टी-20 होंगे टीम इंडिया अगले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज खेलेगी। सीरीज भारत के बिजी कैलेंडर का हिस्सा है, जिसमें टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में व्हाइट बाल सीरीज और साउथ अफ्रीका से तीनों फार्मेट की सीरीज खेलनी है। इंदौर के होलकर स्टेडियम को भी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए शार्टलिस्ट किया गया है। 14 जून को तय होंगे वेन्यू बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल की मीटिंग 14 जून को शाम 4 बजे से आनलाइन होगी। मीटिंग में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के वेन्यू फाइनल होंगे। इसी मीटिंग में आईपीएल विक्ट्री सेलिब्रेशन को लेकर गाइडलाइन भी लागू की जाएगी। साथ ही घरेलू क्रिकेट का शेडयूल और उम्र वेरिफिकेशन के लिए नई प्रोसेस भी लागू होगी। वेस्टइंडीज टेस्ट से शुरू होगा होम कैलेंडर टीम इंडिया फिलहाल इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने गई है। वहां से लौटने के बाद टीम को बांग्लादेश में सीरीज और एशिया कप खेलना है। इसके बाद अक्टूबर में टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद और नई दिल्ली में 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। टीम इंडिया फिर ऑस्ट्रेलिया में 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज खेलने जाएगी। मुकाबले 19 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। टीम फिर घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट, 3 वनडे और 4 टी-20 खेलेगी। न्यूजीलैंड सीरीज के बाद फरवरी में वर्ल्ड कप न्यूजीलैंड के खिलाफ 8 व्हाइट बाल मैचों के बाद फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका को मिली है।

बिग बैश में सिक्सर्स के लिए खेलेंगे बाबर

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आज़म को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है जिसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर ज़ालमी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ़ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना एक रोमांचक अवसर है। सिक्सर्स 2024-25 सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन प्ले-ऑफ़ में लगातार हार का सामना करना पड़ा।

हमारे पास जीतने का शानदार मौका है: डेविड बेडिंघम

लंदन, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम का मानना है कि उनके पास लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीतने का शानदार मौका है। उन्होने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गुरुवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका इतिहास रचने के करीब है और टीम चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 218 रनों की बढ़त बना ली है और उसके पास सिर्फ दो विकेट बचे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 74 रनों की बढ़त के साथ शुरू की थी, लेकिन लुंगी एनगिडी (3/35) और कैगिसो रबाडा (3/44) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत टीम के सात बल्लेबाज स्कोर में मात्र 73 रन जोड़ सके। एलेक्स कैरी की शानदार 43 रनों की पारी ने टीम को संभाला जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 144 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी की तुलना में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहली पारी में दूसरे दिन सुबह 43 रन पर चार विकेट से आगे खेलते हुये पूरी टीम 138 रन पर सिमट गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने छह विकेट लिए, जिसमें उनके टेस्ट करियर का 300वां विकेट भी शामिल है।

नीदरलैंड ने हासिल किया वनडे इतिहास का तीसरा बड़ा रन चेज

● 369 के जवाब में नीदरलैंड ने चार गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट पर 374 रन बनाकर मैच जीता

नई दिल्ली, वार्ता। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ डोड की नाबाद 158 रनों की पारी के दम पर नीदरलैंड्स ने आईसीसी विश्व कप लीग टू 2023-27 के मुकाबले में स्काटलैंड को चार विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। स्काटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जार्ज मुंसे के 191 रनों की पारी की मदद से 50 ओवर में छह विकेट पर 369 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड ने चार गेंद शेष रहते हुए छह विकेट पर 374 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

यह वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। वनडे में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है जिसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 438 रन बनाए थे। इस सूची में दूसरे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका ही है। अब इस लिस्ट में नीदरलैंड का नाम भी जुड़ गया है और उसने भारत और इंग्लैंड जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। स्काटलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। स्काटलैंड के लिए मुंसे ने 150 गेंदों पर 14 चौकों और 11 छक्कों की मदद से 191 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान मैथ्यू क्रास ने 59 रन बनाए। स्काटलैंड ने इस तरह नीदरलैंड्स के सामने बड़ा लक्ष्य रखा। जवाब में नीदरलैंड के लिए ओ डोड 130 गेंदों पर 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 158 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह नीदरलैंड की इस प्रारूप में सबसे बड़ी जीत है। ओ डोड के अलावा तेजा निदामानुरु ने 51 और नोह क्रोएस 50 ने रनों का योगदान दिया।

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड से भारत लौटे

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड से भारत लौट आए हैं। गंभीर फैमिली इमरजेंसी के कारण इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। भारतीय टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर है। टीम को वहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। गंभीर टीम के बाकी खिलाड़ियों के साथ 6 जून को इंग्लैंड रवाना हुए थे। लीड्स में 20 जून को खेला जाएगा पहला टेस्ट भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा, जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। ऐसे में टीम की नजर सीरीज जीतने पर होगी। इंग्लैंड दौरे के लिए 18 मेंबर्स वाली भारतीय टीम शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, ऋषभ पंत (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, शार्दूल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

मेहंदी हसन मिराज बांग्लादेश के वनडे कप्तान नियुक्त

ढाका, वार्ता। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। 27 वर्षीय मिराज अगले 12 महीनों तक टीम की कमान संभालेंगे।

मिराज ने नजमुल हुसैन शांतो की जगह ली है और वह अगले महीने श्रीलंका में बांग्लादेश की आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद मेहदी हसन मिराज ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताई। मिराज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार वनडे मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। 105 वनडे मैचों में 1617 रन और 110 विकेट के साथ, मिराज वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में वनडे ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन के साथ बांग्लादेशी क्रिकेटरों के एक विशेष समूह का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए हैं। इससे पहले, ऑलराउंडर को अगले महीने श्रीलंका में होने वाले अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम में उप-कप्तान के रूप में नामित किया गया था। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्णय के पीछे ऑलराउंडर की निरंतरता की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा कि मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं। उनके प्रदर्शन, नेतृत्व के गुण और समग्र परिपक्वता उन्हें हमारी वनडे टीम का मार्गदर्शन करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाती है। अबेदीन ने कहा कि हम शांतो द्वारा अपनी कप्तानी के दौरान दिखाई गई सकारात्मकता और चरित्र के लिए आभारी हैं। वह हमारे नेतृत्व समूह का एक अभिन्न अंग और बल्लेबाजी इकाई में एक प्रमुख व्यक्ति बने हुए हैं।

मिशेल स्टार्क ने दिखाया दम ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन

● ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रना का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया

लंदन, वार्ता। मिशेल स्टार्क (58 नाबाद) और जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की महत्वपूर्ण साझीदारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी 207 रन पर समाप्त की और पहली पारी की लीड को जोड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। लार्डस की पिच पर आज सुबह आठ विकेट पर 144 रन से आगे खेलने मैदान पर उतरे स्टार्क और नाथन लियोन की जोड़ी को कैगिसो रबाडा ने जल्द ही तोड़ दिया जब लियोन अपने दो रन के निजी स्कोर पर पगबा. धा करार दिये गए। उस समय लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी जल्द ही सिमट जायेगी मगर नये बल्लेबाज हेजलवुड के साथ स्टार्क ने मैदान पर रंग जमाया और दोनो ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का संयम से सामना करते हुये टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया। भोजनावकाश से ठीक पहले हेजलवुड एडन मारक्रम का शिकार बन गए। पवेलियन में अविजित लौटे स्टार्क ने अपनी अर्द्धशतकीय नाबाद पारी में 136 गेंदो का सामना किया और पांच बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रबाडा ने सर्वाधिक चार विकेट चटकाये। पहली बार टेस्ट चैंपियन बनने के लिए दक्षिण अफ्रीका को अब 282 रनो के लक्ष्य को भेदना होगा।

कौर ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में जीता कांस्य पदक

म्यूनिख, वार्ता। भारत की राइफल शूटर सिफ्ट कौर समरा ने आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों में एक और इजाफा किया। 23 वर्षीय शूटर ने इससे पहले 2022 एशियाई खेलों में विश्व रिकॉर्ड के साथ इतिहास रचा था। उन्होने फाइनल के दौरान दृढ़ता का परिचय दिया और 453-1 अंक हासिल कर आठ महिलाओं के बीच उच्च दबाव वाले मुकाबले में तीसरा स्थान हासिल किया। नीलिंग और प्रोन राउंड के बाद लीडरबोर्ड के बीच में होने के बावजूद, समरा ने स्टैंडिंग सीरीज़ में जबरदस्त धैर्य और निरंतरता दिखाई। अच्छी तरह से समयबद्ध 10 की उनकी श्रृंखला ने उन्हें रैंकिंग में ऊपर पहुंचा दिया।4 वे स्विट्जरलैंड की रजत पदक विजेता एमिली जैगी (464-8) से केवल 0-9 अंक पीछे रहीं। नॉर्वे की दो बार की ओलंपियन जीनेट हेग ड्यूस्टैड ने स्वर्ण पदक जीता, जिन्होंने 466-9 का शानदार स्कोर बनाया। इस साल विश्व कप प्रतियोगिता में यह समरा का दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने ब्यूनस आयर्स में इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था और पिछले साल म्यूनिख में भी कांस्य पदक जीता था। इससे पहले क्वालीफिकेशन राउंड में समरा 592 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही थीं। साथी भारतीय आशी चौकसे (589) और अंजुम (586) क्रमश: 11वें और 27वें स्थान पर रहीं और फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहीं।

कमिंस 300 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों के क्लब में शामिल

लार्डस, वार्ता। क्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल मैच के दूसरे दिन छह विकेट झटक कर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपना नाम करियर में 300 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों की फेहरिस्त में शामिल कर लिया। कमिंस ने 18-1 ओवरों में 28 रन देकर छह दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को पवेलियन पहुंचाया विकेट चटकाए। कमिंस टेस्ट में 300 विकेट हासिल करने वाले 40वें गेंदबाज़ हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए यह कारनामा करने वाले वह आठवें गेंदबाज़ हैं। तेज़ गेंदबाज़ों की अगर बात करें तो वह 300 विकेट हासिल करने वाले 30वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज़ हैं। वह गेंदों के लिहाज़ से 300 विकेट तक पहुंचने वाले पांचवें सबसे तेज़ गें. दबाज़ हैं। उन्होंने 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 13,725 गेंदें ली। इस तालि. का में दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा शीर्ष पर है जिन्होने 300 विकेट की उपलब्धि 11817 गेंद खर्च कर हासिल किये थे। कमिंस ने सबसे तेज़ 300 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रूप से 10वां गेंदबाज़ बनते हुए इमरान खान की बराबरी कर ली। दोनों ने 68 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की। कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में इस मैच से पहले कुल 184 विकेट लिए थे। जेसन गिलेस्पी, मिचेल जॉनसन, डेनिस लिली, ब्रेट ली, मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्ग्रा उनसे इस मामले में आगे हैं लेकिन इन में से किसी भी गेंदबाज़ की औसत कमिंस के 18-09 की औसत से बेहतर नहीं है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत

दो गंभीर, लक्सर क्षेत्र में अलग-अगल गांवों में हुआ दर्दनाक हादसा, मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर क्षेत्र में भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने सेदो महिलाओं की मौत हो गई दो गंभीर हैं। यह दो अलग-अलग गांव में हादसे हुए मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं सूचना पर पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं और पुलिस ने उनके शवों को पीएम के लिए भिजवाया है। वही गंभीर घायलों को अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शुक्रवार को सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और भारी बारिश के साथ आसमानी बिजली गिरने से दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। हुसैनपुर गांव में खेत में काम कर रही एक महिला पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान भोली पत्नी पवन के रूप में हुई है जबकि अन्य दो महिला भी घायल हो गई जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्राम प्रधान पति पोपिंदर के मुताबिक इसी खेत में बिजली की चपेट में आने से दो अन्य महिला भी घायल हो गई,

जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा वहीं जैनपुर गांव में भी एक 22 वर्षीय युवक भी बिजली की चपेट में आ गया और उसकी भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हुसैनपुर गांव निवासी एक महिला खेत में काम कर रही थी। तभी तेज गरज और चमक के साथ आसमानी बिजली गिरी और महिला इसकी चपेट

❖शुक्रवार को सुबह-सुबह जनपद में कई जगह भारी बारिश के साथ खूब चमकी आसमानी बिजली, मौसम में राहत

में आ गई। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बिजली की चपेट में आने से घायल अन्य दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन की ओर से नियमानुसार प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उधर जैनपुर गांव में भी 22 वर्षीय शाहबाज पुत्र इरसाद नामक युवक पर बिजली गिरने की जानकारी सामने आई है। युवक भी गांव से सटे खेतों में काम कर रहा था। हालांकि परिजनों ने इस हादसे की सूचना प्रशासन को नहीं दी। दोनों हादसों के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसी प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावित परिवारों को शीघ्र सहायता और सुरक्षा के उपाय उपलब्ध कराए जाएं।

मकान का ताला तोड़कर लाखों की नकदी व सोने चांदी के जेवरात चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। क्षेत्र के रहमतपुर गांव में एक मकान का ताला तोड़कर चोरों ने अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर व लाखों रुपये की नगदी चोरी कर ली है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पिरान कलियर थाना क्षेत्र के रहमतपुर गांव निवासी रोबिन ने तहरीर देकर बताया कि वह 11 जून को वह अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था। वहां से वह लक्सर अपनी रिश्तेदारी में चला गया। घर पर उसके भाई ओर भाभी थे। वह भी 12 जून की सुबह के समय मकान का ताला लगाकर अपनी ड्यूटी पर पतंजली चले गए। जैसे ही वह शाम को अपने घर पर पहुंचा तो देखा मेन गेट का ताला टूटा हुआ है।घर के अंदर जाकर देखा तो अलमारी के भी शीशे टूटे हुए है। ओर बेड में तोडफोड कर रखी है।साथ ही सारा सामान बिखरा पड़ा है। चोरों ने उसके ओर उसकी पत्नी के करीब एक लाख रुपए की नगदी सोने चांदी के जेवर चोरी कर लिए है। उसके कमरे के बराबर उसके भाई पंकज का भी कमरा है। उसके कमरे से भी चोरों ने सोने चांदी के जेवर ओर 54 हजार की नगदी चोरी कर ली है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर

मंगलौर कोतवाली में सर्व समाज के साथ वार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। आगामी कांवड़ मेले की तैयारियों और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज मंगलौर कोतवाली में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंगलौर कोतवाल शांति कुमार के नेतृत्व में की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपनी योजनाओं को साझा किया। जल भराव की स्थिति से निपटने और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मेले के दौरान असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाएगी और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय निवासियों से भी अपील की गई

कि वे प्रशासन का सहयोग करें और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में मदद करें। इस दौरान चित्रगुप्त, नवीन चौहान, हेमदत्त भारद्वाज, मोहिद्दीन, चिंटू, मोहित, अंकित, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

कलियर नपं अध्यक्ष ने उत्तरीखण्ड गंगनहर के अधिशासी अभियंता को पत्र देकर

गंगनहर के घाट पर चौकीदार व नहर के आर-पार चेन लगाने की मांग की

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत पिरान कलियर की अध्यक्ष समीना सलीम व चैयरमैन प्रतिनिधि सलीम प्रधान ने उत्तरीखण्ड गंगनहर के अधिशासी अभियंता को पत्र देकर कलियर में आए दिन हो रही जायरीनों के डूबने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कलियर गंगनहर के घाट पर चौकीदार व नहर के आरपार चेन लगाने की मांग की है।

पिरान कलियर में आए दिन गंगनहर के घाट पर स्नान करते समय जायरीनों के डूबने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नगर पंचायत पिरान कलियर की अध्यक्ष समीना सलीम ने उत्तरीखण्ड गंगनहर रुड़की के अधिशासी अभियंता को एक पत्र देकर बताया कि कलियर क्षेत्रान्तर्गत एंव धनौरी नीले पुल के पास के गंगनहर घाटों पर नहाते समय जायरीनों के डूबने की घटना हो रही है। उन्होंने नगर पंचायत के ईओ के साथ मिलकर गंगनहर पिरान कलियर एंव गंगनहर नीला पुल धनौरी का संयुक्त निरीक्षण किया गया है। जिसके बाद उक्त दोनों स्थलों के घाटो पर चौकीदार व नहर के आरपार चेन लगाई जानी आवश्यक है। जिससे गंगनहर के घाट पर स्नान करने वाले जायरीनों को डूबने से बचाया जा सके। उन्होंने पत्र में मांग की

है कि पहले से घाटों में स्थापित की गई लोहे की रैलिंग पर उपर एंव नीचे लोहे का जाल लगाया जाना आवश्यक है। नहर के दोनो घाटों को जोडते हुए एक लोहे के तार को लटकती हुई चौन नहर के आर पर लगाए जाने। ओर नहर के दोनो घाटों व धनौरी नीले पुल के पास दो दो चौकीदारों की तैनाती कराई जाने की मांग की है।ताकि भविष्य में पैर फिसलकर डूबने से होने वाली मृत्यु से सम्बंधित दुर्घटनाओं से आमजन को बचाया जा सकेगा। जनहित के मद्देनजर एंव होने वाली जनहानि से सुरक्षा को लेकर इन कार्यो को कराने की मांग की है।

बीएसएम महाविद्यालय में छात्रों को नशा मुक्ति के लिए दिलाई शपथ

नशा मुक्ति से ही बन सकता है खुशहाल जीवन: गौतम वीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बीएसएम (पीजी) कॉलेज में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम के तहत शिक्षक, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं ने नशीली पदार्थों के सेवन व तस्करी से स्वयं को दूर रखने की शपथ ली। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राजनीति विभाग के डॉक्टर राजेश पालीवाल ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई।

महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर प्रोफेसर गौतम वीर ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति छात्र-छात्राओं को सावधान किया। उन्होंने बताया कि इसके प्रति महाविद्यालय लगातार कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान का लक्ष्य एक नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सके। नोडल अधिकारी डॉक्टर अलका तोमर ने नशीली दवाओं व अवैध तस्करी के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को इस सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, नशा मुक्त व सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।एंटी ड्रग सेल समिति की सदस्य डॉक्टर सुनीता कुमारी ने छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया और उन्हें नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य भी बताया। एंटी ड्रग सेल समिति के सदस्य सुरजीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हम सबका एक ही नारा नशा मुक्त हो जीवन हमारा। कार्यक्रम में महाविद्यालय की डॉक्टर शिखा जैन, डॉक्टर रीमा सिन्हा, डॉक्टर इंदु अरोड़ा, डॉक्टर संदीप पोसवाल, डॉ अर्चना त्यागी, श्री अनूप कुमार शांडिल्य आदि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सौरभ कुमार, अनुज कुमार, समीर, विपिन कुमार, तजम्मुल खान,आंचल, मनीषा, सीमा, कपाली आदि छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दी जमीन, आरोपी गिरफ्तार

रुड़की। थाना भगवानपुर पर 22 फरवरी 2023 को वादी नरेन्द्र कुमार वर्मा पुत्र बेगराम वर्मा निवासी कीर्तिनगर नई दिल्ली हाल निवासी केयर ऑफ बी०आर वर्मा रेड एण्ड हाउस दिल्ली हाईवे लाव्वा मोड के पास सिकन्दरपुर भैंसवाल थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार द्वारा सूचना दी कि सोनू आदि पर धोखाधड़ी कर फर्जी व्यक्ति दिखाकर कूटरचना कर वादी की जमीन को किसी अन्य व्यक्तियों को बेचने के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोग मे मुख्य आरोपी रविन्द्रपाल अरोड़ा पुत्र बरियाम सिह अरोडा निवासी बलजीतनगर थाना पटेलनगर सैन्ट्रल दिल्ली लगातार फरार चल रहा था,जिसको आज दिल्ली से पकड़ा गया पुलिस टीम में अपर उप निरीक्षक हुकम सिह,का0 संजीव यादव,का0उबैद उल्ला शामिल रहे।

21 जून को नेहरू स्टेडियम में होगा योग दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 21 जून विश्व योग दिवस के 11वें वर्ष के उपलक्ष में पतंजलि योग पीठ, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति की योग शिविर जो नेहरू स्टेडियम में होना है को भव्य रुप में आयोजित करने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया।

समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष हर्ष प्रकाश काला ने कहा किविश्व योग दिवस पर लोगों को निरोगी बनाने के लिए 21जून को 5 बजे नेहरू स्टेडियम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर हुक्म सिंह बिष्ट, योगम्बर सिंह रौथाण, ललन प्रसाद यादव, सुन्दर सिंह कार्की, आनन्द प्रकाश धीमान,नरेश कुमार, कविता रावत, मास्टर दिवेश रावत,पुष्पा ऐठानी, अनिल कुमार शर्मा, दिगम्बर सिंह नेगी आदि उपस्थित रहे।श्री काला जी ने कहा कि अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति के अन्तर्गत आने वाली सभी कालोनियों की महिलाओं के लिए सुबह 4.30 बजे बस शिब चौक बुचड़ी फाटक से नेहरू स्टेडियम के लिए प्रस्थान करेगी सभी 4.30 बजे तक शिव चौक पर पहुंचने का कष्ट करें। जिससे समय पर पहुंचकर स्थान सुरक्षित किया जा सके।

गंगनहर में डूबकर लापता पिता-पुत्र का शव बरामद

आसफनगर झाल से मिले शव, बच्ची की तलाश जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। तीन दिन पहले कलियर-धनौरी गंगनहर में डूबकर लापता हुए पिता-पुत्र का शव आसफनगर झाल से बरामद हुआ है। बच्ची की तलाश की जा रही है।

यूपी के जिला रामपुर थाना सिविल लाइन मोहल्ला पंजाब नगर निवासी मेहंदी हसन (40) उनका बेटा तौफीक (15) बेटी तुबा (10) मंगलवार को कलियर घूमने के लिए आए हुए थे। वह किराए के कमरे में रह रहे थे। बुधवार को वह धनौरी बावन दर्रा घूमने के लिए गए थे। वहां से लौटते समय गंगनहर में पैर डालकर बैठ गए। इसी दौरान बेटे तौफीक का अचानक पैर फिसल गया वह गंगनहर के तेज बहाव में बहने लगा। बेटे को बचाने के लिए पिता भी नहर में कूद गए। पिता भी लापता हो गए। इसके बाद बेटी तुबा का संतुलन बिगड़ने से वह भी गंगनहर में गिर गई। तीनों लापता हो गए थे। एसओ रविंद्र कुमार ने बताया कि गंगनहर में डूबकर लापता मेहंदी हसन और उसके पुत्र तौफीक का शव मंगलौर आसफनगर झाल से बरामद हुआ है।

संपत्ति हड़पने को मेरा भाई कर सकता है मेरी व माता की हत्या : रवि

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। कसबा निवासी रवि सरवलिया ने बताया कि मेरे भाई प्रवीण कुमार से मेरी व मेरी मां की जान को खतरा बना हुआ है वह कभी भी हमारी संपत्ति हड़पने के लिए हम दोनों मां बेटे की हत्या कर सकता है। रवि ने कहा प्रवीण कुमार द्वारा मुझे गोली मारी गई थी जिससे मैं जिंदगी भर के लिए दिव्यांग हो गया और हमेशा के लिए व्हीलचेयर पर आश्रित हो गया जिसमे प्रवीण कुमार जेल में भी रहा है। प्रवीण मेरी संपत्ति और पैसे लेना चाहता है मेरी आजीविका साधन पिताजी द्वारा दी गई साइकिल की दुकान

है प्रवीण उस दुकान को बेचने की फिराक में है। उसने कहा मैं जिस घर में पलकर बड़ा हुआ हूं उस घर मैं ही रहूंगा। प्रवीण कुमार द्वारा दीगई धमकी की रिकॉर्डिंग मेरे पास है प्रवीण मुझे लक्सर बुलाने की कोशिश कर रहा है उसने कहा मेरे व मेरी मां के साथ कोई घटना घटित होती है तो उसकी जिम्मेदारी मेरे भाई प्रवीण कुमार की होगी।

चाय पीने गया चालक, वाहन उड़ा ले गए चोर

रूडकी। रुड़की तिराहे के पास खड़ा टूरिस्टर वाहन चोरी हो गया। वाहन स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लक्सर निवासी यशवंत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पास एक 15 सीटर टूरिस्टर वाहन है। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे चालक ने वाहन को नगर में रुड़की तिराहे के निकट खड़ा किया था। इसके बाद चालक चाय पीने के लिए चला गया। इसी बीच किसी ने उनका वाहन चोरी कर लिया। चाय पीकर चालक लौटा तो वाहन मौके पर नहीं था। इसपर चालक ने उन्हें जानकारी दी। तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर राजीव रौथाण ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चलती कार का टायर फटा, चार कारें आपस में भिड़ीं

शाह टाइम्स संवाददाता

नारसन। नारसन कस्बे में चलती कार का टायर फटने से पीछे आ रही तीन अन्य कारें आपस में टकरा गईं। दुर्घटना में कार में सवार एक बच्चे सहित छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना शुक्रवार सुबह नारसन कस्बे में फुटओवर ब्रिज के पास हुई। अशोक विहार दिल्ली निवासी मोहित राघव अपने परिवार के सदस्यों मुस्कान, सुधीर, सिमा व वरदान के साथ कार से धनोल्टी जा रहे थे। जैसे ही वे नारसन कस्बे में फुट ओवरब्रिज से आगे निकले तो अचानक से दाईं तरफ का टायर फट गया। चालक नियंत्रण खो बैठा और बीच हाईवे पर तेजी से ब्रेक लगा दिया। इसी दौरान ठीक पीछे चल रही तीन कारें एक-एक करके एक-दूसरे से जा भिड़ीं। कारों में सवार लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आईं। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया। अन्य तीन कारों में ये लोग थे सवार-अन्य तीन कारों में द्वारिका दिल्ली निवासी जीवन, प्रीति, अंजलि, प्रशांत को हल्की चोट, वैदिक बच्चे के सिर में चोटें आई हैं। ये लोग दिल्ली से ऋषिकेश जा रहे थे। वहीं दूसरी कार में सवार जहांगीरपुरी दिल्ली के विकास व खुशबू हरिद्वार जा रहे थे। इन्हें चोट नहीं आई है। इसके अलावा एक अन्य कार में सवार मथुरा मोतीकुंज निवासी रवि, यादराम, स्वतरी देवी, प्रेम सिंह व ब्रजलता को हल्की फुल्की चोट आई हैं। ये मथुरा से हरिद्वार जा रहे थे।

अवैध खनन को लेकर जिलाधिकारी गंभीर, जिलेभर में सख्ती से निपटने के आदेश

बंजारेवाला व लक्सर क्षेत्र में कई स्टोन क्रेशर सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर/लक्सर। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कुर्सी संभालते ही अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए अपने अधीनस्थों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी हाल में अवैध खनन होने दिया जाए। इस पर अमल करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों ने भी लगातार खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू कर दी है। शुक्रवार को लक्सर क्षेत्र व भगवानपुरके बंजारे वाला क्षेत्र मेंकई स्टोन क्रूसो पर छापे मार कार्रवाई की जिसमें अनियमित पाए जाने पर कई स्टोन क्रशरों पर सील लगा दी गई तो एक के खिलाफ मुकदमा में दर्ज कराया गया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्टोन क्रेशर द्वारा नियम विरुद्ध कार्य करने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए विगत दिवस देर सायं खनन विभाग को छापेमारी करने के निर्देश दिये। छापेमारी में पूर्व में सील किया गया एक स्टोन क्रेशर चलता पाया गया। इस पर क्रेशर स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दो क्रेशरों पर अनियमितता मिलने पर सील किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि जनपद में अवैध खनन,भण्डारण के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जायेगी तथा अवैध खनन भण्डारण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि अवैध खनन के विरूद्ध छापेमारी अभियान चलता रहेगा। सरकार को राजस्व की हानि पहुंचने वालों के विरूद्ध जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सख्ती से कार्यवाही कर रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गुरूवार की देर रात्रि में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान हिमगंगे स्टोन क्रेशर जो कि पूर्व में सील किया गया था,क्रेशर सीलिंग के बावजूद चलाया जा रहा था। जिस पर क्रेशर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। गंगोत्री स्टोन क्रेशर तथा नारायण स्टोन क्रेशर में उप खनिज की मात्रा तथा अभिलेखों में दर्ज उपखनिज की मात्रा में भिन्नता तथा अन्य अनियमितताएं पाए जाने पर दोनों को सील किया गया है। जिलाधिकारी ने

बताया कि जनपद में अवैध खनन,भण्डारण के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जायेगी तथा अवैध खनन भण्डारण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि अवैध खनन के विरूद्ध छापेमारी अभियान चलता रहेगा तथा सरकार को राजस्व की हानि पहुंचने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जायेगी। टीम में नायब तहसीलदार प्रताप सिंह,कानूनगो रमेश चंद्र तथा खनन विभाग के अधिकारी तथा चौकी इंचार्ज सुल्तानपुर शामिल थे। जिला खनन अधिकारी मौहम्मद काजिम ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में खनन विभाग की टीम द्वारा तहसील हरिद्वार के बंजारावाला में अमित स्टोन क्रेशर द्वारा अवैध खनन की सूचना पर टीम द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान स्टोन क्रेशर में अवैध खनन पाये जाने पर स्टोन क्रेशर को सीज करते हुए अवैध खनन की पैमाईश करते हुए नियमानुसार कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। खनन विभाग की ओर से छापेमारी में सर्वेक्षक विवेक कुमार,सहायक खनिज पर्यवेक्षक संदीप शामिल थे।

दून एक्सप्रेस से कटकर ग्रामीण की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। रायसी रेलवे स्टेशन पर दून एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर एक ग्रामीण की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची। मृतक के परिजन को सूचना देने के बाद उनकी मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुरादाबाद-सहारनपुर रेलखंड पर रायसी रेलवे स्टेशन पर बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे एक व्यक्ति हावड़ा - देहरादून दून एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन से कटकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर जीआरपी थानाध्यक्ष संजय शर्मा मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान कन्नौज (41) निवासी ग्राम रायसी के रूप में हुई है। उसके परिजन को जानकारी दी गई। हादसे की जानकारी मिलने पर उसके परिजन भी मौके पर आ गए।

सम्पादकीय

शनिवार, 14 जून 2025

शांति की पहल को धक्का

आखिर वही हुआ जिसकी आशंका काफी समय से व्यक्त की जा रही थी। ईरान को किसी भी हाल में परमाणु न बनाने देने की अपनी मुहिम के चलते इजरायल ने शुक्रवार की सुबह ईरान पर 200 फाइटर जेटों के साथ धावा बोल दिया। इस हमले में ईरान के सेना प्रमुख स्पेशल फॉर्स के चीफ दो बड़े परमाणु वैज्ञानिक समेत पांच बड़े अफसर मारे गए। हमले के बाद भी इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वही अपनी पुरानी बात दोहराई और कहा कि ईरान परमाणु बम तैयार करने वाला था इस पर हमला किया गया।

इजरायली सेना ने यह भी दावा किया कि इरान के पास 15 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम है। जाहिर है जिस तरह ईरान के सेना प्रमुख व वैज्ञानिक मारे गए, जाहिर है उसके निशाने पर न्यूक्लियर प्लांट्स और बड़े मिल्ट्री अफसरों के रेजिडेंशियल कॉम्पलैक्स थे। इजरायल अपने इन हमलों को बेहद सफल बता रहा है और दावा कर रहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब काफी पीछे धकेल दिया गया है। यूं तो ईरान ने भी पलटवार किया और सौ विस्फोटक ड्रोनों से इजरायल पर हमला बोला, लेकिन इजरायल का दावा है कि उसने अपने मजबूत डिफेंस के चलते इन हमलों को नाकाम कर दिया। जैसाकि हमने पहले ही कहा कि इन हमलों की पहले से ही आशंका थी, लेकिन हाल-फिल्हाल ऐसा नहीं लग रहा था, उसका कारण भी था, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के साथ चल रही न्यूक्लियर वार्ता को लेकर काफी आशान्वित दिखाई दे रहे थे। ऐसी भी खबरें आ रही थीं कि इजरायल तो ईरान पर हमला करने के लिए हर समय तैयार है लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति उसे ऐसा न करने के लिए मना कर रहे हैं। इसलिए ऐसा मानने के लिए अच्छे भले कारण हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को वार्ता की गफलत में डालकर इजरायल से हमला करवा दिया। थोड़ी सी नानुकुर के बाद अब तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया कि इजरायल ने जो ईरान पर हमला किया है उसे उसकी पूरी तरह जानकारी थी। इतना ही नहीं उन्होंने ईरान को चेतावनीभरे अंदाज में कहा भी कि अगर वह कठोर कार्रवाई से बचना चाहता है, तो वह अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए जितनी जल्दी तैयार हो जाए वह उसके लिए बेहतर है। जहां तक बात ईरान की है, ईरान जरा भी पीछे हटने के संकेत नहीं दे रहा है और उसने साफ कर दिया है कि वह इजरायल के साथ युद्ध में अब किसी भी सीमा तक जाएगा और इजरायल पर हुए हमले का पूरी ताकत से जवाब देगा। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भारत के पीएम मोदी से फोन पर बात भी की है। मोदी जी ने स्वयं अपने एक्स पर कहा है कि भारत ने ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव को लेकर चिंता व्यक्त की है और मतभेदों को वार्ता के जरिये सुलझाने की सलाह दी है। अभी यह कहना मुश्किल है कि यहां से बिगड़ी स्थिति किधर जाएगी, लेकिन इतना तो कहना ही पड़ेगा कि दिन-प्रतिदिन हालात अब बिगड़ते जा रहे हैं और कहीं से भी शांति की पहल होती दिखाई नहीं दे रही है। अगर ईरान बड़ा हमला इजरायल पर करता है तो निश्चित रूप से स्थिति काफी भयावह हो सकती है।

दोहरे मानदंडों का खतरनाक प्रदर्शन

जहां तक उन्हें पता है, ईरान ने इजरायल को हमला करने के लिए कोई उकसावे की कार्रवाई नहीं की है, इजरायल ने इसे पूर्व प्रतिरोधी हमला बताते हुए एक देश के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया, यह दोहरे मानदंडों का खतरनाक प्रदर्शन है, अगर वैश्विक शक्तियां इस पर चुप रहती हैं, तो वास्तव में यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा, इजरायल ने जो किया है, वह रूस द्वारा यूक्रेन के साथ किए गए कार्यों के समान है, आप रूस के खिलाफ आवाज उठाते हैं, अभियान शुरू करते हैं, लेकिन जब इजरायल ईरान पर हमला करता है, तो अमेरिका, यूरोप और अन्य चुप रहते हैं, अगर एक देश का दूसरे पर हमला करना गलत है, तो ये तब भी गलत होना चाहिए, जब इजरायल ईरान पर हमला करता है।

-उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

रक्त की हर बूंद में छिपी होती है किसी घर की मुस्कान

योगेश कुमार गोयल

रक्तदान को पूरी दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है।

दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं किन्तु अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थाई ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक रूप से सफाई होती है और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लड़ने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है।

जीवनदाई रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा 'रक्तदान दिवस' मनाया गया था, तभी से यह दिन 'रक्तदान' के नाम कर दिया गया। विश्व रक्तदान दिवस की शुरुआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। हमारे शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और यदि हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है जबकि प्लेटलेट्स केवल 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं। रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें। जब भी रक्तदान करें, उससे कुछ समय पहले और कुछ समय बाद तक पर्याप्त पानी पीएं, भोजन में हरी सब्जियां तथा आयरन व विटामिन से भरपूर पौष्टिक आहार लें लेकिन रक्तदान से पहले जंक फूड, अधिक वसायुक्त भोजन के अलावा धूम्रपान, मद्यपान इत्यादि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करने से बचें। शराब पीते हैं तो 2-3 दिन पहले शराब का सेवन बंद कर दें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है किन्तु सिर्फ 75 लाख यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। देश की कुल आबादी के लिहाज से देखें और यह मानकर चलें कि एक व्यक्ति साल में केवल एक बार ही रक्तदान करता है तो भी इसका अर्थ है कि महज आधा फीसदी लोग ही रक्तदान करते हैं। यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाए। अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। स्वैच्छिक रक्तदान कर किसी की जान बचाकर जहां मानसिक खुशी मिलती है, वहीं रक्तदान करने वाले व्यक्ति का एक रक्तदाता कार्ड भी बना दिया जाता है, जिसका लाभ यह होता है कि यदि उसे या उसके किसी परिजन को सालभर के अंदर कभी रक्त की जरूरत पड़ जाती है तो वह इस रक्तदाता कार्ड के जरिए एक यूनिट रक्त ब्लड बैंक से आसानी से प्राप्त कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नीम करौली बाबा को अर्पित कंबल का महत्व

कैंची धाम ट्रस्ट से जुड़े भुवन बिष्ट बताते हैं कि बाबा के चमत्कारों में भी कंबल की भूमिका रही है। कई बार बाबा ने इसी कंबल से चमत्कार दिखाए, जिनका वर्णन उनकी जीवनी और किताबों में मिलता है, वहीं बाबा को कंबल वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है। श्रद्धालु जब बाबा को कंबल चढ़ाते हैं, तो मंदिर में मौजूद पुजारी कम्बल को बाबा की मूर्ति से छुआकर प्रसाद के तौर पर वापिस देते हैं। जिसे श्रद्धालु अपने घर ले जाते हैं। इसे बाबा का प्रसाद और आशीर्वाद माना जाता है। यह कंबल भक्त अपने घर के पूजा स्थान में रखते हैं या फिर किसी पवित्र स्थान पर सुरक्षित रखते हैं।

अफजल हुसैन फौजी

आस्था व श्रद्धा का प्रतीक कैंची धाम इन दिनों श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। जहां देश-विदेश से लाखों भक्त नीम करौली बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं। बाबा की अलौकिक उपस्थिति और चमत्कारों की कहानियों से जुड़ा यह स्थान भक्तों के लिए श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। जनसामान्य के साथ फिल्मी जगत, राजनीति, खेल जगत से जुड़ी कई बड़ी हस्तियां कैंची धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन कर चुकी हैं।

कैंची धाम में विशेष तौर पर नीम करौली बाबा को कम्बल चढ़ाने की परंपरा बेहद लोकप्रिय है। दूर दूर से श्रद्धालु कैंची धाम पहुंचकर बाबा को कंबल चढ़ाते हैं। इसका कारण है कि नीम करौली बाबा को कंबल अत्यंत प्रिय थे और बाबा अपने शरीर में सिर्फ धोती और कंबल ओढ़ते थे। बाबा गरीबों को भी कंबल दान करने और भोजन करवाने की सलाह देते थे, यही कारण है कि आज भी बाबा को श्रद्धा से भक्तों द्वारा कम्बल चढ़ाया जाता है।

कम्बल के अनेक चमत्कार

कैंची धाम ट्रस्ट से जुड़े भुवन बिष्ट बताते हैं कि बाबा के चमत्कारों में भी कंबल की भूमिका रही है। कई बार बाबा ने इसी कंबल से चमत्कार दिखाए, जिनका वर्णन उनकी जीवनी और किताबों में मिलता है, वहीं बाबा को कंबल वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है। श्रद्धालु जब बाबा को कंबल चढ़ाते हैं, तो मंदिर में मौजूद पुजारी कम्बल को बाबा की मूर्ति से छुआकर प्रसाद के तौर पर वापिस देते हैं। जिसे श्रद्धालु अपने घर ले जाते हैं। इसे बाबा का प्रसाद और आशीर्वाद माना जाता है। यह कंबल भक्त अपने घर के पूजा स्थान में रखते हैं या फिर किसी पवित्र स्थान पर सुरक्षित रखते हैं। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर भी बाबा को कंबल चढ़ाते हैं।

बीमारों का कम्बल से उपचार

मान्यता है कि यदि घर में कोई बीमार व्यक्ति हो, और उसे पूरे श्रद्धा भाव से यह कंबल ओढ़ाया जाए, तो उसे रोगों से मुक्ति मिल सकती है। यही कारण है कि भक्तों की आस्था इस कंबल से जुड़ी हुई है। बाबा के कम्बल को घर में पूजा वाली जगह यां फिर शुद्ध स्थान पर रखा जाता है।

कैंची धाम के आस-पास की दुकानों में आपको कई तरह के कंबल बिकते हुए नजर आ जाएंगे, जिन्हें श्रद्धालु बाबा को अर्पित करने के लिए खरीदते हैं। यह परंपरा न केवल बाबा की स्मृति से जुड़ी है, बल्कि लोगों की आस्था, विश्वास और भक्ति का जीता-जागता प्रतीक भी है। इस प्रकार बाबा का कंबल आज भी हजारों लोगों के लिए बाबा के प्रति आस्था का माध्यम बना हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मंदिरों में पैसे लेकर वीआईपी दर्शन बंद हों

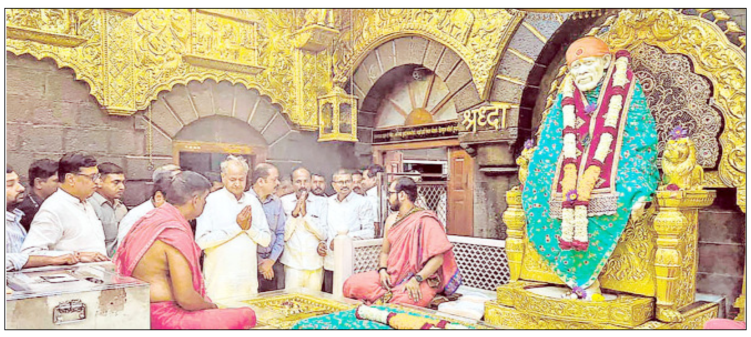

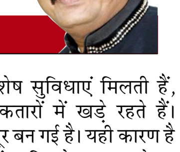

ललित गर्ग

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद काशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ 21 लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वहीं ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआईपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है।

देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। काशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्ठाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो।

काशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या काशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिए सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की।

दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिए मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गए हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं।

वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नए सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एयर इंडिया विमान दुर्घटना समूह के इतिहास का सबसे काला दिनः टाटा

नई दिल्ली/मुंबई। टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले विमान के तत्काल दुर्घटनाग्रस्त होने को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को कहा है कि यह कंपनी के इतिहास का सबसे काला दिन है और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हों इसके लिए सुरक्षा पर ही सबसे ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। चंद्रशेखरन ने अपने सहकर्मियों को लिखे पत्र में कहा कल जो हुआ, वह समझ से परे है और समझ नहीं आ रहा है कि आखरि यह सब कैसे हो गया। इससे पूरा समूह सदमे और शोक में हैं। हम जानते हैं कि एक व्यक्ति को खो देना भी एक बड़ी त्रासदी है लेकिन यहां तो एक साथ इतने लोगों की जान चली गई है। कल का दिन टाटा समूह के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है। जिन लोगों ने इस दुर्घटना में अपने परिजनों को खोया है उन्हें इस हालात में शब्दों से सांत्वना नहीं मिल सकती लेकिन हमारी संवेदनाएं दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ है। समूह अध्यक्ष ने लोगों को हर स्तर पर सहयोग का भरोसा देते हुए कहा हम यहां उनकी मदद के लिए हैं। पिछले 24 घंटों में भारत, ब्रिटेन और अमेरिका से जांच दल अहमदाबाद पहुंच चुके हैं।

अमेरिका ने ईरान को दी खुली चुनौती

ईरान समझौता करे या विनाश का सामना करे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह परमाणु समझौता करने पर राजी हो या विनाश का सामना करने के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि ईरान को समझौता करना होगा, वरना कुछ नहीं बचेगा। ईरान के कट्टरपंथी नेताओं को समझौते पर पहुंचने की जरूरत है,नहीं तो उन्हें विनाश का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि मैंने ईरान को समझौता करने के लिए एक के बाद एक मौका दिया लेकिन उसने बात नहीं मानी। ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर समझौता नहीं करता है तो विनाश जारी रहेगा। उन्होंने लिखा कि अब भी समय है कि इस कत्लेआम और विनाश को रोकने के लिए समझौता किया जाए। ईरान को समझौता करना होगा, वरना कुछ नहीं बचेगा। ईरान के खिलाफ इजरायली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के 'ऑपरेशन राइजिग लायन' की सफलता के तुरंत बाद ट्रम्प ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपनी और इजरायल की रक्षा करेंगे। अमेरिका इजरायल को दिए गए आयरन डोम इंटरसेप्टर मिसाइल बढ़ा रहा है ताकि संभावित बैलिस्टिक खतरों का मुकाबला किया जा सके। आईडीएफ ने एक बयान में पुष्टि की है कि उसके जेट विमानों ने पहले चरण का हमला पूरा कर लिया है, जिसमें ईरान के विभिन्न क्षेत्रों में परमाणु ठिकानों सहित कई सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमले किए गए।

ईरान पर हमला इजरायल के अस्तित्व की लड़ाई

यरूशलम। इजरायल ने ईरान के खिलाफ किए गए अपने हमलों को देश के अस्तित्व की लड़ाई बताते हुए कहा है कि वह ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को बाधित करने के लिए तत्परता से काम कर रहा है। इजरायली सुरक्षा बल (आईडीएफ) के सैन्य खुफिया निदेशालय (अमन) के प्रमुख मेजर जनरल श्लोमी बिदर ने आज कहा कि ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को बाधित करने के लिए परिचालन तत्परता के उच्चतम स्तर पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस खतरे को कम करना, बाधित करना और हटाना चाहते हैं। हम एक ऐसे अभियान पर निकल पड़े हैं जो अस्तित्व के लिए बहुत बड़ा है। यह एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ है जो हमें नष्ट करना चाहता है। उन्होंने कहा कि 'अमन' ने विभिन्न परमाणु हथियार समूह के विकास मुद्दों पर काम करने के ईरान के गुप्त प्रयासों का पता लगाने और बाधित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइल खतरों के संबंध में ईरान की गुप्त प्रगति का पता लगाने के लिए और भी कड़ी मेहनत की। इजरायली हमलों में ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। इससे ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम को नुकसान पहुंचा है। यह हमला ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रमों पर आईडीएफ द्वारा 2023 में ईरानी केंद्रों को निशाना बनाने के बाद से सबसे तीव्र और सावधानीपूर्वक समन्वित हमलों में से है।

चीनः तूफान 'वुटिप' में फंसे जहाज के चालक दल के सदस्य बचाए गए

सान्या। दक्षिण चीन के द्वीप प्रांत हैनान में तूफान 'वुटिप' में फंसे एक जहाज के चालक दल के 12 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कल शाम सूचना मिली थी कि हैनान के दक्षिण-पश्चिमी तट से करीब 14 समुद्री मील (लगभग 26 किलोमीटर) दूर एक जहाज पर मौजूद 12 लोग तूफान में फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे रवाना हुआ और रात करीब 11:50 बजे घटनास्थल पर पहुंचा जहां तीन मीटर ऊंची लहरें उठ रही थीं। करीब 43 मिनट के भीतर सभी चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार दोपहर तक सभी के सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की उम्मीद जताई। उल्लेखनीय है कि तूफान वुटिप कल रात करीब आठ बजे एक गंभीर उष्णकटिबंधीय तूफान में बदल गया। तूफान आज सुबह 10 बजे तक हैनान के लेदोंग ली स्वायत्त काउंटी के पास स्थित था। वहां हवा की रफ्तार 101 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई। तूफान उत्तर-पश्चिम दिशा में पांच से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। तूफान के मद्देनजर सान्या में सभी किंडरगार्टन, स्कूल, निर्माण स्थल और पर्यटक आकर्षण स्थल बंद कर दिये गए हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा

अहमदाबाद। एयर इंडिया विमान दुर्घटना के शिकार व्यक्ति के रिश्तेदार एक अस्पताल के बाहर विलाप करते हुए।

गाजा में इंटरनेट ठप होने से मानवीय सहायता बाधितः संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इंटरनेट और डेटा सेवाओं के ठप होने से गाज़ा पट्टी में मानवीय सहायता पूरी तरह से बाधित हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने यह जानकारी दी। हक ने गुरुवार को कहा कि मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने चेतावनी दी है कि इंटरनेट और डेटा सेवाओं के पूरी तरह बंद होने से गाज़ा में राहत कार्य ठप हो गए हैं। उन्होंने बताया कि संचार से जुड़े संयुक्त राष्ट्र के सहयोगियों के अनुसार ये बाधा 'गंभीर सैन्य गतिविधियों' के कारण उत्पन्न हुई है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संयुक्त राष्ट्र किसी भी पक्ष पर दोष नहीं लगा रहा है, लेकिन ये बात सही है कि इंटरनेट सेवाएं चालू रखने के लिए ईंधन की सख्त ज़रूरत है। संयुक्त राष्ट्र ने जून की शुरुआत में ही चेतावनी दी थी कि यदि ईंधन की आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो उन्हें गाज़ा में सहायता कार्य रोकने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मानसरोवर झील की यात्रा का पहला जत्था रवाना

नई दिल्ली। चीन के अधिकार वाले तिब्बत में स्थित भगवान शिव के धाम कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की यात्रा का पहला जत्था शुक्रवार को रवाना हो गया। विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने यहां जवाहरलाल नेहरू भवन में कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के लिए कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने यात्रियों को इस यात्रा के लिए चुने जाने पर सम्मानित किया।

अमेरिकी टैरिफ लगने से अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ने का अंदेशाः द. कोरिया

सोल। दक्षिण कोरियाई सरकार ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने तथा घरेलू मांग में देरी के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बना हुआ है।

अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्रालय ने ग्रीन बुक नामक अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी टैरिफ लगाने के कारण बाहरी परिस्थितियों के बिगड़ने के कारण दक्षिण कोरिया अर्थव्यवस्था पर निर्यात में कमी आने पर नकारात्मक दवाब पड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था को खपत और निर्माण निवेश में देरी से सुधार का

मई में उपभोक्ता कीमतों में सालाना आधार पर 1.9% की वृद्धि हुई जो कि अप्रैल के 2.1% वृद्धि से कम है

सामना करना पड़ रहा है और खासकर कमजोर समूहों के लिए रोजगार की समस्या भी बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है क्योंकि टैरिफ लगाने से व्यापार पर असर पड़ता है और वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि एक साल पहले की तुलना में मई में निर्यात में 1.3 प्रतिशत की कमी आई, लेकिन दैनिक औसत निर्यात में 1.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि खुदरा बिक्री में मार्च की तुलना में अप्रैल में 0.9 प्रतिशत घटी और निर्माण निवेश उसी महीने में 0.7 प्रतिशत कम हुआ। मई में नौकरियों की संख्या एक साल पहले की तुलना में 245,000 बढ़ी, जबकि बेरोजगारी दर 0.2 प्रतिशत अंक गिरकर 2.8 प्रतिशत रह गई। मई में उपभोक्ता कीमतों में सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो कि अप्रैल के 2.1 प्रतिशत वृद्धि से कम है।

कारगिल के शूरवीरों को श्रद्धांजलि के लिए तोलोलिंग चोटी पर सेना का विशेष अभियान

नई दिल्ली। सेना ने 1999 के कारगिल युद्ध में तोलोलिंग की ऐतिहासिक लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए तोलोलिंग चोटी पर एक विशेष अभियान चलाया है। यह अभियान सेना की 'फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' ने 11 जून को चलाया। द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक से रवाना हुए इस अभियान दल ने उन सैनिकों की अटूट भावना और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

ट्रम्प की मुसीबतः नेशनल गार्ड का नियंत्रण वापस करने का आदेश

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में एक संघीय अदालत ने गुरुवार देर रात एक अस्थाई प्रतिबंध आदेश जारी करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नेशनल गार्ड का नियंत्रण कैलिफोर्निया को वापस करने का निर्देश दिया। आदेश में कहा गया है कि ट्रम्प द्वारा लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड और अमेरिकी मरीन की तैनाती अवैध थी।

यह दसवें संशोधन का उल्लंघन और वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण था। आदेश शुक्रवार को दोपहर से प्रभावी होगा। अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर ने कहा कि ट्रम्प ने आव्रजन कार्रवाई पर विरोध प्रदर्शन के बाद

लॉस एंजिल्स में लगभग 4000 नेशनल गार्ड सदस्यों की तैनाती का आदेश देकर सीमा रेखा का उल्लंघन किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने उनकी इच्छा के विरुद्ध हुई नेशनल गार्ड की तैनाती को रोकने के लिए मुक. दमा दायर किया। कैलिफोर्निया ने बाद में एक आपातकालीन प्रस्ताव दायर किया जिसमें न्यायाधीश से गार्ड को आव्रजन छापों में सहायता करने से रोकने के लिए कहा गया। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश ब्रेयर का प्रतिबंधात्मक आदेश अमे. रिकी शहर की सड़कों पर हजारों नेशनल गार्ड तैनात करने के राष्ट्रपति के प्रयास के खिलाफ है। ये एक ऐसा प्रयास था जिसकी वजह से पूरे देश में लगभग एक सप्ताह से राजनीतिक विद्वेष का माहौल है और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर इजरायली हमलों के बारे में पहले जानकारी थीः ट्रम्प

मॉस्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें ईरान में इजरायली हमलों की पहले से ही जानकारी थी। फॉक्स न्यूज को दिये एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि यह हमला उनके लिए हैरानी का सबब नहीं था। उन्होंने कहा कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं हो सकता है। हम फिर से बातचीत की कोशिश कर रहे हैं। हम देखते हैं क्या होता है। नेतृत्व में कई ऐसे लोग हैं जो वापस नहीं आएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अगर ईरान हमलों के जवाब में कोई कदम उठाता है, तो अमेरिका खुद को और इजरायल को बचाने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मेक्सिको ने अमेरिका के आव्रजन छापों का फिर से किया विरोध

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका में चल रहे आव्रजन छापों का विरोध दोहराया है तथा कहा कि इस तरह की कार्रवाई अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल हैं। सुशिनबाम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ अपनी बैठक के बारे में संवाददाताओं को बताया। राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि दोनों ने अपराध, आव्रजन, व्यापार और 'हमारे प्रवासी भाइयों और बहनों की रक्षा' सहित कई मुद्दों पर बात की।

कुवैत ने भूमध्य सागर में फंसे 40 शरणार्थियों को बचाया

कुवैत सिटी। कुवैत की ऑयल टैंकर कंपनी के एक जहाज ने भूमध्य सागर में फंसे चालीस शरणार्थियों को बचा लिया है। ऑयल टैंकर कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उसके एक जहाज ने भूमध्य सागर में फंसे 40 शरणार्थियों को बचा लिया है। कंपनी ने बताया कि शरणार्थियों की नाव टूट गई थी। कुवैत समाचार एजेंसी द्वारा दिए गए एक बयान में कंपनी ने कहा कि उसके जहाज अल-दसमा ने मंगलवार को एक संकट कॉल का जवाब दिया।

योग पर वैश्विक सम्मेलन शनिवार को

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को 'योग कनेक्ट 2025: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें दुनिया भर के अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थानों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के रूप में 14 जून यहां 'योग कनेक्ट 2025: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश के योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, उद्योग नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद कर रही है।

सम्मेलन में बहरीन, अमेरिका, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के 1000 विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। मंत्रालय के अनुसार शिखर सम्मेलन में 'योग प्रभाव' रिपोर्ट का विमोचन होगा। यह रिपोर्ट शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण प्रासंगिकता की होगी, क्योंकि यह देश भर में योग अभियानों की पहुंच।

ईरान ने दिखाया आईएईए को ठेंगा

बड़ा नया परमाणु कदम उठाया, आईएईए की फटकार के बाद भी तीसरी एनरिचमेंट साइट शुरू करने का ऐलान

ईरान के नातांज यूरेनियम संवर्धन संयंत्र को इजरायली हमलों से पहुंचा नुकसानः आईएईए महानिदेशक का दावा

वियना (आस्ट्रिया)। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे तनाव के बीच ईरान ने एक बड़ी घोषणा की है। इसके तहत ईरान ने कहा है कि उसने तीसरी परमाणु संवर्धन (न्यूक्लियर एनरिचमेंट) सुविधा तैयार कर ली है और जल्द ही इसे शुरू करेगा।

यह ऐलान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) की तरफ से ईरान को नान-प्रोलिफरेशन संधियों का उल्लंघन करने पर फटकार लगाने के ठीक बाद किया गया है। मामले में आईएईए ने ईरान पर आरोप लगाया है कि वह पिछले कुछ सालों से अपने परमाणु कार्यक्रम की पूरी जानकारी नहीं दे रहा है। यह चेतावनी 20 वर्षों में पहली बार इतनी गंभीर मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इसके बाद ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। आईएईए ने अपने मसौदा प्रस्ताव में कहा है कि ईरान 2019 से कई बार आईएईए के साथ पूरी और समय पर जानकारी साझा करने में असफल रहा है, जो उसके परमाणु समझौते का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इस मामले में अगली कार्रवाई करनी पड़ सकती है, जिसमें ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

हालांकि आईएईए ने बातचीत के जरिए हल निकालने का समर्थन भी किया है। बता दें कि आईएईए बोर्ड की बैठक में 35 देशों में से 19 ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने यह प्रस्ताव रखा था। वहीं रूस, चीन और बुर्किना फासो ने विरोध किया, 11 देशों ने मतदान से दूरी बनाई और 2 ने वोट नहीं दिया। वहीं इन सभी फटकर और चेता. वनी के बावजूद ईरान ने जवाबी कर्रवाई के संकेत दिए है। ईरान के विदेश मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा संगठन ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इस राजनीतिक प्रस्ताव का जवाब देना अब ईरान के लिए जरूरी हो गया है। साथ ही ईरानी परमाणु एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि आईएईए के प्रस्ताव के बाद उन्होंने एजेंसी को सूचित कर दिया है कि ईरान कौन-कौन से कदम उठाएगा। ईरानी परमाणु एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार ईरान कुछ सख्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है। जिसमें तीसरी संवर्धन साइट शुरू करना, जिसे सुरक्षित और अजेय स्थान पर बताया गया है। पुराने सेंट्रीफ्यूज को नए, आधुनिक सेंट्रीफ्यूज से बदलना, जिससे यूरेनियम संवर्धन की मात्रा काफी बढ़ जाएगी। अन्य कई जवाबी उपायों की तैयारी भी चल रही है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ने की संभावना तेज हो गई है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि यदि ईरान से समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका या इस्रा. इल ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले कर सकते हैं। वहीं आईएईए के महानिदेशक रफायेल एम ग्रॉसी ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से कहा कि इजरायल के ताजा हमले में उसके नातांज़ स्थित यूरेनियम संवर्धन संयंत्र पर असर पड़ा है, लेकिन वहां विकिरण के स्तर में वृद्धि नहीं हुई है।

दक्षिण अफ्रीकाः बाढ़ से मरने वालों की संख्या 78 हुई

अब तक केवल 21 शवों की हो पाई है पहचान

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है जिनमें से अब तक केवल 21 शवों की पहचान की जा सकी है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीका के सहकारी शासन एवं पारंपरिक मामलों के मंत्री वेलेंकोसिनी हलाबिसा ने कल शाम एसएबीसी न्यूज चैनल से कहा कि बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है और शव अभी भी बरामद किए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि हम एक गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। पानी कम होने पर और शव मिलने की आशंका है। राहत की बात यह है कि हमारे पास खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए पर्याप्त कर्मचारी हैं। गौरतलब है कि प्रांत के कई जिलों में भारी बारी के कारण सोमवार को बाढ़ आने से सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए। पूर्वी केप प्रांतीय सरकार के अनुसार बचाव दल प्रभावित

क्षेत्रों में लापता लोगों की तलाश कर रहा है। प्रभावित जिलों में दो हेलीकॉप्टर, खोज और बचाव वाहन, पुलिस श्वान और तकनीकी बचाव दल तैनात किए गए हैं। मंत्री ने लोगों से अधिकारियों को लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट करके सहायता करने का भी आग्रह किया है।

सोना कॉमस्टार के अध्यक्ष संजय कपूर का इंग्लैंड में निधन

नई दिल्ली। वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली प्रमुख कंपनी सोना कॉमस्टार के अध्यक्ष और गैर-कार्यकारी निदेशक संजय जे कपूर का कल इंग्लैंड में अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

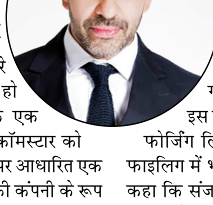

वह 53 वर्ष के थे। कंपनी ने शुक्रवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि हम अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करते हैं कि हमारे अध्यक्ष का इंग्लैंड में निधन हो गया है। कंपनी ने कहा कि एक दूरदर्शी नेता, कपूर ने सोना कॉमस्टार को नवाचार, स्थिरता और उद्देश्य पर आधारित एक वैश्विक गतिशीलता प्रौद्योगिकी कंपनी के रूप में आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके जुनून, दूरदर्शिता और उत्कृष्टता के प्रति अथक प्रतिबद्धता ने उन सभी को प्रेरित किया जिन्हें उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला। कंपनी ने कहा कि अपनी पेशेवर उपलब्धियों से परे, कपूर एक समर्पित पिता, कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक और भारत के विनिर्माण और गतिशीलता क्षेत्रों के लिए एक अथक अधिवक्ता थे। उनके नुकसान को पूरे उद्योग और सोना परिवार में गहराई से महसूस किया गया है।

इस बीच सोना बी एल डब्लू प्रेसिजन फोर्जिंग लिमिटेड ने बीएसई के नियामक फाइलिग में भी यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि संजय एक दूरदर्शी नेता और दयालु व्यक्ति थे जिनके मार्गदर्शन ने सोना कॉमस्टार की सफलता को आकार दिया।